9 राज्य, 18 संस्करण रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, इंदौर, भोपाल, सागर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, मुंबई, पुणे, नई दिल्ली, जयपुर,लखनऊ, जालंधर, रांची, कोलकाता से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 4.00 वर्ष-12, अंक 88, पृष्ठ -12 महानगर संस्करण

D-live NewsTV www.dabangdunia.co.in

दैनिक दबंग दुनिया

रायपुर, सोमवार, 9 दिसंबर 2024

निष्पक्ष नज़र, निष्पक्ष ख़बर

देश का सबसे चर्चित संपूर्ण हिन्दी अख़बार

अंदर पढ़ें

पेज 05

चिकित्सा क्षेत्र युवाओं के लिए एक अच्छा कैरियर होने के साथ-साथ लोगों की सेवा करने का सुअवसर भी करता है प्रदान : सीएम साय

दबंग दुनिया ♦ रायपुर

सांसद रहने के दौरान दिल्ली का नॉर्थ एवेन्यू स्थित मेरा आवास छत्तीसगढ़ और क्षेत्र के मरीजों व परिजनों के लिए दूसरा घर था। उपचार के लिए दिल्ली जाने वाले मरीज वहीं रहकर अपना इलाज करवाते थे। लोग मुझसे कहते थे कि आपका घर मिनी एम्स है। मरीजों की सेवा मेरे लिए सबसे ज्यादा रुचि का कार्य था और यह कार्य मुझे सबसे अधिक संतुष्टि प्रदान करती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एंड रिसर्च सेंटर द्वारा आयोजित व्हाइट कोट सेरेमनी को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे सभी छात्रों को मरीजों की सेवा के इस कार्य से जुड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विधायक इंद्र कुमार साहू और श्री रविशंकर जी महाराज सहित मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर, डॉक्टर और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कॉलेज के डीन डॉ. कुंदन ई. गेडाम ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश कर रहे छात्र-छात्राओं को चिकित्सा आचार संहिता की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेडिकल साइंस युवाओं के लिए एक अच्छा कैरियर होने के साथ-साथ लोगों की सेवा करने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जीवन सबसे अमूल्य निधि है और आप लोग अच्छे इलाज से लोगों को संजीवनी प्रदान करते हैं, इसलिए लोग डॉक्टर को भगवान की तरह मानते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी पूरे सेवाभाव के साथ अपना कार्य करें, इससे जो दुआएं मिलेंगी, उससे आपके जीवन में और भी सुख-समृद्धि आयेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान अंबेडकर अस्पताल के विस्तार और 700 बेड अस्पताल के निर्माण के लिए 231 करोड़ रुपए जारी किए जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अस्पताल भवन के तैयार हो जाने के बाद अंबेडकर अस्पताल की क्षमता 2 हजार मरीजों की हो जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एमबीबीएस के साथ ही पीजी की सीट भी बढ़ाने के लिए कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में प्रसूति एवं स्त्रीरोग तथा

चमरौंग की पीजी सीट आरंभ करने के निर्णय की भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे 10 शासकीय मेडिकल कॉलेज के साथ ही यहां निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज भी प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन को मजबूत करने और होनहार डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने में मजबूत भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में छत्तीसगढ़ में मेडिकल एजुकेशन का जितना विस्तार हुआ, उतना पहले कभी नहीं हुआ था, इसका सीधा असर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में दिखने लगा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ को एम्स की सौगात दी, जो न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आसपास के इलाकों के मरीजों के लिए भी चिकित्सा सुविधा का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे सांसद रहने के दौरान दिल्ली स्थित मेरा आवास जैसे मरीजों और उनके परिजनों के लिए हमेशा खुला रहता था, वैसे ही आज प्रदेश के मुखिया होने के नाते कुनकुरी सदन के माध्यम से सेवा का यह कार्य आज भी लगातार जारी है। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मेडिकल के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी अच्छे डॉक्टर बनेंगे। इस व्यवसाय में सेवा प्राथमिक है, रोजगार का स्थान बाद में आता है। आप सभी सेवा मानकर इस व्यवसाय से जुड़ेंगे तो प्रदेश को सदैव इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में निजी संस्थानों की स्थापना से सरकार के उद्देश्यों की पूर्ति में भी बड़ा सहयोग मिलेगा। मंत्री श्री जायसवाल ने प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य आधोसंरचनाओं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार के प्रयासों की भी जानकारी साझा की।

वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि आज चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश कर रहे आप सभी छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता के साथ प्रदेश का भी नाम रोशन करेंगे। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में आपका योगदान होगा। हमारे युवाओं का डंका राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर बज रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम नवा रायपुर को सर्विस सेक्टर के ग्रोथ हब के रूप में स्थापित करेंगे। हमारी सरकार हेल्थ केयर डेस्टिनेशन के रूप में रायपुर को स्थापित करने का प्रयास कर रही है, जिससे प्रदेश के लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

सार.समाचार

प्रदेश मे पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू होगी मुख्यमंत्री अन्नकोष योजना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 09 दिसम्बर को चिरमिरी और अंबिकापुर के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय चिरमिरी में जिला चिकित्सालय का लोकार्पण करने के साथ ही मनेन्द्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले में 549 करोड़ रूपए के विकास कायी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय अंबिकापुर के पी.जी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में 495 करोड़ रूपए के विकास कायी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने के साथ ही सरगुजा जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में मुख्यमंत्री अन्नकोष योजना का शुभारंभ करेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड से हेलीकॉप्टर से 11 बजे रवाना होकर दोपहर 12 बजे चिरमिरी पहुंचेंगे और वहां जिला चिकित्सालय का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.25 बजे से लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम चिरमिरी में आयोजित कार्यक्रम में विकास कायी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात अंबिकापुर जाएंगे और वहां पीजी कॉलेज में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम कें शामिल होंगे। मुख्यमंत्री अपरान्ह 3.50 बजे से माता राजमोहनी देवी ऑडिटोरियम अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ कोलता समाज के संभाग स्तरीय सम्मेलन में भाग लेने के पश्चात शाम 5.30 बजे रायपुर लौट आएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 9 दिसम्बर को सरगुजा जिले को देंगे 495 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना का होगा शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 9 दिसम्बर को अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा जिले को 495 करोड़ 23 लाख की लागत वाले विकास कार्यों की सौगात देंगे, जिसमें 154 करोड़ 47 लाख रूपए की लागत से निर्मित 145 विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा 340 करोड़ 76 लाख रूपए की लागत से निर्मित होने वाले 1047 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। कार्यक्रम में वित्त एवं प्रभारी मंत्री सरगुजा ओ.पी. चौधरी, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक सर्वश्री राजेश अग्रवाल, प्रबोध मिंज, रामकुमार टोप्पो, अध्यक्ष राज्य युवा आयोग श्री विश्व विजय सिंह तोमर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस अवसर पर सरगुजा जिले में मुख्यमंत्री अन्नकोष योजना का भी शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सरगुजा में शुरू की जा रही है।

हमारी सरकार मोदी की गारंटी को पूरा करने तथा सुशासन स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित: सीएम साय

दबंग दुनिया ♦ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजनांदगांव जिले के गायत्री विद्यापीठ स्कूल में एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब संभाग स्तरीय खेलकूद के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में एक पक्ष जीतता है, तो दूसरा पक्ष हारता नहीं है, बल्कि दूसरे पायदान पर आ जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों को ग्रामीण क्षेत्रों में एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब के माध्यम से बहुत लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गायत्री विद्यापीठ स्कूल के खेल मैदान के सौंदर्यीकरण के लिए 20 लाख रूपए देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने तथा सुशासन स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश के 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, तेंदूपत्ता

बोनस एवं विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे स्कूली बच्चों, विजेता प्रतिभागियों एवं एकल अभियान परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला कि बिलासपुर में एक रिक्शा चालक की बिटिया पवर्तारोहण के लिए अफ्रीका के किलीमंजारो जाना चाहती है, उसे तत्काल पौने चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता देकर समस्या का समाधान किया गया। वही एक श्रमिक की बिटिया बैडमिंटन की प्रतिभावान खिलाड़ी है, उसे भी सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संसाधन की कमी नहीं होगी और प्रदेश के खिलाडियों को शासन द्वारा हरसंभव मदद दी जाएगी। ओलंपिक में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर 3 करोड़ रूपए, रजत पदक में 2 करोड़ रूपए और कांस्य पदक में एक करोड़ रूपए की राशि प्रदान की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बहुत परिश्रमी रहे हैं तथा उन्होंने जशपुर में पैदल चलकर तथा कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई की है। आप में से भी कोई कठिन परिश्रम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा तक जाइए, आपका सफल होना सुनिश्चित है। इस अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कमर्चारी, एकल विद्यालय एवं यूथ क्लब के सदस्य, खिलाड़ी बच्चे उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर में शहीद गेंद सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

दबंग दुनिया ♦ रायपुर

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर जिले के बड़ाजी ग्राम में शहीद गेंद सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही उन्होंने 8 करोड़ तीन लाख के 9 विकास कार्यों का भूमि पूजन-लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्बा समाज के शहीद गेंद सिंह ने अंग्रेजों से लोहा लिया और क्षेत्र में अंग्रेजी शासन की नीतियों का विरोध किया। आज हम सभी युवा शहीद गेंद सिंह का स्मरण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और समाज के उत्थान में अपना योगदान दें। कार्यक्रम को सांसद महेश कश्यप, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल ने भी संबोधित किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि परलकोट जमींदारी के जमींदार गेंद सिंह ने मराठों और ब्रिटिश अधिकारियों के शोषण के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का शंखनाद किया था। उनका उद्देश्य बस्तर को गुलामी से मुक्त कराना था। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के 6 हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए स्वीकृत आदेश पत्र का हितग्राहियों को वितरण किया गया ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था समाज को संस्कारी और सेवाभावी बनाने का कर रही है कार्य : विष्णुदेव साय

दबंग दुनिया ♦ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजनांदगांव में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था अपनी मेहनत से समाज को संस्कारी और सेवाभावी बनाने जुटी है। वतर्मान समय बहुत भाग-दौड़ का समय है ऐसे में तनाव होना भी स्वाभाविक है। यह तनाव लोगों को शारीरिक, मानसिक रूप से कमजोर करता हैं। ऐसे समय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा राज मार्ग राजयोग का ध्यान बताया गया है, जिससे निश्चित रूप से लाभ मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर भवन से लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से ध्यान करने वाले व्यक्ति शांत और धीर गंभीर होते हैं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा मेडिटेशन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो मानवता की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया जिसके महत्व को स्वीकार करते हुए आज पूरी दुनिया में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व में योग को स्थापित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। उन्होंने कहा कि कोई भी अच्छी सरकार लोगों के विकास की चिन्ता करती ही है, लेकिन अध्यात्मिक कल्याण के लिए लगातार कार्य करना लोगों के हित में होता है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने श्री रामलला दर्शन योजना शुरू की है, जिससे प्रदेश के 20 हजार से अधिक श्रीराम भक्त पिछले एक वर्ष में श्री रामलला दर्शन योजना का लाभ ले चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 5 शक्तिपीठों को जोड़कर तीर्थ यात्रा की शुरूआत की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज पूरी दुनिया में सेवा भाव से कार्य करती है। ब्रह्माकुमारीज के विश्व के 145 देशों में 8000 से अधिक सेवा केन्द्र संचालित है। संयुक्त राष्ट्र संघ और यूनिसेफ जैसे वैश्विक संगठन के साथ मिलकर विश्व शांति के अभियान में ब्रह्माकुमारीज संस्था कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज संस्था को संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा पांच बार शांतिदूत पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। डायरेक्टर ब्रह्माकुमारीज अम्बावाड़ी सब जोन अहमदाबाद राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शारदा दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह संस्था व्यक्ति के गुण, चरित्र एवं संस्कारों को परिष्कृत करती है। उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर राजयोग मेडीटेशन ट्रेनिंग सेंटर है, जो सर्व सुविधाओं से परिपूर्ण है। यहां एक बहुत बड़ा सभागार का निर्माण किया गया है, जिसकी बैठक क्षमता तीन हजार है। इस भवन में बहुत बड़ा भोजनालय, रसोईघर तथा कम से कम 300 लोगों की ठहरने की व्यवस्था भी है।

Scanned with OKEN Scanner

बेमौसम बारिश से धान भीगने का मंडरा रहा खतरा

■ अनुबंध नहीं होने से उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव है ठप

दबंग दुनिया ♦ कोरबा

मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। बदली छा रही है और बेमौसम बारिश का खंतरा मंडरा रहा है और खुले आसमान के नीचे अरबों का धान रखा हुआ है। बफर लिमिट तक धान को बचाने का इंतजाम की व्यवस्था उपार्जन केंद्रों में होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में बारिश होती है तो बाकी धान भीग सकते है। इससे सोसायटियों को लाखों का नुकसान होगा। उठाव नहीं होने से समितियों को अब चिंता सताने लगी है। वहीं मौसम को देखते हुए किसान अपना धान शीघ्र बेचने की तैयारी में जुटे हुए हैं। केंद्रों में धान खरीदी में तेजी आ रही है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में इस बार उठाव में पेंच फंस गया है। कस्टम

मिलिंग का बकाया भुगतान नहीं होने के चलते मिलर्स धान उठाव के लिए अनुबंध नहीं कर रहे हैं। इससे उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव ठप पड़ा है। स्थिति यह है कि अब उपार्जन केंद्रों में धान की भरपूर आवक होने से बफर लिमिट क्रास होते जा रही है। आने वाले दिनों में जल्द ही धान का उठाव नहीं हुआ तो उपार्जन केंद्रों में धान रखने जगह नहीं बचेगी। इससे खरीदी बंद करनी पड़ी जाएगी। जिले में 64 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी जारी है। 7 दिसंबर तक की स्थिति में जिले में 6283 किसानों से 6 लाख 63 हजार क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। लेकिन उपार्जन केंद्रों से अब तक धान के एक दाना का उठाव नहीं हो सका है। इधर खरीदी केंद्रों में अब आवक बढ़ गई है। स्थिति यह है कि 10 से ज्यादा उपार्जन केंद्रों में बफर लिमिट पार हो चुकी है। 7200 क्विंटल बफर लिमिट रखी गई है।

मौसम विभाग ने जताई बारिश की आशंका

जिले में 6 दिसंबर के बाद से मौसम बदल गया है। कई जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। हल्की बारिश और बूंदाबांदी से मौसम ठंडा रहेगा, लेकिन शनिवार को सुबह से आसमान में बादल छाए हुए थे। अधिकतम तापमान 31 डिग्री व न्यूनतम 17 डिग्री के आसपास रहा। इसके कारण गर्मी महसूस हुई। 9 और 10 दिसंबर से प्रदेश में मौसम साफ होगा और रात के तापमान में गिरावट शुरू होगी। इससे ठंड बढ़ेगी। पिछले चार दिनों से ज्यादा ठंड नहीं पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार समुद्र से बड़ी मात्रा में नमी आएगी। प्रदेश में इस समय दिन और रात का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। इस वजह से ठंड लगभग गायब हो गई है। दिन का तापमान 27 से 32 डिग्री के बीच बना हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक, जिले के बरपाली, कोटमी, निरंधि, सिरमिना समेत 10 के करीब उपार्जन केंद्रों में बफर लिमिट पार हो चुकी है और यहां से उठाव अब तक एक बोरी का नहीं हुआ है।

सिलियारीभाठा में संग्रहण केंद्र का चिन्हांकन

इधर मार्कफेड के अफसरों की माने तो इस बार उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव कर संग्रहण केंद्रों में रखने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि सिलियारीभाठा में संग्रहण केंद्र के लिए स्थल चिन्हांकित किया जा चुका है लेकिन संग्रहण केंद्र में अभी कोई तैयारी नजर नहीं आ रही न ही किसी भी उपार्जन केंद्र से एक क्विंटल धान संग्रहण केंद्र में भेजा गया है। इधर समितियों का कहना है कि शीघ्र ही उठाव की व्यवस्था नहीं की जाती है तो संघ के माध्यम से संग्रहण केंद्र खोलने और उपार्जन केंद्र से धान का उठाव कराने की मांग करेंगे।

रौताही बाजार एवं रावत नाच महोत्सव 9 दिसंबर को

दबंग दुनिया ♦ पामगढ़

नगर पंचायत पामगढ़ के तत्वावधान में रौताही बाजार एवं रावत नाच महोत्सव का आयोजन आज 9 दिसंबर को नगर के स्टेडियम खेल मैदान पामगढ़ में आयोजित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक रावत नाच शौर्य प्रदर्शन का आयोजन व्यापारी संघ पामगढ़ के द्वारा कराया जा रहा है राउत नाचा महोत्सव में मुख्य अतिथि पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, अध्यक्षता राज्य मुख्य आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ डॉ सोमनाथ यादव, अति विशिष्ट अतिथि सरंक्षण व्यापारी संघ पमगढ़ रामखिलावन ओग्रे की उपस्थिति में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ी पारंपरिक रावत शौर्य प्रदर्शन में प्रथम से लेकर सप्तम पुरस्कार आने वाले राउत नाचा मंडली को पुरस्कृत किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार 15000 नगद स्व. ध्वजाराम यादव की स्मृति में एवं शील्ड, द्वितीय पुरस्कार 10000 नगद अर्जुन सिंह यादव की स्मृति में एवं शील्ड, तृतीय पुरस्कार 7000 नगद कमोद राम यादव की स्मृति में एवं शील्ड, चतुर्थ पुरस्कार 5000 नगद गिरवर यादव की स्मृति में एवं शील्ड, पंचम पुरस्कार 3000 नगद सतीश यादव की स्मृति में एवं शील्ड, षष्टम पुरस्कार 2000 नगद उदेराम यादव की स्मृति में एवं शील्ड, सप्तम पुरस्कार 1500 नगद प्रदीप यादव की स्मृति में एवं शील्ड दी जाएगी। और सभी पुरस्कृत दलों के वादक दलों को अधिवक्ता संतोष यादव जी की ओर से 501 रुपये से सम्मानित किया जाएगा। लोगों में मेले को लेकर काफी उत्साहित एवं खुशी का माहौल दिख रहा है मेले में आने वाले झूले, टॉकीज, बाजार विभिन्न प्रकार की दुकान लगाई जाएगी।

ग्रेजुएशन व पोस्टग्रेजुएशन में दो बार ले सकेंगे एडमिशन

■ गाइडलाइन का ड्राफ्ट तैयार, मांगी गई प्रतिक्रिया

दबंग दुनिया ♦ कोरबा

छात्रों को अब यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन (यूजी) व पोस्टग्रेजुएशन (पीजी) में दो बार एडमिशन ले सकेंगे। साथ मल्टीपल एंट्री और एग्जिट का विकल्प होगा। छात्र अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने पर भी एलिजिबिलीटी सर्टिफिकेट ले सकते हैं। यूजीसी ने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री के लिए न्यूनतम मानक निर्देश 2024 के लिए गाइडलाइन का ड्राफ्ट तैयार किया है। जिसका उद्देश्य अधिक फ्लेक्सिबिलिटी, मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग को बढ़ावा देना और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के साथ एकेडमिक फ्रेमवर्क को तैयार करना है। इस नियम के तहत अब संस्थान अब किसी भी छात्र को साल में दो बार एक बार जुलाई-अगस्त में और दूसरी बार जनवरी-फरवरी में यूजी व पीजी कोर्स में एडमिशन दे सकेंगे।यूजीसी की ओर से जारी इस ड्राफ्ट पर लोगों को प्रतिक्रिया देने के

लिए कहा गया है। गूगल फॉर्म पर यूजीसी ने 23 दिसंबर तक अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। यूजीसी की ओर से कहा गया है कि यह नियम सभी केंद्रीय, राज्य और प्रांतीय कानूनों के विश्वविद्यालय, मान्यता प्राप्त कॉलेजों पर लागू होंगे। जिन छात्रों को डिग्री पूरा करने के लिए समय चाहिए, वे अपनी डिग्री की अवधि बढ़ा सकते हैं। अधिक समय के बावजूद छात्रों को वही कोर्स और क्रेडिट पूरे करने होंगे। विषयों की बाध्यता खत्म होने से छात्र अपनी रुचि के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। मल्टीपल एंट्री और एग्जिट से छात्रों का समय बर्बाद नहीं होगा, हर छात्र अपनी जरूरत के हिसाब से शिक्षा की अवधि तय कर सकता है। वह बीच में पढ़ाई छोड़कर बाद में उसे फिर से शुरू कर सकेगा। नए नियम के अनुसार दो डिग्री भी एक साथ करने का प्रावधान होगा। छात्रों को विषय चुनने की आजादी मिलेगी, 12वीं या स्नातक में पढ़े विषयों की बाध्यता नहीं रहेगी। अब छात्र किसी 12वीं में चाहे कॉमर्स का ही क्यों न हो वह इंजीनियरिंग में भी विषय में स्नातक या पीजी कर सकते हैं। लेकिन उन्हें राष्ट्रीय या विवि स्तर की प्रवेश परीक्षा पास करना होगा। न्यूनतम उपस्थिति के मानकों को तय करने का अधिकार अब संस्थानों को होगा। एनईपी 2020 के तहत बहु-विषयक शिक्षा और ऑनलाइन-हाइब्रिड लर्निंग को ध्यान में रखकर किया गया है।

क्रेडिट का 50 फीसदी अंक करना होगा हासिल

छात्रों को डिग्री में किसी एक विषय में कुल क्रेडिट का 50 फीसदी हासिल करना होगा। बाकी क्रेडिट स्किल कोर्स, इंटर्नशिप और अन्य विषयों से लिए जा सकते हैं। ग्रेजुएशन डिग्री का समय तीन या चार साल और मास्टर्स डिग्री का समय एक या दो साल होगा। योग्य छात्र कम समय में डिग्री पूरी कर सकते हैं। पहली या दूसरी सेमेस्टर की परफॉर्मेंस के आधार पर यह विकल्प चुन सकते हैं। डिग्री में यह स्पष्ट लिखा जाएगा कि इसे सामान्य अवधि से पहले पूरा किया गया है।

फ्लोरा मैक्स ठगीकांड से ननकी ने पुलिस महानिदेशक और आईजी को कराया अवगत

■ थाना-चौकी क्षेत्र में दर्ज किया जाना चाहिए प्रकरण

दबंग दुनिया ♦ कोरबा

पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने फोन के माध्यम से राज्य के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा व बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला से चर्चा की। अधिकारीद्वय को फ्लोरा मैक्स की ठगी से अवगत कराया गया है।अवगत कराते हुए कहा कि कोरबा जिला सहित अन्य जिलों में फ्लोरा मैक्स कंपनी से जुड़े महिला लीडरों के द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ ठगी किया गया है। फ्लोरा मैक्स के लीडरों का साठगांठ फाइनेंस कंपनी के लोगों से था, इसलिए महिलाओं को 5 से 10 मिनट के अंदर लोन दिलाकर लोन की रकम 30300 रुपये देने के पश्चात 30000 रुपये का ही रसीद महिलाओं को दिया जाता था। यहीं से ठगी की शुरूआत हुई है। सभी थाना-चौकी क्षेत्र में संचालित ब्रांच से अलग-अलग टीम लीडरों के द्वारा पैसा वसूलने का काम किया गया है इसलिए सभी थाना-चौकी क्षेत्र में प्रकरण दर्ज करना चाहिए। श्री कंवर ने कहा कि कोरबा जिले में प्रशासन की ओर से फ्लोरा मैक्स के संबंध में अभी तक किसी प्रकार की अपील पीड़ित महिलाओं से नहीं किया गया है कि वे लोग अपनी शिकायत पुलिस के

पास जरूर दर्ज करावें और प्रशासन उस पर संज्ञान लेगा। इस कारण से ठगी का शिकार हुई महिलाओं और कुल राशि का आंकड़ा अभी तक जिले में स्पष्ट रूप से नहीं आया है। नकी राम कंवर ने कोरबा जिला सहित अन्य जिले में ठगी का शिकार हुई महिलाओं से अपील की है कि आप लोग अपनी शिकायत लिखकर संबंधित थाना, पुलिस चौकी, पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को जरुर दे। जिससे कितने महिलाओं के साथ में ठगी हुआ है और कौन-कौन फाइनेंस कंपनी ने महिलाओं को लोन फाइनेंस किया है, इसकी जानकारी मिल सके। यह भी पता चल सकेगा कि फ्लोरा मैक्स कंपनी के किन-किन लोगों की संलिप्ता इस स्कैम में है। पीड़ित महिलाएं शासन-प्रशासन की मदद के लिए अपनी शिकायत जरूर दर्ज कराएं।ननकी राम कंवर ने यह भी कहा कि मैं सभी पीड़ित महिलाओं के साथ में हूं, आप लोग अपना हौसला बुलंद करिए, कोई भी अपने शारीरिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ मत करिए बल्कि हौसला बनाए रखिए, आप लोगों की बातों को मैं प्रदेश सरकार सहित केंद्र सरकार तक जरूर पहुंचाऊंगा और मुझे पूरी उम्मीद है कि आप लोगों के साथ में जो भी अन्याय हुआ है उस अन्याय के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही होगी।

न्यू एजुकेशन पॉलिसीः प्राइवेट के विद्यार्थियों को भी जाना पड़ेगा कॉलेज

कोरबा। स्नातक व स्नातकोत्तर की पढ़ाई में नई शिक्षा नीति नियमित के साथ प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए भी सिरदर्द बन गई है। क्योंकि न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत फर्स्ट ईयर प्राइवेट के विद्यार्थियों को भी ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद नियमित विद्यार्थियों की तरह कॉलेज जाना पड़ रहा है। इसके साथ उन्हें आंतरिक मूल्यांकन और प्रायोगिक परीक्षाएं देनी पड़ रही है। इसके अलावा उन्हें अपने चुने गए विषयों पर निर्धारित मॉडल (असाइमेंट) भी जमा करना पड़ेगा। नई शिक्षा नीति ऑटोनॉमस कॉलेजों में पहले ही लागू हो गया है। प्रदेशभर के सभी कॉलेजों में लागू कर दिया गया है। इस सत्र इसी के तहत पढ़ाई हो रही है। न्यू एजुकेशन पॉलिसी का असर प्राइवेट विद्यार्थियों पर भी पड़ रहा है। पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और पासिंग मार्क भी बदल गया है। साथ ही प्राइवेट विद्यार्थियों को भी सेमेस्टर सिस्टम से ही कक्षाएं पास करनी पड़ेगी। हालांकि फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर चुके विद्यार्थियो को ईयरली परीक्षाएं देनी होगी। प्राइवेट रूप में स्नातक और स्नाकोत्तर में प्रथम सेमेस्टर की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी ऑनलाइन परीक्षा फार्म भर चुके हैं। फार्म भरने के बाद कई विद्यार्थियों को पता ही नहीं है कि उन्हें आगे क्या करना है। ऐसे विद्यार्थियों को संबंधित कॉलेज से जानकारी भी दी जा रही है।

केशरी कॉलेज ऑफ फॉमेर्सी खोखरा में स्वास्थ्य जागरूकता आयोजित

दबंग दुनिया ♦ जांजगीर-चांपा

केशरी कॉलेज ऑफ फामेर्सी खोखरा,जांजगीर में मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार थीम पर फार्मासिस्ट विद्यार्थियों द्वारा विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार एक महत्वपूर्ण और प्रेरक वाक्य है जो हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित करता है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि हमारा स्वास्थ्य ही हमारा धन है और हमें इसकी रक्षा करनी चाहिए। यह हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। यह वाक्य हमें यह भी याद दिलाता है कि हमारे स्वास्थ्य की जिम्मेदारी हमारी अपनी है, और हमें इसकी रक्षा के लिए निरंतर योगाभ्यास, व्यायाम करना चाहिए। यह हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित करता है, और हमें स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर केशरी फॉमेर्सी के छात्र-छात्राओं द्वारा जन जागरूकता रैली, व्याख्यान, मानव श्रृंखला जैसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के संचालक डॉ. सुरेश यादव ने स्वास्थ्य जागरूकता के के महत्व को प्रतिपादित किया। अपने स्वास्थ्य को सुधारने के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य जागरूकता से हमे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समझने और उसके समाधान ढूंढ़ने में आसानी होती है। प्रजीत कुमार महिपाल, स्वास्थ्य विभाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र(नरियरा)अकलतरा से इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए एवं स्वास्थ्य संबंधित जानकारी तथा उसके महत्व पर अपना दृष्टिकोण रखे। फामेर्सी महाविद्यालय से प्राचार्य रितेश पटेल, चंद्रशेखर सोनवानी, चंद्र कश्यप, मोहित चौरसिया एवं केशरी कॉलेज ऑफ फॉमेर्सी से प्रथम तथा द्वितीय वर्ष से गुलशन पटेल, जितेंद्र कटकवार, मिथलेश साहू, दीपिका पटेल, पल्लवी कुर्रे, नेहा महिपाल, किरण महंत, शशि श्रीवास, योगेंद्र मांसल, नेहा पटेल, राधा रानी पटेल, नेहा कश्यप, नारायण यादव इत्यादि ने बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया।

ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मी की हादसे में मौत

कोरबा। बालको रोड पर स्कूटी की ठोकर से बालको निवासी एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मी की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आरोपी वाहन चालक ने उसे अस्पताल पहुंचाया था। दुर्घटना शहर से बालको जाने वाले रोड पर रामपुर शराब दुकान के पास हुई, जहां से गुजर रहे एक युवक को तेजरफ्तार स्कूटी के चालक गंगाराम ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दी। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद स्कूटी चालक ने ही उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां पहुंचते तक युवक की मौत हो गई थी। मृतक की शिनाख्त बालकोनगर के भदरापारा में निवासरत मूलतः पौना (अकलतरा) निवासी रघुवीर कौशिक के रूप में हुई। वह शहर के एक ट्रांसपोर्ट कंपनी का कर्मी था। मामले में पुलिस द्वारा विवेचना की जा रही है।

रोजगार दिवस में दी गई जल संरक्षण, पी एम आवास, हितग्राही मूलक कार्यों की जानकारी

दबंग दुनिया ♦ जांजगीर-चांपा

कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे के मार्गदशन में जिले में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। रोजगार दिवस में महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यों की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराया गया और इसके योजना के महत्व की जानकारी दी गई। इसके साथ ही महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत सामुदायिक कार्यों, हितग्राही मूलक कार्यों के अलावा प्रधान मंत्री आवास योजना ग्रामीण की जानकारी से भी अवगत कराया गया। जिले में 7 दिसंबर को आयोजित रोजगार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों, कृषकों, मनरेगा जॉबकार्डधारी परिवारों को भू-जल को रिचार्ज करने एवं जल भराव को लंबे अवधि तक रोकने के बारे में किए जाने वाले कार्यों को लेकर प्रोत्साहित किया गया। तालाब, डबरी, कुआं के अलावा जल संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। जल निकायो के कायाकल्प एवं जीर्णोद्धार के सकारात्मक प्रभावों को भी बताया गया। जनपद पंचायत बलौदा के कार्यक्रम अधिकारी हृदय शंकर ने ग्राम पंचायत हरदीविशाल में आयोजित रोजगार दिवस में ग्रामीणों को मनरेगा के दिशा निर्देश से अवगत कराया। इसके अलावा केराकछार, करमा, जनपद पंचायत अकलतरा की ग्राम पंचायत पकरिया झूलन, चंगोरी, तिलई में मनरेगा के कार्यों की जानकारी दी। इसके अलावा जनपद पंचायत बम्हनीडीह, पामगढ़, नवागढ़ में भी रोजगार दिवस आयोजित किया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कचंदा में आनंद मेला का आयोजन

दबंग दुनिया ♦ जैजैपुर

प्रत्येक वर्ष की भांति जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कचंदा में आनंद मेले का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र/छात्राओं के द्वारा अनेकों प्रकार के पकवान बनाएं तथा अन्य छात्रों को भी उनके बारे में वे जानकारी दिए की किस प्रकार से व्यंजन बनाए जाता है ।जिससे कि छात्रों में सर्वांगणी विकास हो एवं रुपए कमाने का तरीका के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ।

आप लोग किस तरह से अपने जीवन को मोडना चाहते हैं अपने

कैरियर के बारे में छात्रों ने बताया कि हम आगे चलकर व्यवसाय करना चाहते है।

उमेश चंद्रा ने जूस किस तरह से बनाते हैं उसके बारे मे विस्तार से बताया कि केमिकल के द्वारा अनेकों प्रकार के जूस का निर्माण किया जाता है और लोगों को उसे परोसा जाता है ,तथा छात्राओं ने यह बताया कि भजिया ,ब्रेड पकोड़ा, रसमलाई, पानी पुरी ,मंचूरियन, पाव भाजी इसी के साथ ही छात्रों की भविष्य को लेकर शिक्षकों के द्वारा अनेक प्रकार के छात्रों को मार्गदर्शन दिया गया, जो उनके उज्जवल भविष्य के लिए लाभदायक हो विद्यार्थियों ने आनंद मेला का खूब लुप्त उठाएं और मनोरंजन किये।नई सोच नई पहचान के साथ छात्रों ने अपना जीवन की शुरूआत के लिए न्यू की तलाश में आ रहे हैं ,सरपंच प्रतिनिधि प्रीतम चौहान ने कहा कि छात्र इसे व्यवसाय का गुण सिख रहे हैं जिससे कि वह वे कमाई का साधन उपलब्ध कर सकें । शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कचंदा के प्रभारी प्राचार्य पी आर कर्ष ने यह कहा कि जो आनंद मेला लगाया गया है वह कमाई के साधन के साथ बौद्धिक विकास को दर्शाता है यह मेला छात्रों के द्वारा अनेक वर्षों से लगाए जा रहा है।

छात्राएं सीखेंगी आत्मरक्षा के गुर, दी जाएगी ट्रेनिंग

दबंग दुनिया ♦ कोरबा

विद्यालयीन छात्राओं को अक्सर छेड़छाड़ का शिकार होना पड़ता है। लोकलाज की भय की वजह सेअधिकांश छात्राएं इस अपमान को सह जाती है। इससे सामने वाले का मनोबल बढ़ता है। समस्या यहां तक आ जाती है कि कई बालिकाएं स्कूल तक छोड़ देती हैं। दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायमरी तक बालिकाओं को गांव में ही शिक्षा मिल जाती है लेकिन मिडिल इन तमम समस्या को दूर करने के लिए स्कूलों तक पहुंचने के लिए आज भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। हालाकि इसके लिए शासन से उन्हे साइकिल भी उपलब्ध कराया है, लेकिन लेमरू, देवपहरी, अजगरबहार, मोरगा आदि ऐसे हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल हैं जहां पढ़ाई करने के लिए 10 से 15 किलोमीटर लंबी दूरी तय कर बालिकाएं आती हैं। पांच बजे स्कूल की छुट्टी होती है। घर पहुंचने तक शाम हो जाती है। इन तमाम विसंगतियों को देखते हुए बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की भी चिंता बनी रही है।

बालिकाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जिले में आगामी तीन माह तक आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। इसके लिए 513 मिडिल, 293 हाई व हायर सेकेंडरी रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। दिसंबर से फरवरी तक संचालित होने वाले इस कार्यक्रम में 47 हजार 205 बालिकाएं प्रशिक्षित होंगी।

Scanned with OKEN Scanner

´ff±fÊff Àf·ffAûôAüSX¨fÔ ffBÊÀf·ffAûôIY »fû¦f WXû 2f¸ffÔfSX´f IYf J Zbf 2f¸f°fSX ¸fZ¶fÔ IYSXQZ: OXIY ZVfSXÀffWX

Àf³ff°f³f ÀfZ³ff ³fZ fÔffBÊÀf·ffAûôAüSX 2f¸ffÔfSX´f IY dJ »ffRY ¸fû¨ffÊ Jû»ff

Q¶fd f Q³f¹ffX 2f¸f°fSX

रविवार के दिन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में प्रार्थना सभा के नाम पर खुलेआम धर्मांतरण का खेल खुलेआम चलता है जिसको लेकर सनातन सेना धमतरी ने आक्रोश व्यक्त किया और पचपेड़ी और गातापार में सनातन सेना के डाकेश्वर साहू के नेतृत्व में अवैध रूप से चल रहे धर्मांतरण को रोकने का अभियान चलाया गया। डाकेश्वर साहू ने बताया कि जिस प्रकार विगत दिवस पोटियाडीह में धर्मांतरण के दबाव में आकर एक युवक ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, जिससे उसके परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है । इसी प्रकार पूरे जिले दबाव पूर्ण तरीके से धर्मांतरण का खेल खुलेआम चल रहा है, जिसका हम सनातन सेना के सनातनी कड़ा विरोध करते हैं और हम यह बता दे कि ये चंगाई सभाओं और प्रार्थना सभा की आड़ में दबाव पूर्वक धर्मांतरण कराने वाले अपने जान, माल की सुरक्षा के स्वयं जिम्मेदार होंगे । इन अवैध सभाओं को बंद करने में प्रशासन अगर तत्काल कार्यवाही नहीं करती है तो हम अपने तरीके से इनको इनका सही मार्ग दिखाएंगे ।डाकेश्वर साहू ने सनातन समाज की ओर से धर्मान्तरण करवाने वाले सभी लोगों को खुली चुनौती दी और कहा कि यदि हमारे सनातनी भाई बहनों बरगलाने, भड़काने, लालच देकर धर्मान्तरित करना बंद नहीं किया तो आने वाले समय में उनको बहुत ही बुरे परिणाम से गुजरना होगा। धर्मांतरण करवाने वाले फर्जी क्रिप्टो क्रिश्चियन प्रार्थना सभा और चंगाई सभा लगाकर मासूम निम्न आय वर्ग के हिन्दू भाइयों और बहनों को सनातन धर्म से दूर कर अपना मतलब साध रहे। जाती से हिन्दू और धर्म से क्रिप्टो क्रिश्चियन बनने वाले सभी लोगों को प्रशासन सरकारी सुविधाओं से मुक्त करे और उन्हें चिन्हांकित कर विधिवत बत्तीसमा करवा दे ,अन्यथा सनातन सेना किसी भी सूरत में ऐसे पाखण्ड करने वाले लोगों को समाज में बर्दाश्त नहीं करेगा। सनातन सेना सर्व हिन्दू समाज के उन युवाओं का समूह है जो सनातन धर्म की रक्षा के लिए तन मन धन सब समर्पित करके राष्ट्र रक्षा के लिए ततपर है।सनातन सेना के सभी सैनिक राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कोई भी समझौता नहीं करेगा। सनातन सेना के इस अभियान में अविनाश दुबे, गोपाल साहू, अभिषेक शर्मा, आशीष शर्मा, उमाशकर साहू, चंद्रकांत साहू, गौरव साहू, मिथलेश साहू, कृष्णकांत साहू, छोटू मॉल, वेदप्रकाश साहू, कुणाल साहू, लक्की साहू, तोषण साहू, सर्वन यादव, धर्मेन्द्र साहू, ओमशंकर साहू, होमेश्वर, बिट्टू ग्वालिनी, मोनू निर्मलकर, तुषार साहू, चित्रेश साहू, गौरव साहू, अनमोल साहू, पुलकित साहू, सत्यम सिन्हा, हिमांशु साहू , पुरुषोत्तम साहू, अमन साहू, रंजीत नागेश, पार्थ प्रजापति, हिकेंद्र प्रजापति, आशीष देवांगन, देवेंद्र ढीमर, पुष्पेंद्र साहू, डोमेंद्र सिन्हा, दक्ष, सिद्धू आर्यन, हर्ष यादव, मोहित राजपूत, धनुष यादव, सनत साहू, राहुल मेश्राम, मीनाक्ष सेंद्रे , भूपेन्द्र निर्मलकर, राहुल यादव, गौतम महिलांग, लतीश शर्मा आदि उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अंजोरा दुर्ग में प्रशिक्षण सम्पन्न

¶feþf´fbSX जिले की महिलाओं को आर्थिक रुप से सक्षम बनाने के उदेश्य से उद्यमिता प्रशिक्षण हेतु जिला प्रशासन द्वारा पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय अंजोरा भेजा गया था। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बीजापुर जिले के 35 पशु सखी एवं किसानों को मुर्गी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास में तीन दिवसीय प्रशिक्षण का 06 दिसंबर 2024 को मुख्य अतिथि कुलपति डॉ0 आरआरबी सिंह, विशिष्ट अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ पशुधन विकास अभिकरण, विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता डॉ0 संजय शाक्य, केवीके के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ वी एन खूने, प्रशिक्षण आयोजक डॉ0 रामचंद्र रामटेके, सहा0 प्राध्यापक डॉ0 रजनी फ्लोरा कुजूर, डॉ0 सुभाष वर्मा, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 शिवेश, डॉ0 ओपी दिनानी, डॉ0 प्रीति सिंह एवं प्राध्यापकगणों के उपस्थिति में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा में सम्पन्न हुआ। इसमें प्रदेश के बीजापुर जिले से आए 35 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 जागृति कृष्णन, एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सब्बीर अनंत के द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय स्तर कराटे प्रतियोगिता में सीएमए के 2 कराटे खिलाड़ियों का हुआ चयन

Q¶fd f Q³f¹ffX ·ffMX´ffSXf

68वें राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश और पंजाब में स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित किया जाएगा प्रतियोगिता में 28 राज्य के खिलाड़ी भाग लेंगे । प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 5 संभाग के खिलाड़ी शामिल होंगे इस प्रतियोगिता में अंडर 14 में दिव्यांश यादव पंजाब के लुधियाना शहर में एवं अंडर 19 में मोहन दास मानिकपुरी मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे । यह दोनों खिलाड़ी निरंतर 3 वर्षों से चैंपियन मार्शल आर्ट अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जिसके मुख्य प्रशिक्षक जिला कराते संघ सचिव ऋषभ सिंह चौहान है । उनकी इस उपलब्धि पर जिला करते संघ बलौदाबाजार भाटापारा के संरक्षक शिवरतन शर्मा, अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, संयोजक अरुण(बंटी) छाबड़ा, उपाध्यक्ष नंदू साहू, सचिव ऋषभ सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष सुनील यदु, सह सचिव संकेत शुक्ला । चैंपियन मार्शल आर्ट एकेडमी भाटापारा के अध्यक्ष ऋषभ सिंह चौहान, उपाध्यक्ष हिमांशु ध्रुव, सचिव नेमीचंद साहू, कोषाध्यक्ष योगेश कुर्रे, प्रबंधक विक्रम सिंह चौहान, सह सचिव महेश राजपूत, धनंजय पांडे, हर्ष देवांगन, गौरव साहू, विपिन साहू, प्रतीक द्विवेदी, मनीष दास महंत, शिवम तिवारी एवं नगर पालिका कर्मचारी आनंद कुमार राठौर ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

AÀ´fÈV¹f°ff E IY Ad·fVff´f dþÀfZdVfÃff U þf¦føY IY°ff ÀfZQßSXd IY¹ff þf ÀfIY°ff WX: IYdU°ff ¹fû¦fZVf ¶ff¶fSX

Q¶fd f Q³f¹ffX 2f¸f°fSX

आदिवासी विकास विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम करेठा में अस्पृश्यता निवारण शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम में अतिथि के रूप में क्षेत्र की जिला पंचायत वन समिति सभापति कविता योगेश बाबर शामिल हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज के वर्तमान समय में लोगों के मन में जो एक दूसरे के प्रति छुआ छूत की भावना को दूर करना व समाज में समान रूप से सबको अधिकार देते हुए समान व्यवहार का पालन करना है। इसी क्रम में करेठा में सभी समाज के लोग एक साथ मिल जुलकर कार्यक्रम का आनंद लिए व साथ में बैठकर सर्व समाज द्वारा भोजन भी किया गया। इस भोजन कार्यक्रम में कविता बाबर ने भी सहभागिता प्रदान करते हुए सर्व समाज के साथ बैठकर भोजन किया व उन्हें भोजन परोसा। उन्होने अपने संबोधन में उपस्थित जनसमुदाय को कहा कि वर्तमान समय में भारत का संविधान जो बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखा गया है उसमें सभी व्यक्ति वर्ग एवं जाति के लोगों को समान अधिकार दिया गया है और हमारा यह कर्तव्य है कि उस संविधान के तहत मिले अधिकारों को पूर्ण रूप से धरातल पर पालन कराना सुनिश्चित कराने की जवाबदारी हम सबकी है कि इसी क्रम में बहूत ही बड़े गुरु हुए बाबा घासीदास जी ने भी मनखे मनखे एक समान का नारा बहुत समय पहले दिया था जिसे आजादी के बाद कानून में संशोधन करते हुए इसे संविधान में लेकर सभी लोगों को समान अधिकार दिया गया है। आज हम सबका कर्तव्य है कि व्यक्ति अमीर हो या गरीब या किसी भी जाति का हो उसे इस देश में वह सब अधिकार प्राप्त है जो एक सामान्य व्यक्ति को मिलना चाहिए और इन सबका पालन कराना प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों की जवाबदारी है। कार्यक्रम आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी वर्ग के लोगों में एकता और समरसता का संदेश देना है। इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा बहुत ही सुंदर ढंग से पंथी नृत्य कार्यक्रम का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के इस अवसर पर सहायक संचालक आदिवासी विकास विभाग विमल कुमार साहू ग्राम पंचायत सरपंच संजय भोसले उप सरपंच घनश्याम ध्रुव पंच राम सिन्हा सुनीता ध्रुव सतनामी समाज अध्यक्ष लोकेश गायकवाड़ शेष कुमार ध्रुव पंच एवं बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी व ग्रामवासी उपस्थित थे।

d´fSX¦f ´fdSXfûþ³ff ÀfZ¦ffÔU IY IYÈ¿fIY ´fdSXUfSXIYe CX³³fd°f Àf¸·fU

360 IYÈ¿fIY ´fdSXUfSXôIYû dQ¹ff ¦f¹ff ´fdVfÃf¯f

IYû¯OX¦ffÔU कोण्डागांव के विकासखण्ड माकड़ी एवं बड़ेराजपुर के चिन्हित ग्राम में से निहित ग्राम खुड़ी, बाघबेड़ा, कोषाहरदुली, उलेरा, पाड़ोकी, छोटेराजपुर, बड़ेराजपुर, माडोकी खरगांव में चिराग परियोजना अन्तर्गत एक दिवसीय कृषक परिवार प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में 360 कृषक परिवार के सदस्य शामिल हुए। प्रशिक्षण में पोषण एवं बागवानी क्रियाकलाप के घटक पोषण, व्यक्तिगत बाड़ी, बाड़ी फेंसिंग, ग्रेवेटि ड्रीप, बाड़ी फसल प्रदर्शन, तथा सामुदायिक बाड़ी मे की जाने वाली उद्यानिकी गतिविधियों का विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में घटको के अन्तर्गत प्रावधानित अनुदान सहायता राशि के बारे मे विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी गई। कृषक परिवार सदस्यों को बताया गया कि प्रावधानित अनुदान राशि विभिन्न घटकों में उपयोग लाये जाने वाली आदान सामाग्री का क्रय कृषक द्वारा स्वयं की जाएगी। अनुदान राशि क्रय सामाग्री उपयोग एवं भौतिक सत्यापन के बाद अनुदान की राशि कृषक के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी।

प्रशिक्षण में अनुदान राशि का सही सदुपयोग करने का आहवान प्रशिक्षण में उपस्थित मुख्य अतिथि श्रीमती प्रमिला मरकाम, कृषि स्थायी समिति कोण्डागांव द्वारा किया गया। कृषक परिवार सदस्यों द्वारा चिराग योजना में साझेदारी एवं सहभागिता सुनिश्चित करने की हिदायत श्रीमती संगीता पोयाम जनपद सदस्य बड़ेराजपुर के द्वारा दिया गया। प्रगतिशील कृषक श्री मंहगू राम मरकाम, उप सरपंच रतिराम मरकाम ने कहा कि कृषक की भागीदारी से ही गांव, जिला और राज्य का विकास होगा एवं कृषक परिवार का भविष्य सुदृढ़ होगा।

प्रशिक्षण के दौरान श्री विमल कुमार गौतम, सहायक संचालक उद्यान, कोण्डागांव, अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी श्री राजेन्द्र कुमार मण्डावी, वरि.उ.वि.अधि. श्री सेवक राम मरकाम, ग्रा.उ.वि.अधि. श्री हिमाचल नेताम, ग्रा.उ.वि.अधि. श्री प्रकाश नारायण पैकरा, ग्रा.उ.वि.अधि. एवं उद्यानिकी मित्र उपस्थित थे।

परीक्षा की तैयारी युद्धस्तर पर कराएं, 90 प्रतिशत परिणाम का रखें लक्ष्य-उप संचालक अशोक बंजारा

Àf·fe ÀfeEÀfe A´f³fZ ÀIYc»fûÔIYe ¦fb¯fUØff ¶fPÞf³fZ IY d»f¹fZ IYSXZÔ ¸fZWX³f°f

SXf¹f¦fPÞ प्राचार्य अपने स्कूल के कार्यपालक, प्रबंधक और प्रेरक बनें, साथ ही अपने स्कूल के विकास लिये शैक्षिक, गुणवत्ता विकास के लिये अलग-अलग प्लान बनाकर अपने स्कूल में लागू करें, उक्त बातें शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक में लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक अशोक बंजारा ने कलेक्टोरेट रायगढ़ के सृजन सभाकक्ष में आयोजित प्राचार्यों की बैठक में कही। बैठक में उन्होंने कहा कि कक्षा 10 वीं और कक्षा 12 वीं सभी बच्चों को अनिवार्यता ब्लू प्रिंट की जानकारी दें, बच्चों को स्कूलों में ब्लू प्रिंट के आधार पर ही वार्षिक परीक्षा की तैयारी करायें। कमजोर बच्चों को चिन्हांकन करते हुए उनके लिए अतिरिक्त क्लास लगाकर अध्यापन पूर्ण करायें। बच्चों को घर में अपने से स्वाध्याय कर लेखन कार्य करने को कहें। सभी स्कूल अपने कक्षा 10 वीं और 12 वीं का वर्ष 2025 की वार्षिक परीक्षा परिणाम का लक्ष्य 90 प्रतिशत रखें। बच्चों को अपने स्कूल के उपलब्ध संसाधन का उपयोग कर अध्यापन कार्य करायें। बच्चों को पिछले वर्ष 2024 के प्रश्नों को छोड़कर पिछले 05 साल के प्रश्न पत्र को हल अनिवार्यता करायें। बच्चों को पढ़ाने के पहले शिक्षक पढ़ाये जाने वाले विषय का पहले स्वाध्याय कर ही कक्षा में जायें। बच्चों को केवल परीक्षा पास करना नहीं बल्कि बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके ऐसा पढ़ाना चाहिये। बच्चों का चयन करें जो मेरिट में ज्यादा से ज्यादा बच्चे आ सके इसके लिये सभी प्राचार्य प्रयास करें इन बच्चों को अतिरिक्त समय में मार्गदर्शन दें। उन्होंने स्कूल में पढ़ रहे बच्चे के उनकी क्षमता एवं मनोवैज्ञानिक दशा कार्यक्षमता को समझते हुए शिक्षकों को कार्य सौंपने को कहा। इसके पहले संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक में उन्होंने सभी को अपने अधीनस्थ सभी शालाओं को सतत निरीक्षण कर बच्चों के गुणवत्ता विकास पर ध्यान देने को कहा। बैठक के दौरान उपसंचालक बंजारा ने परीक्षा परिणाम सुधार के साथ स्कूल प्रबंधन पर सारगर्भित बात रखते हुए सभी प्राचार्य और सीएसी को शुभकामनाएं दी।बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वेंकट राव, जिला मिशन समन्वयक नरेंद्र चौधरी, वर्षा शर्मा, सहायक संचालक, तरसिला एक्का सहायक संचालक, भुवनेश्वर पटेल एपीसी, भूपेंद्र पटेल एपीसी, आलोक स्वर्णकार एडीपीओ, शैलेन्द्र करन छात्रवृत्ति प्रभारी, बीईओ दिनेश पटेल, धनाराम जाटवर, मोनिका गुप्ता, शैलेश कुमार देवांगन, रविशंकर सारथी, एबीईओ मनीष सिन्हा, द्वारिका पटेल, अनिल साहू, उत्तरा भारद्वाज, बीआरसी मनोज अग्रवाल, प्रदीप साहू, जय प्रकाश साहू, सुंदरमणि कोंध, मनोज साहू, शैलेंद्र मिश्रा, अरविंद राजपुत के साथ समस्त शालाओं के प्राचार्य और समस्त संकुलों के सीएसी उपस्थित रहे।

व्यवहार न्यायालय भाटापारा का 19 वां स्थापना दिवस सम्पन्न

·ffMX´ffSXf दिनांक 03.12.2024 को व्यवहार न्यायालय भाटापारा में व्यवहार न्यायालय का 19 वां स्थापना दिवस मनाया गया, उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राकेश बिहारी घोरे, प्रधान जिला न्यायाधीश बलौदाबाजार एवं अध्यक्षता श्री सतीश कुमार जायसवाल जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा, विशेष अतिथि श्रीमती सरोज नंददास, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बलौदाबाजार अतिविशेष अतिथि श्री राकेश वर्मा, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार, श्रीमती संजया रात्रे, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार एवं सुश्री स्मिता रत्नावत, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा, श्री अजय कुमार खाखा, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी बलौदाबाजार, श्रीमती मंजूलता सिन्हा व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 बलौदाबाजार, श्रीमती अंकिता अग्रवाल व्यवहारं न्यायाधीश वर्ग 02 भाटापारा, कुमारी सारिका नंदे व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 02. कुमारी माला यादव व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 02, कुमारी पूजा चन्द्रा, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 02 बलौदाबाजार उपस्थित रहे, कार्यक्रम में मां सरस्वती की तैलचित्र पर माल्यअर्पण कर पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया तत्पश्चात अरपा पैरी के धार राज्यगीत का गायन किया उक्त कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री राकेश बिहारी घोरे के द्वारा भाटापारा व्यवहार न्यायालय के भवन निर्माण के लिये सभी न्यायालयीन औपचारिकताएं पूरी हो जाने एवं उक्त कार्य अविलंब प्रारंभ कराये जाने के लिये फाईल छ ग. शासन को प्रेषित किया जाना बताये उक्त कार्य तथा भाटापारा व्यवहार न्यायालय के विकास एवं प्रगति के लिये निरंतर सहयोग करने की बात कही। उक्त कार्यक्रम में श्री सतीष कुमार जायसवाल एवं श्रीमती सरोज नंददास द्वारा भी संबोधित किया गया गया।

अधिवक्ता संघ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री जी. डी. मानिकपुरी एवं श्री अनिल मिश्रा अध्यक्ष अधिवक्ता संघ द्वारा संबोधित किया गया, अधिवक्ता संघ की ओर से व्यवहार न्यायालय भाटापारा की स्थापना तथा अतिरिक्त न्यायालय भवन एवं अतिरिक्त न्यायाधीश की व्यवस्था के लिये माननीय उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश एवं रजिस्ट्रार जनरल तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश भाटापारा तथा स्थानीय नेतृत्व शिवरतन शर्मा पूर्व विधायक भाटापारा का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने किया भैरमगढ़ ब्लॉक का किया औचक निरीक्षण

¶fe þf´fbSX कलेक्टर संबित मिश्रा ने विकास कार्यो की जानकारी लेने भैरमगढ़ ब्लॉक का किया सघन निरीक्षण इस दौरान सीइओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार भी मुख्य रूप से मौजूद थे। कलेक्टर ने भैरमगढ़ के कस्तूरबागांधी आवासीय विद्यालय में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं जिले के अंतिम छोर पर दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर बसे ग्राम पंचायत बेंगलूर एवं सडार पहुंचकर विकास कार्यो की जानकारी ली।

भैरमगढ़ के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में छात्राओं से मिलकर पढ़ाई, लिखाई में संस्था में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। छात्राओं ने कलेक्टर से आत्मीयता पूर्वक मिलकर अपनी पढ़ाई संबंधी जानकारी दी। वहीं विद्यालय में कम्प्यूटर एवं अतिरिक्त कक्ष की मांग के साथ ही विद्यालय के डायनिंग हाल की स्थिति एवं पढ़ाई हेतु उपलब्ध प्रोजेक्टर के मरम्मत कराने अवगत कराया। कलेक्टर ने छात्राओं की समस्या से अवगत होकर डाईनिंग हाल एवं प्रोजेक्टर के मरम्मत हेतु निर्देश दिए। तत्पश्चात जिले के अंतिम छोर बेंगलूर में बालक आश्रम एवं आंगनबाड़ी का निरीक्षण किया एवं स्कूल भवन का मरम्मत कराने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता एवं सहायिका को निर्धारित समय तक रूकने सभी दर्ज बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं बच्चों का नियमित रूप से पौष्टिक आहार प्रदाय करने के निर्देश दिए।

बेंगलूर पहुंच मार्ग में पुलिया की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पुलिया निर्माण हेतु आवश्यक निर्देश दिए वहीं धान खरीदी केन्द्र बेंगलूर में धान खरीदी एवं केन्द्र में मौजूद बुनियादि एवं सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बारदाना की उपलब्धता, पंजीकृत किसानों की जानकारी धान खरीदी की स्थिति, सहित किसानों को केन्द्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत हुए। वहीं ग्राम सडार में निर्माणधीन स्कूल भवन का अवलोकन करते हुए आवश्यकत निर्देश दिए।

Scanned with OKEN Scanner

दंतेवाड़ा में 23वीं राज्यस्तरीय सीनियर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप का भव्य समापन

दबंग दुनिया ♦ किरंदुल/दंतेवाड़ा

योनेक्स सनराइज 23वीं राज्यस्तरीय सीनियर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन शुक्रवार को भव्य रूप से आयोजित किया गया। गुरुवार को 2 और शुक्रवार को पहले हाफ में 8 सेमीफाइनल खेले गए, जिसमें से मिश्रित युगल, महिला युगल, पुरुष युगल, एकल पुरुष और एकल महिला वर्ग के लिए 5 टीमों का चयन हुआ। फाइनल मैच धूमधाम से आतिशबाजी के साथ शाम 5 बजे से शुरू किया गया। आमतौर पर बड़े आयोजनों में अफरा-तफरी की स्थिति देखी जाती है, लेकिन भारी भीड़ के बावजूद इस आयोजन को पूरी तरह से व्यवस्थित और अनुशासित रूप से संपन्न कराया गया।

अन्य जिलों से प्रतिस्पर्धा में भाग लेने आए खिलाड़ियों ने व्यवस्थाओं की जमकर तारीफ की, वहीं विजेता खिलाड़ियों ने हमेशा दंतेवाड़ा में खेलने की मंशा जाहिर की। शुक्रवार देर शाम तक खेले गए फाइनल मुकाबले में महिला वर्ग से रायपुर का प्रतिनिधित्व कर रही तनु चंद्रा ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि रनर-अप करिश्मा खांडेकर रहीं। वहीं पुरुष सिंगल मुकाबले में यश योगी ने बाजी मारी, जबकि हर्षल भूआरी रनर-अप रहे। इस आयोजन में फाइनल तक कुल 95 मुकाबले खेले गए, जिसमें क्वालीफाई एकल और युगल मिलाकर लगभग 80 से अधिक मैच खेले गए।

शुक्रवार को 10 सेमीफाइनल और अलग-अलग वर्ग के 5 फाइनल मुकाबले खेले गए। इसके बाद सीधे क्वालीफाई हुए जितने भी खिलाड़ी हैं, वे छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए इसी माह 18 से 24 तक बैंगलोर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खेलेंगे। इधर, 23वीं राज्य स्तरीय सीनियर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप के समापन दिवस पर जिला बैडमिंटन संघ, जिला प्रशासन और जिला पुलिस दंतेवाड़ा के सौजन्य से टीवी रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' सीजन 10 के विजेता, छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय ग्रुप अबूझमाड़ मलखम्ब एंड स्पोर्ट्स अकादमी, नारायणपुर ने शानदार प्रदर्शन कर आयोजन में चार चांद लगा दिए।

पुरस्कार वितरण के दौरान दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, डीआईजी पुलिस कामलोचन कश्यप, जिला कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, एसपी गौरव रॉय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अतिरिक्त एसपी स्मृतिक राजनाला, अतिरिक्त एसपी राम कुमार बर्मन, डीएसपी आशा रानी, डीएसपी आशारानी, एनएमडीसी किरंदुल के बी के माधव, एएमएनएस के रामचंद्रन, जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी, सचिव अमलेंदु चक्रवर्ती, संतोष सिंह, दीपक रॉय सहित भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

'सर्जना' संस्था के भव्य समारोह में अजय पप्पू मोटवानी सम्मानित

दबंग दुनिया ♦ कांकेर

सर्जना महिला साहित्य समिति द्वारा रविवार 8 दिसंबर को अपने प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में 'जन सहयोग' समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी को विशेष सम्मान काँकेर विधायक आशाराम नेताम के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर 'सर्जना' की संस्थापक/ अध्यक्ष डॉ गीता शर्मा ज्योतिष मनीषी, डॉ सुधीर शर्मा अमित (राजभाषा आयोग सदस्य) तथा छत्तीसगढ़ के अनेक श्रेष्ठ साहित्यकार, फिल्मकार, पत्रकार एवं समाजसेवी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठ 24 साहित्यकार बहनों का सम्मान भी किया गया । इसी मंच पर क्षेत्र की दो कवयित्रियों डॉक्टर राखी कोर्राम तथा डॉक्टर मीरा चौहान के काव्य संग्रहों का विमोचन किया गया। संस्था की स्मारिका एवं काव्य संग्रह 'सृजन से शिखर तक' (भाग 2) का भी विमोचन किया गया। अपने संक्षिप्त वक्तव्य में अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि प्रदेश की जानी-मानी महिला साहित्य समिति 'सर्जना' द्वारा सम्मानित किए जाने से मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है और मैं आप सबके प्रति आभारी हूं।

एएम/एनएस इंडिया की पहल: 'बाल ज्योति' निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर से 126 बच्चों की जिंदगी होगी रौशन

एएम/एनएस इंडिया द्वारा गीदम में 8 दिवसीय 'बाल ज्योति' निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का शुभारंभ

दबंग दुनिया ♦ दंतेवाड़ा

आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया कंपनी (एएम/एनएस) के सीएसआर पहल के अंतर्गत गीदम स्थित कन्या माध्यमिक शाला में 8 दिवसीय 'बाल ज्योति निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर' का उद्घाटन जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीएमसी, बीईओ, एबीईओ, प्राचार्य और शिक्षा विभाग दंतेवाड़ा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस शिविर में 22 स्कूलों से चयनित 345 छात्रों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिनमें से 126 छात्रों में दृष्टिदोष की पहचान की गई। इन छात्रों को शीघ्र ही निःशुल्क चश्मे प्रदान किए जाएंगे। कल यह शिविर बारसूर स्थित शासकीय बालक विद्यालय में आयोजित किया जाएगा।

आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया कंपनी (एएम/एनएस) अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत दंतेवाड़ा और उसके आस-पास के विभिन्न ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी शिविरों का आयोजन करती रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, बल्कि उनके जीवन स्तर में सुधार करना भी है।

एएम/एनएस की यह पहल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, बीमारियों की समय पर पहचान करने और उनका समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है। इसके तहत निःशुल्क नेत्र परीक्षण, आवश्यक चश्मों का वितरण, और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाता रहा है।

इसके अलावा, कंपनी ग्रामीण समुदायों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियानों के माध्यम से बीमारियों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए भी सक्रिय रूप से काम करती रही है। एएम/एनएस इंडिया का यह प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बल्कि पूरे समुदाय का उत्थान सुनिश्चित हो सके।

संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का सफल आयोजन

दबंग दुनिया ♦ केशकाल

वि.खं.केशकाल अंतर्गत संकुल केंद्र डिहीपारा में दिनांक 05/12/24 से 07/12/24 तक संकुल स्तरीय शारीरिक, बौध्दिक,एवं सांस्कृतिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री सेजेस केशकाल खेल मैदान डिहीपारा में किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में केशकाल नगर पंचायत अध्यक्ष रोशन जमीर खान, भूपेश सिन्हा पार्षद एवं विशिष्ट अतिथियों के रुप में नेता प्रतिपक्ष नवदीप सोनी, श्रीमती सुनिता ध्रुव, श्रीमती शशिकला ठाकुर, श्रीमती गीता ध्रुव, एवं रुपदेव कश्यप, श्रीमती दिव्या जैन, शिवलाल यादव, किशन शोरी, मनीष राठी, टीकम कोठारी, रतन आंचला, इत्यादि की गरिमामय उपस्थिति रही। त्रिदिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजन में संकुल केंद्र डिहीपारा के 4 प्राथमिक एवं 6 माध्यमिक शालाओं के सैकड़ों छात्र/ छात्राओं ने विभिन्न शारीरिक बौध्दिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन किया। बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्राथमिक वर्ग चैम्पियन का खिताब जहां प्राथमिक शाला टिकरापारा (जामगांव) ने जीता, वहीं माध्यमिक वर्ग चैम्पियन का खिताब बालक आश्रम केशकाल के नाम रहा।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में श्रीमती सुनिता ध्रुव , कार्यक्रम अध्यक्ष भूपेश सिन्हा की गरिमामय उपस्थिति व विशिष्ट अतिथियों के रुप में राजकिशोर राठी, अजय मिश्रा, महावीर तातेड़, सुदर्शन कुंजाम, दुर्गेश जोशी, मनोज गोयल, किशन शोरी, रमेश ध्रुवा, रूपदेव कश्यप, शिवनाथ मरकाम,रतन आंचला, अनिल सेन, इत्यादि की विशेष उपस्थिति रही।

सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। मंचीय कार्यक्रमों का मंच संचालन शिक्षक विवेक श्रीवास्तव द्वारा किया गया। संकुल स्तरीय त्रिदिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन संकुल प्राचार्य मनोज डडसेना के कुशल नेतृत्व में, संकुल समन्वयक दिनेश नाग सहित संकुल के समस्त प्रधानपाठकों, शिक्षक शिक्षिकाओं, शाला प्रबंध समिति अध्यक्ष एवं सदस्य गणों के अभूतपूर्व सहयोग से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने किया भैरमगढ़ ब्लॉक का किया औचक निरीक्षण

दबंग दुनिया/बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा ने विकास कार्यो की जानकारी लेने भैरमगढ़ ब्लॉक का किया सघन निरीक्षण इस दौरान सीइओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार भी मुख्य रूप से मौजूद थे। कलेक्टर ने भैरमगढ़ के कस्तूरबागांधी आवासीय विद्यालय में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं जिले के अंतिम छोर पर दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर बसे ग्राम पंचायत बेंगलूर एवं सडार पहुंचकर विकास कार्यो की जानकारी ली। भैरमगढ़ के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में छात्राओं से मिलकर पढ़ाई, लिखाई में संस्था में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। छात्राओं ने कलेक्टर से आत्मीयता पूर्वक मिलकर अपनी पढ़ाई संबंधी जानकारी दी। वही विद्यालय में कम्प्यूटर एवं अतिरिक्त कक्ष की मांग के साथ ही विद्यालय के डायनिंग हाल की स्थिति एवं पढ़ाई हेतु उपलब्ध प्रोजेक्टर के मरम्मत कराने अवगत कराया। कलेक्टर ने छात्राओं की समस्या से अवगत होकर डाईनिंग हाल एवं प्रोजेक्टर के मरम्मत हेतु निर्देश दिए। तत्पश्चात जिले के अंतिम छोर बेंगलूर में बालक आश्रम एवं आंगनबाड़ी का निरीक्षण किया एवं स्कूल भवन का मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

चारामा पुलिस ने उपद्रव करने वाले व्यक्ति पर की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

दबंग दुनिया ♦ कांकेर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर आई. के. ऐलिसेला (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा (रा.पु.से.)के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसीन खान (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलेश्वर चन्द्रवंशी के नेतृत्व में टीम गठित कर थाना क्षेत्र में निरंतर गस्त पेट्रोलिंग एवं संदिग्ध स्थानों एवं संदिग्ध लोगों की चेकिंग किया जा रहा है। दिनांक 07.12.24 को रात्रि में थाना चारामा पेट्रोलिंग टीम गस्त कर रही थी कि दीपा बाई सोनकर वार्ड क्रमांक 02 चारामा द्वारा किसी पुलिस को सूचना दिया कि एक व्यक्ति घर में झांक ताक कर घर में घुसने का प्रयास कर रहा है कि सूचना पाकर तत्काल पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी जो नगर में रात्रि गस्त पेट्रोलिग कर रही थी उनके द्वारा मौके पर जाकर तस्दकी किया गया जो एक व्यक्ति वहाँ पर दीपाबाई सोनकर के घर के पास शराब के नशे में था जिससे नाम पूछने पर अपना नाम प्रमोद यादव उर्फ विजय यादव उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्रमांक 02 जबरनपारा चारामा का होना बताया और उत्तेजित होकर मकान मालिक के साथ झगडा विवाद करने लगा जिसे समझाने का प्रयास किया गया जो नही मान रहा था जिसे हिरासत में लेकर थाना लाया गया । उक्त व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक धारा 170 ,126, 135(3) बीएनएसएस के तहत गिर0 कर इस्तगाषा तैयार कर न्यायालय में पेश किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों ने निकाली सांस्कृतिक रैली

दबंग दुनिया ♦ कोण्डागांव

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागाँव के स्वयंसेवकों ने सात दिवशीय विशेष शिविर के छठवें दिवस पर सांस्कृतिक रैली निकालकर एक भारत श्रेष्ठ भारत का परिचय दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संघठक श्री शशिभूषण कन्नौजे तथा कार्यक्रम अधिकारी श्री समलेस पोटाई ने बताया कि सांस्कृतिक रैली निकालने का मुख्य उद्देश्य हमारे भारत मे विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न जातियों ,वेश भूषा,बोली,संस्कृति तथा परंपराओं को मानने वाले लोग रहते है फिर भी ये एक भारत श्रेष्ठ भारत हमारा अखंड भारत है इसकी सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय गौरव, और समाज सेवा के बारे में जागरूक करना है। सांस्कृतिक रैली के दिन सभी स्वयंसेवक सांस्कृतिक परिधान में रहते है तथा नृत्य व प्रेरक नारो के माध्यम से बाजे गाजे के साथ ग्राम का भ्रमड़ करते है । उन्होंने यह भी बताया कि एनएसएस का मकसद छात्रों के शैक्षणिक विकास और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करना है।एनएसएस का आदर्श वाक्य है, 'मैं नहीं बल्कि आप'.एनएसएस का प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर स्वयंसेवक समाज सेवा के साथ साथ अपने व्यक्तित्व का विकास भी करते है। क्योंकि यह स्वयंसेवकों को अपने प्रतिभा को निखारने के लिए एक खुला मंच प्रदान करता करता है। इसके अतिरिक्त समय प्रबंधन के साथ साथ अनुशासनात्मक रूपी जीवन जीना सीखते हैं। एनएसएस स्वयंसेवक रैली के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता का महत्व, शिक्षा का अधिकार,बाल विवाह, नशा मुक्ति जैसे मुद्दों पर प्रेरक नारों तथा रैलियों के माध्यम से इन सामाजिक बुराइयों को दूर करने हेतु जनजागरूकता लाने का प्रयास किया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच हरिचंद कोर्राम,ग्राम पटेल ,एन. एस. एस के सलाहकार हनी चोपड़ा समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

न जीत जरूरी है, न हार जरूरी है, जीवन एक खेल है,उसे खेलना जरूरी है : नेताम

दबंग दुनिया ♦ केशकाल

संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा महोत्सव - तोड़ासी समापन समारोह में जनपद अध्यक्ष - महेन्द्र नेताम बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उनके साथ अतिथि आसंदी में ..

- गिरधारी सिन्हा ,उपाध्यक्ष जनपद पंचायत केशकाल
- प्रवीण अग्निहोत्री जी,अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी
- मुकेश कावड़े ,सरपंच ग्राम पंचायत तोड़ासी
- पीताम्बर नाग ,जिलाअध्यक्ष युवाकांग्रेस कोंडागांव
- संजय मरकाम, विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस
- रमशीला कोर्राम, जनपद सदस्य
- लक्ष्मी दुग्गा ,जनपद सदस्य
- संतेर कोरचा,जनपद सदस्य
- राजमान मंडावी, सरपंच
- घासियाराम सेठिया ,पूर्व जनपद सदस्य
- तीजू राम कोर्राम, जनपद सदस्य प्रतिनिधि
- जागेश्वर पटेल, क्रीड़ा समिति अध्यक्ष
- सुनील कोर्राम, उपसरपंच तोड़ासी
- प्रवीण मरकाम, नरेंद्र कश्यप सहित जनप्रतिनिधिगण,सैकड़ों ग्रामवासी एवं स्कूली बच्चे सभी स्कूलों के शिक्षकगण शामिल रहे।

डीएमएफ की राशि बचाने वन विभाग को युवा कांग्रेस ने दिया निःशुल्क पौधा

घोटालो का दूसरा नाम है भाजपा, 'वन मन्दिर' के नाम से नया पाप करने की थी तैयारी

दबंग दुनिया ♦ दंतेवाड़ा

भाजपा शासन के सत्ता में आते ही भ्ष्टाचार का खेल फिर से शुरू हो गया है। सत्ता को आए साल भर नही हुआ और डीएमएफ की राशि में बंदरबाट का खेल शुरू हो गया है। वन विभाग द्वारा बनाए जा रहे हर्बल गार्डन को देश का पहला 'वन मन्दिर' बताया जा रहा है। लेकिन इसी मंदिर के नाम पर वन विभाग के अधिकारी बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम देने से भी बाज नहीं आ रहे। जिले में डीएमएफ की राशि का इस तरह बंदरबाँट किया जा रहा है कि आसानी से उपलब्ध होने वाले पौधों को भी दस गुना अधिक दर में खरीद कर मनमाफिक राशि निकाली जा रही है।इस मामले को लेकर आज युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा के नेतृत्व में युवा कांग्रेस की टीम ने एक अनोखा प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष गणेश ने बताया कि कैसे डीएमएफ की राशि को बर्बाद किया जा रहा है। जिले के पैसों का इस तरह बंदरबाँट रोकने के लिए युवा कांग्रेस की टीम आज अपने साथ रवन मन्दिरर में लगने वाले तुलसी, गेंदा और आवला के पौधे साथ लेकर पहुँची ताकि वन विभाग को यह पौधे निःशुल्क प्रदान किए जाए। ताकि भविष्य में उन्हें महंगे दामों में पौधे ना खरीदना पड़े। वन विभाग का भांडा फूटने के बाद विभाग का कोई कर्मचारी हमसे पौधे लेने गेट तक नही पहुंचा और हमारे पहुंचने से पहले ही वहाँ ताला जड़ दिया गया। जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा ने वन विभाग के डिप्टी रेंजर को फोन पर सूचना भी दी कि युवा कांग्रेसीयो द्वारा पेड़ दान करने का कार्यक्रम रखा गया हैं पर उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नही मिला। मौके पर खड़े हो युवा कांग्रेस के साथियों ने नाराबाजी भी की पर वन विभाग के कान में जूं तक नही रेंगी। युंका जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा ने वन विभाग पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगर डीएमएफ राशि का यह बंदरबाँट बंद नही किया गया तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा और वन मंत्री का पुतला दहन किया जाएगा।इस दौरान नगर उपाध्यक्ष वरुण तामो ,अरुण सोनानी, अंकित गावड़े,वसीम खान,राकेश सोनानी,राजकुमार नाग, अर्जुन ताती, पी राहुल, पंकज भारद्वाज, उमेश सिलावट, वैभव मालेकर, अंकुर वासुदेव, अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

¶fÀ°fSXAû»fd¸´fIY ¸fVff»f SX#fe IYf dÞ»ff ¸fbÜ1ff»f1f ´fWÔÂf³fZ´fSX ·f½1f ÀUf¦f°f

WSX# ÓfÔOXe dQ£ff IYSX þ¦fQ»f´fbSX IY d»fE dIY1ff ¦f1ff SXUf³ff

I Yü¯OÊ¦ffÛU बस्तर ओलम्पिक मशाल रैली आज केशकाल से रवाना होकर जिला मुख्यालय कोंडागांव पहुंचने पर कलेक्टर परिसर में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक श्री वाय अक्षय कुमार और नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री जसकेतू उसेंडी सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा खिलाड़ियों को पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत किया।

कलेक्टर ने खिलाड़ियों को संभाग स्तरीय बस्तर ओलम्पिक में शामिल होने शुभकामनाएं दीं और उनका उत्साहवर्धन किया। मशाल रैली को उपस्थित अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर एडीएम श्री चित्रकांत चार्ली ठाकुर, एस डी एम श्री अजय उरांव वरिष्ठ खेल अधिकारी सुश्री सुधा कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मशाल रैली प्रातः 10 बजे विकासखण्ड मुख्यालय केशकाल से प्रारंभ हुई, जहां अध्यक्ष जनपद पंचायत केशकाल श्री महेन्द्र नेताम, अध्यक्षनगर पंचायत केशकाल श्री रोशन जमीर खान अनुविभागीय अधिकारी केशकाल श्री अंकित चौहान एवं ग्रामीण, स्कूली विद्यार्थी, खिलाड़ी उपस्थित थे। जनप्रतिनिधियों द्वारा मशाल रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। केशकाल के ग्राम बहीगांव में मशाल रैली का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

इसके बाद रैली फरसगांव विकासखण्ड पहुँची, जहाँ अनुविभागीय अधिकारी श्री अश्वन पुसान, मु.का.अधि. जनपद पंचायत फरसगांव श्री रामेश्वर महापात्र एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा मशाल रैली का स्वागत किया गया। स्वागत पश्चात मशाल रैली को कोण्डागांव विकासखण्ड हेतु रवाना किया गया। फरसगांव के ग्राम लंजोडा में भी ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया।

कोण्डागांव में स्वागत के बाद मशाल रैली का भ्रमण कराया गया, जिनका फुटबॉल के खिलाड़ियो द्वारा फुटबॉल स्टेडियम में स्वागत किया गया। इसके पश्चात मशाल रैली को कोण्डागांव से जगदलपुर के लिए रवाना किया गया। मार्ग में कोण्डागांव विकासखण्ड के दुधगांव, बनियागांव एवं दहीकोगा में भी ग्रामीणों जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत किया गया। मशाल रैली के नोडल श्री प्रभाकर सिंह, व्या. शिक्षक हैं।

मशाल रैली के नेतृत्व करने वाले खिलाड़ियों के नाम कु. सुशीला नेताम, कु. रमीता शोरी, रंजू नेताम और देवकुमार नेताम सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर के पदक प्राप्त तीरंदाजी के खिलाड़ी हैं। तीरंदाजी के खेलो इंडिया सेंटर के प्रशिक्षक श्री नकुल सिंह, कबड्?डी के राज्य स्तर के कबड्?डी खिलाडी श्री मुन्ना नेताम, श्री शितल मरकाम बस्तर भी शामिल हैं। संभाग के 07 जिलों से यह मशाल रैली 3.30 बजे तक जगदलपुर पहुँचेगी, जहाँ शाम 4.15 बजे दलपत सागर में दीप प्रज्जवलित कर इस मशाल रैली का समापन किया जाएगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अंजोरा दुर्ग में प्रशिक्षण सम्पन्न

¶fe þf´fbSX जिले की महिलाओं को आर्थिक रुप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से उद्यमिता प्रशिक्षण हेतु जिला प्रशासन द्वारा पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय अंजोरा भेजा गया था। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बीजापुर जिले के 35 पशु सखी एवं किसानों को मुर्गी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास में तीन दिवसीय प्रशिक्षण का 06 दिसंबर 2024 को मुख्य अतिथि कुलपति डॉ0 आरआरबी सिंह, विशिष्ट अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ पशुधन विकास अभिकरण, विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता डॉ0 संजय शाक्य, केवीके के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ वी एन खूने, प्रशिक्षण आयोजक डॉ0 रामचंद्र रामटेके, सहा0 प्राध्यापक डॉ0 रजनी फ्लोरा कुजूर, डॉ0 सुभाष वर्मा, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 शिवेश, डॉ0 ओपी दिनानी, डॉ0 प्रीति सिंह एवं प्राध्यापकगणों के उपस्थिति में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा में सम्पन्न हुआ। इसमें प्रदेश के बीजापुर जिले से आए 35 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 जागृति कृष्णन, एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सब्बीर अनंत के द्वारा किया गया।

कृषक उन्नति योजना से जगदेव भोयर उन्नति की ओर अग्रसर

¶fe þf´fbSX Ü मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से किसानों के मेहनत का पूरा सम्मानन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने 31 सौ रूपए में धान खरीदकर खेती-किसानी को बढ़ाया है और किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटी है। कृषक उन्नति योजना के तहत मिलने वाली अंतर की आदान राशि ने खेती किसानी में चार चांद लगा दिया किसान अब पूरे आत्मविश्वास और सरकार के फैसले से स्वयं को पहले से अधिक सक्षम महसूस कर रहे हैं।

बीजापुर जिले के ग्राम जैतालूर निवासी किसान जगदेव भोयर ने बताया कि कृषक उन्नति योजना से वह उन्नति की ओर अग्रसर हुए यह योजना उनके आर्थिक उन्नति का द्वार खोल दिया जगदेव भोयर ने बताया कि उनके पास 12 एकड़ खेत है। पिछले वर्ष 2 लाख 10 हजार रूपए की धान बेची और अंतर की राशि 50 से अधिक रूपए उनको कृषक उन्नति योजना के रूप में मिला जिससे 5 एकड़ खेत में भूमि सुधार कराया। भूमि सुधार से फसल के उत्पादन में आशातीत वृद्धि हुई जिसके कारण इस वर्ष और अधिक धान बेच रहा है। यह योजना किसानों के लिए वरदान से कम नहीं है। कृषक उन्नति योजना से लगातार उत्पादन में वृद्धि होने के कारण आत्मविश्वास भी बढ़ा और सरकार के संवेदनशील पहल से खेती किसानी में अब किसानों का रूझान बढ़ रहा है। आज किसानों के चेहरे पर आत्मविश्वास का मुस्कान देखने को मिल रहा है।

जगदेव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहता है कि किसानों के हित में फैसला लेने वाले हमारे आदिवासी मुख्यमंत्री के रहते हम निश्चिंत होकर खेती किसानी कर रहे हैं।

EÀf´fe IYf1ffÊ»f1f ¸fÔ´fedOÍXf Ãfd°f´fd°fÊ1fûþ³ff IY ´fi·ffUe dIY1ff³U1f³f IY ÀfÔ¶fÔ²f ¸fÔE IY dQUÀfe1f IYf1fÊVff»ff IYf dIY1ff ¦f1ff Af1fûþ³f

¶fZ¸fZfSX Ü पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू भा.पु.से., के द्वारा पुलिस कार्यालय बेमेतरा के सभा कक्ष में पीडित क्षतिपूर्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एवं पीडित क्षतिपूर्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं महिला/बच्चो संबंधी अपराधों की समीक्षा बैठक। जिसमें पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू भा.पु.से., के अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारियों एवं विवेचको के साथ बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में निधि शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा एवं उप संचालक अभियोजन कंचन पाटिल भी उपस्थित रही। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा निधि शर्मा द्वारा समस्त थाना एवं चौकी प्रभारीयों को पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2018 एवं 2011 के तहत लैगिंग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 एवं हिट एण्ड रन के संबंध में जानकारी देते हुए लोगों को जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से प्रचार प्रसार कर उनको लाभ प्रदान किए जाने एवं अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत अपराध की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित व्यक्तियों को प्रथम सूचना रिपोर्ट उपलब्ध करा कर पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत पीड़ित/पीड़िता के माध्यम से कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन प्रस्तुत कराने में सहयोग दिये जाने के संबंध में जानकारी दिया गया। आगामी नेशनल लोक अदालत 14 दिसम्बर का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर न्यायालय में राजीनामा योग्य अधिक से अधिक प्रकरणों आपसी सुलह समझौते से शांति पूर्ण निपटारे के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने समस्त थाना एवं चौकी प्रभारीयों को यौन उत्पीडन/अन्य अपराधों से पीडित महिलाओं/उत्तरजीवियों के लिए क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत आने वाले अपराधों धाराओं (इस योजना अंतर्गत शारीरिक क्षति के मामले में शामिल है) के कारित होने पर राज्य/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रकरण प्रस्तुत कर पीडिता को न्याय और पीडित को पीडित क्षतिपूर्ति योजना का लाभ मिल सके। तथा थानावार महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों की जानकारी लेकर महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों को एक अभियान चलाकर यथाशीघ्र निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया।

उक्त कार्यशाला /बैठक में डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कमल नारायण शर्मा, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी कविता राव सहित थाना/चौकी प्रभारी व अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

d˙fSX¦f ´fdSXfûþ³ff ÀfZ¦ffÔÛ IY IY¿fIY ´fdSXUfSX IYe CX³fd°f Àf¸·fU

360 IY¿fIY ´fdSXUfSXÔ IYü dQ1ff ¦f1ff ´fdVfÃf¯f

I Yü¯OÊ¦ffÛU Ü कोण्डागांव के विकासखण्ड माकड़ी एवं बड़ेराजपुर के चिन्हित ग्राम में से निहित ग्राम खुड़ी, बाघबेड़ा, कोषाहरदुली, उलेरा, पाड़ोकी, छोटेराजपुर, बड़ेराजपुर, माडोकी खरगांव में चिराग परियोजना अन्तर्गत एक दिवसीय कृषक परिवार प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में 360 कृषक परिवार के सदस्य शामिल हुए। प्रशिक्षण में पोषण एवं बागवानी क्रियाकलाप के घटक पोषण, व्यक्तिगत बाड़ी, बाड़ी फेंसिंग, ग्रेवेटि ड्रीप, बाड़ी फसल प्रदर्शन, तथा सामुदायिक बाड़ी मे की जाने वाली उद्यानिकी गतिविधियों का विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में घटको के अन्तर्गत प्रावधानित अनुदान सहायता राशि के बारे मे विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी गई। कृषक परिवार सदस्यों को बताया गया कि प्रावधानित अनुदान राशि विभिन्न घटकों में उपयोग लाये जाने वाली आदान सामाग्री का क्रय कृषक द्वारा स्वयं की जाएगी। अनुदान राशि क्रय सामाग्री उपयोग एवं भौतिक सत्यापन के बाद अनुदान की राशि कृषक के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी।

प्रशिक्षण में अनुदान राशि का सही सदुपयोग करने का आहवान प्रशिक्षण में उपस्थित मुख्य अतिथि श्रीमती प्रमिला मरकाम, कृषि स्थायी समिति कोण्डागांव द्वारा किया गया। कृषक परिवार सदस्यों द्वारा चिराग योजना में साझेदारी एवं सहभागिता सुनिश्चित करने की हिदायत श्रीमती संगीता पोयाम जनपद सदस्य बड़ेराजपुर के द्वारा दिया गया। प्रगतिशील कृषक श्री मंहगू राम मरकाम, उप सरपंच रतिराम मरकाम ने कहा कि कृषक की भागीदारी से ही गांव, जिला और राज्य का विकास होगा एवं कृषक परिवार का भविष्य सुदृढ़ होगा।

प्रशिक्षण के दौरान श्री विमल कुमार गौतम, सहायक संचालक उद्यान, कोण्डागांव, अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी श्री राजेन्द्र कुमार मण्डावी, वरि.उ.वि.अधि. श्री सेवक राम मरकाम, ग्रा.उ.वि.अधि. श्री हिमाचल नेताम, ग्रा.उ.वि.अधि. श्री प्रकाश नारायण पैकरा, ग्रा.उ.वि.अधि. एवं उद्यानिकी मित्र उपस्थित थे।

परीक्षा की तैयारी युद्धस्तर पर कराएं, 90 प्रतिशत परिणाम का रखें लक्ष्य-उप संचालक अशोक बंजारा

Àf·fe ÀfeEÀfe A´f³fZ ÀIY©»fûÔ IYe ¦fb fUØff ¶fPÞf³fZ IY d»f1fZ IYSXÔ ¸fZWX³f°f

SÌ'f¦fPÞ Ü प्राचार्य अपने स्कूल के कार्यपालक, प्रबंधक और प्रेरक बनें, साथ ही अपने स्कूल के विकास लिये शैक्षिक, गुणवत्ता विकास के लिये अलग-अलग प्लान बनाकर अपने स्कूल में लागू करें, उक्त बातें शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक में लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक अशोक बंजारा ने कलेक्टोरेट रायगढ़ के सृजन सभाकक्ष में आयोजित प्राचार्यों की बैठक में कही। बैठक में उन्होंने कहा कि कक्षा 10 वीं और कक्षा 12 वीं सभी बच्चों को अनिवार्यता ब्लू प्रिंट की जानकारी दें, बच्चों को स्कूलों में ब्लू प्रिंट के आधार पर ही वार्षिक परीक्षा की तैयारी करायें। कमजोर बच्चों को चिन्हांकन करते हुए उनके लिए अतिरिक्त क्लास लगाकर अध्यापन पूर्ण करायें। बच्चों को घर में अपने से स्वाध्याय कर लेखन कार्य करने को कहें। सभी स्कूल अपने कक्षा 10 वीं और 12 वीं का वर्ष 2025 की वार्षिक परीक्षा परिणाम का लक्ष्य 90 प्रतिशत रखें। बच्चों को अपने स्कूल के उपलब्ध संसाधन का उपयोग कर अध्यापन कार्य करायें। बच्चों को पिछले वर्ष 2024 के प्रश्नों को छोड़कर पिछले 05 साल के प्रश्न पत्र को हल अनिवार्यता करायें। बच्चों को पढ़ाने के पहले शिक्षक पढ़ाये जाने वाले विषय का पहले स्वाध्याय कर ही कक्षा में जायें। बच्चों को केवल परीक्षा पास करना नहीं बल्कि बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके ऐसा पढ़ाना चाहिये। बच्चों का चयन करें जो मेरिट में ज्यादा से ज्यादा बच्चे आ सके इसके लिये सभी प्राचार्य प्रयास करें इन बच्चों को अतिरिक्त समय में मार्गदर्शन दें। उन्होंने स्कूल में पढ़ रहे बच्चे के उनकी क्षमता एवं मनोवैज्ञानिक दशा कार्यक्षमता को समझते हुए शिक्षकों को कार्य सौंपने को कहा। इसके पहले संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक में उन्होंने सभी को अपने अधीनस्थ सभी शालाओं को सतत निरीक्षण कर बच्चों के गुणवत्ता विकास पर ध्यान देने को कहा। बैठक के दौरान उपसंचालक बंजारा ने परीक्षा परिणाम सुधार के साथ स्कूल प्रबंधन पर सारगर्भित बात रखते हुए सभी प्राचार्य और सीएसी को शुभकामनाएं दी।बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वेंकट राव, जिला मिशन समन्वयक नरेंद्र चौधरी, वर्षा शर्मा, सहायक संचालक, तरसिला एक्का सहायक संचालक, भुवनेश्वर पटेल एपीसी, भूपेंद्र पटेल एपीसी, आलोक स्वर्णकार एडीपीओ, शैलेन्द्र करन छात्रवृत्ति प्रभारी, बीईओ दिनेश पटेल, धनाराम जाटवर, मोनिका गुप्ता, शैलेश कुमार देवांगन, रविशंकर सारथी, एबीईओ मनीष सिन्हा, द्वारिका पटेल, अनिल साहू, उत्तरा भारद्वाज, बीआरसी मनोज अग्रवाल, प्रदीप साहू, जय प्रकाश साहू, सुंदरमणि कोंध, मनोज साहू, शैलेंद्र मिश्रा, अरविंद राजपुत के साथ समस्त शालाओं के प्राचार्य और समस्त संकुलों के सीएसी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत तरकोरी में लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक साहू

¶fZ¸fZfSX Ü बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तरकोरी मे विभिन्न विकाश कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम रखा गया था जिसमे मुख्य अतिथि के रूप बेमेतरा विधायक दीपेश साहू शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूवात छत्तीसगढ़ महतारी की छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

तत्पश्चात अतिथियों का श्री फल साल भेटकर स्वागत अभिनंदन किया गया। इस दौरान विभिन्न विकास कार्य का लोकार्पण विधायक दीपेश साहू द्वारा किया गया। जिसमे ग्राम पंचायत तरकोरी में विधायक निधि द्वारा यादव समाज सामुदायिक भवन निर्माण लागत राशि 5 लाख रुपए, सामुदायिक शौचालय लागत राशि 3लाख 50 हजार रुपए, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अतिरिक्त कक्ष लागत राशि 5 लाख रुपए, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आहाता निर्माण लागत राशि 5 लाख रुपए, विधायक निधि द्वारा सीसी रोड निर्माण 2 लाख 60 हजार रुपए के विभिन्न विकाश कार्यों का लोकार्पण किया गया। कुल मिलाकर ग्राम पंचायत तरकोरी मे 21 लाख से अधिक राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस दौरान विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी को जीत दिलाने के लिए सर्वप्रथम ग्राम वासियों का आभार धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा की आप सभी लोगो ने आशीर्वाद देकर मुझे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि विधायक के रूप मे चुने है तों अब आगे मेरी जिम्मेदारी है आप लोगो की पांच साल सेवा करना। आप लोग जैसे विकाश चाहेंगे हम सब मिलकर गांव क्षेत्र और पुरे विधानसभा का हर गांव गली मोहल्ला मे विकाश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी और विष्णुदेव की सुशासन वाली सरकार मे छत्तीसगढ़ मे चहुमुखी विकाश होगा। डॉ ईश्वर सिंह मंडलेश्वर बेरला, अवधेश चंदेल प्रदेश मंत्री भाजपा, चंद्रकला मनोज मनहर सदस्य जिला पंचायत दुर्ग, धनराज बंजारे, बद्रीनाथ राजपूत, महेश कुमार जोशी, भगवान राजपूत किशनलाल साहू बलराम पटेल प्रश्न राघव सिंह शिवजादी सिंह राजूराम साहू डॉक्टर एस के तिवारी अमित माहेश्वरी कामता प्रसाद सिंह तिहारो सिंह पुरुषोत्तम यादव जीवनलाल होगरे संतोष यादव आनंद यादव दामन साहू उपेंद्र बुखार राम निषाद शांतिलाल दर जानकी अलग खराब बंजारे देवेंद्र राजपूत संतोष मन्नत।

कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने किया भैरमगढ़ ब्लॉक का किया औचक निरीक्षण

¶fe þf´fbSX Ü कलेक्टर संबित मिश्रा ने विकास कार्यो की जानकारी लेने भैरमगढ़ ब्लॉक का किया सघन निरीक्षण इस दौरान सीइओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार भी मुख्य रूप से मौजूद थे। कलेक्टर ने भैरमगढ़ के कस्तूरबागांधी आवासीय विद्यालय में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं जिले के अंतिम छोर पर दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर बसे ग्राम पंचायत बेंगलूर एवं सडार पहुंचकर विकास कार्यो की जानकारी ली।

भैरमगढ़ के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में छात्राओं से मिलकर पढ़ाई, लिखाई में संस्था में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। छात्राओं ने कलेक्टर से आत्मीयता पूर्वक मिलकर अपनी पढ़ाई संबंधी जानकारी दी। वहीं विद्यालय में कम्प्यूटर एवं अतिरिक्त कक्ष की मांग के साथ ही विद्यालय के डायनिंग हाल की स्थिति एवं पढ़ाई हेतु उपलब्ध प्रोजेक्टर के मरम्मत कराने अवगत कराया। कलेक्टर ने छात्राओं की समस्या से अवगत होकर डाईनिंग हाल एवं प्रोजेक्टर के मरम्मत हेतु निर्देश दिए। तत्पश्चात जिले के अंतिम छोर बेंगलूर में बालक आश्रम एवं आंगनबाड़ी का निरीक्षण किया एवं स्कूल भवन का मरम्मत कराने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता एवं सहायिका को निर्धारित समय तक रूकने सभी दर्ज बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं बच्चों का नियमित रूप से पौष्टिक आहार प्रदाय करने के निर्देश दिए।

बेंगलूर पहुंच मार्ग में पुलिया की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पुलिया निर्माण हेतु आवश्यक निर्देश दिए वहीं धान खरीदी केन्द्र बेंगलूर में धान खरीदी एवं केन्द्र में मौजूद बुनियादि एवं सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बारदाना की उपलब्धता, पंजीकृत किसानों की जानकारी धान खरीदी की स्थिति, सहित किसानों को केन्द्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत हुए। वहीं ग्राम सडार में निर्माणधीन स्कूल भवन का अवलोकन करते हुए आवश्यकत निर्देश दिए।

इस दौरान एसडीएम भैरमगढ़ श्री विकास सर्वे, सीईओ जनपद पंचायत श्री पीआर साहू सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

विचार मंथन

अरावली की बलि

उस खबर ने हर संवेदनशील और जागरूक व्यक्ति को उद्वेलित किया है कि हरियाणा के नूंह के पास 22 अरब रुपये कीमत के पहाड़ को खनन माफिया चट कर गया। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला घटनाक्रम नूंह जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ से जुड़ा है, जो अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम तंत्र की काहिली व सत्ताधीशों की गैरजिम्मेदारी से पनपा है। खनन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उपमंडल फिरोजपुर झिरका के कुछ इलाकों में खनन माफिया ने इस कृत्य को अंजाम दिया। कैसी विडंबना है कि गैर कानूनी तरीके से धन अर्जित करने की दबंगों की लिप्सा हमारे पर्यावरण व लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करती। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम यह भी है कि अवैध खनन माफिया से टक्कर लेने वाले कई अधिकारियों को तबादले के रूप में खमियाजा भी भुगतना पड़ा है। नागरिक संगठनों की उदासीनता भी उन खनन माफियाओं का हौसला बढ़ाती है, जो सत्ता के गलियारों में खासा रसूख रखते हैं। निश्चित रूप से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाली इन पहाड़ियों को आज पुनर्जीवित करने की जरूरत है। पर्यावरण पुनर्स्थापना हेतु भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण से निबटने के लिये बाकायदा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में ग्यारह लाख मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए, इस चौदह सौ किलोमीटर लंबे और पांच किलोमीटर चौड़े हरित गलियारे को बनाने का लक्ष्य है कि अरावली पहाड़ियों की पारिस्थितिकीय जीवन शक्ति को फिर से बहाल किया जा सके। एक समय था कि ये पहाड़ियां जंगल, वन्य जीवों, जलचरों और प्राकृतिक जल निकासी के जरिये एक समृद्ध पारिस्थितिकीय तंत्र बनाती थी। लेकिन दुर्भाग्य से अब अरावली पर्वत श्रृंखला देश की सबसे खराब स्थितियों के लिये जानी जाती है। इस दिशा में सत्ताधीशों की उदासीनता और नियामक संस्थाओं की लापरवाही से हरियाणा में यह स्थिति खासी शोचनीय है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की तीस से अधिक पहाड़ियां पहले ही लुप्तप्राय हो चुकी हैं। खासकर हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिलों से लगते इलाकों में। निरंतर होते शहरों के विस्तार ने हरे-भरे परिदृश्यों को कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। जिसके चलते पूरे इलाके का पारिस्थितिकीय संतुलन बाधित हुआ है। सदियों में विकसित हुई वन संपदा व जीव-जंतुओं के अधिवास अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। निस्संदेह, इस कथित विकास की कीमत हमें लंबे समय तक चुकानी होगी। जिसके अंतर्गत स्वदेशी वृक्षों की अनेक महत्वपूर्ण किस्में व दुर्लभ वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर जा पहुंची हैं। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र सूख गए हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब की हरित पहल से प्रेरित होकर ही ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को इस विनाशकारी अतिक्रमण को रोकने के लिये लाया गया था। स्वदेशी वन संपदा को सामुदायिक जुड़ाव के जरिये संरक्षित करने की योजना थी। इसके अंतर्गत 35000 हेक्टेयर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना भी मकसद था। निस्संदेह, इस पर्यावरणीय संकट से निबटने के लिये पर्वत श्रृंखला के निकटवर्ती राज्यों में सहयोगात्मक प्रयास जरूरी हैं।

धरती की कहानियां

एक बार पंडित राहुल सांकृत्यायन जी से उनकी घुमक्कड़ी प्रवृत्ति पर किसी जिज्ञासु ने प्रश्न पूछा कि, महोदय, इतना भ्रमण, इतनी यात्रा? आप भी किसी सनकी आत्मा से कहीं कम नहीं । मालूम होता है कि आपके पैरों में कोई चक्र है? यह धरती एक रोचक किताब है बंधु। इसके पास अनगिनत कहानियां हैं। जरा, इसे खोलकर पढ़िए। तब आप पायेंगे कि भ्रमण करना एक कला है। कलाकार की नजर से आप जब धरती के किसी कोने को स्पर्श करते हैं तो वह एक प्राणवान प्रतिमा-सी आपके सामने आ जाती है। इस तरह आप धरती की बोली ही नहीं धड़कन भी साफ साफ सुन सकते हैं। बस सुनने योग्य कान होने चाहिए। राहुल जी का यह जवाब घुमक्कड़ी पसंद करने वालों के लिए एक अनुपम प्रेरणा भी है।

-पूनम पांडे

रोगी की जांच-उपचार में कारगर एआई

एआई एल्गोरिदम मस्तिष्क आघात, इंट्राक्रैनील हैमरेज और पल्मनरी एम्बॉलिस्म जैसे लक्षणों की पहचान में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। शरीर पर धारण किए जाने वाले उपकरण, स्मार्टफोन और इंटरनेट-आधारित तकनीकों का उपयोग रोगियों के हृदय संबंधी डेटा की निगरानी के लिए किया जा सकता है, जिससे हृदय संबंधी खतरे का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है। वर्चुअल असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी के उपयोग के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण में एआई की भूमिका बढ़ रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक डिजिटल कंप्यूटर या रोबोट की वह क्षमता है जो आम तौर पर मनुष्यों के क्रियाकलाप से जुड़ी है, जैसे कि तर्क करना, सामान्यीकरण करने या पिछले अनुभव से सीखने की क्षमता। एआई विशाल मात्रा में डेटा को खंगालकर एल्गोरिदम लक्षणों की पहचान कर सकता है और अभूतपूर्व सटीकता और गति के साथ चिकित्सा परिणामों की भविष्यवाणी कर सकता है। यह चिकित्सकों की इलाज दक्षता को बेहतर बनाने और दुनिया में अत्यधिक दबाव के तले काम कर रही स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में रोगी को मिलने वाले परिणामों में सुधार कर पाएगा।

विश्व आर्थिक मंच की डिजिटल हेल्थकेयर परिवर्तन पहल ने हाल ही में स्वास्थ्य सेवा को दरपेश तीन सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां पुरानी बीमारियों का बढ़ता बोझ, दुनिया भर में रोगी के ठीक होने की असमान दर और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच एवं संसाधन की कमी से निपटने के संभावित तरीकों में एआई को बतौर एक विधा मान्यता दी है। इसके एक बार आकार लेने के बाद, भारत सरकार का राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन इस पहल के साथ जुड़ जाएगा।

स्वास्थ्य सेवा में एआई का उपयोग औद्योगिक एआई से उपजा है, जिसकी उत्पत्ति 1950 के दशक में हुई थी। जॉन मैकार्थी ने 1956 में डार्टमाउथ सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द गढ़ा था। वर्ष 1970 के दशक में पहला आर्टिफिशियल मेडिकल कंसल्टेंट इंटरनिस्ट-1 बनने के साथ, एआई काबिलियत वाला सर्वप्रथम चिकित्सा परामर्शदाता नमूना पेश किया गया था। इसने रोगियों के लक्षणों के आधार पर, सर्च एलोरिदम का उपयोग करके क्लिनिकल जांच का निष्कर्ष सुझाया। एआई का आधुनिक युग 2000 के दशक की शुरूआत में वॉयस रिकॉग्निशन फीचर के निर्माण के साथ शुरू हुआ, इसके बाद आईबीएम ने वॉटसन नामक एक प्रश्न-उत्तर प्रणाली और फिर 2020 में जीपीटी मॉडल लॉन्च किए। कंप्यूटिंग शक्ति में गुणात्मक सुधार, तेज डेटा संग्रहण एवं डेटा प्रोसेसिंग, जीनोमिक सिक्वेंसिंग डेटाबेस का विकास और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) सिस्टम के व्यापक इस्तेमाल होने ने स्वास्थ्य सेवा में एआईके विकास में योगदान दिया।

वर्तमान में, एआई में मशीन-लर्निंग, डीप-लर्निंग, नेचुरल लैंग्युएज प्रोसेस और कंप्यूटर विजन जैसी तकनीक और लार्ज लैंग्युएज मॉडल (एलएलएम) जैसे एल्गोरिदम शामिल हैं जो नए कंटेंट को समझने, सारांश देने, नया कंटेंट बनाने और भविष्यवाणी करने के लिए विशाल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं। एआई का व्यापक रूप से परीक्षण किया गया है। एक्स-रे और फोटोग्राफी जैसी चिकित्सा इमेजिंग में इसके उपयोग की काफी संभावना और इसने मधुमेह रेटिनोपैथी, त्वचा कैंसर और फेफड़ों के तपेदिक जैसे लक्षणों की शिनाख्त करने में काफी बढ़िया कर दिखाया है। अल्जाइमर रोग की भविष्यवाणी और निदान करने

में सक्षम मशीन मॉडल पेश किया गया है। कैंसर की पहचान, जोखिम स्तर कब बनेगा, दवा की खोज करने और मॉलीकुलर कैरेक्टराइजेशन के लिए एआई उपयोगिता पर काम चल रहा है।

व्यावसायिक रूप से उपलब्ध एंडोस्कोप के उपयोग करते हुए एकीकृत प्रणाली में एआई बायोप्सी सैंपल लेने के लिए सबसे संभावित संदिग्ध बिंदु सुझा सकता है, यहां तक कि इसके कैंसर होने की संभावना के बारे में भी अनुमान दे सकती है। एआई का उपयोग रोगी की हालत के हिसाब से या सटीकता के साथ दवा बताने के लिए किया जा सकता है, यह समय-दक्ष विश्लेषण का उपयोग करते हुए प्रत्येक रोगी के लिए सटीक रूप से भविष्यवाणी कर सकता है, उसकी आनुवंशिकी, मॉलिक्यूरल और ट्यूमर-आधारित प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर कौन-सी उपचार विधि सबसे उपयुक्त रहेगी, यह सुझा सकता है। टेलीमेडिसिन का उपयोग करके दूर-दराज इलाकों के मरीजों की ईसीजी रिपोर्ट, एक्स-रे या स्कैन का ऑनलाइन विश्लेषण करने के बाद इलाज संबंधी परामर्श दिया जाता है।

एआई एल्गोरिदम मस्तिष्क आघात, इंट्राक्रैनील हैमरेज और पल्मनरी एम्बॉलिस्म जैसे लक्षणों की पहचान में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। शरीर पर धारण किए जाने वाले उपकरण, स्मार्टफोन और इंटरनेट-आधारित तकनीकों का उपयोग रोगियों के हृदय संबंधी डेटा की निगरानी के लिए किया जा सकता है, जिससे हृदय संबंधी खतरे का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है।

वर्चुअल असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी के उपयोग के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण में एआई की भूमिका बढ़ रही है। रोग पहचान हेतु परीक्षण, दवा खोज और दवा-दवा के बीच सामंजस्यपूर्ण या फिर प्रतिकूल प्रभावों की भविष्यवाणी करने में एआई का उपयोग पहले से हो रहा है। एआई के कुछ आगामी अनुप्रयोगों में, गूगल की स्वास्थ्य एलएलएम सुविधा शामिल है, जो उपयोगकर्ताओं को उनकी नींद की अवधि, व्यायाम की तीव्रता और हृदय गति की परिवर्तनशीलता आदि के आधार पर व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श संदेश देगा। अन्य विकास खोज क्रम में, आईबीएम का वाटसन ऑनकोलॉजी, गूगल का डीपमाइंड प्लेटफॉर्म और माइक्रोसॉफ्ट का हैनोवर प्रोजेक्ट शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में मेडसोल एआई सॉल्यूशंस नामक एक कंपनी ने स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक अत्याधुनिक, वाई-फाई-सक्षम अल्ट्रासाउंड जांच विकसित की है।

हालांकि, स्वास्थ्य सेवा में जेनरेटिव एआई का उपयोग करने में एक बड़ी चिंता मानव स्पर्श और सहानुभूति की अनुपस्थिति है। दूसरी बड़ी समस्या है विश्वसनीय डेटा की अनुपलब्धता। इसके प्रभावी उपयोग के लिए भारी मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जो कि विभिन्न जातीय समूहों और अल्पसंख्यकों या वे समुदाय जिन का प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है, उनके प्रति पूर्वाग्रहों के कारण विश्लेषण त्रुटिपूर्ण हो सकता है। वर्तमान में, अधिकांश एआई एल्गोरिदम श्वेत पुरुष के डेटा पर आधारित हैं। फिर, रोगी की गोपनीयता और डेटा बेचने को लेकर भी चिंता है। एल्गोरिदम का सही काम न करना या इलाज की गलत दिशा बता देना या फिर पारदर्शिता में कमी या सही व्याख्या न कर पाने वाली कमी और ब्लैक बॉक्स स्थिति जैसी अन्य समस्याएं हैं। साथ ही, जीनोमिक जानकारी एकत्र करने में नैतिकता बरतना और एआई को आईटी तंत्र के साथ एकीकृत करना, चिकित्सक का विश्वास हासिल करना और सरकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने संबंधी चिंताएं हैं।

भारत में एआई उपयोग की अपार संभावनाएं हैं। पोषण, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित जनशक्ति और स्वास्थ्य सुविधाओं में घोर असमानताओं वाले परिदृश्य में यह एक वरदान हो सकती है। **-राकेश कोचर**

आप भी आमंत्रित हैं

संपादकीय पेज पर आप भी आमंत्रित हैं। अपने विचार इस पेज के जरिये अभिव्यक्त कर सकते हैं। आप पत्र व रचनाएं हमें भेज सकते हैं।
व्हाट्सअप नंबर : 7470794884, आप हमें मेल भी कर सकते हैं - dabangdunianewspaper@gmail.com

व्यापार

विदेशी निवेशकों ने बदला रुख, भारतीय Stock Market में की वापसी, इन सेक्टर में कर रहे हैं खरीदारी

मुंबई एजेंसी

पिछले कुछ महीनों में भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सितंबर 2024 में निफ्टी ने 26,277 का ऑल-टाइम हाई छुआ लेकिन इसके बाद 21 नवंबर को यह 23,263 के हालिया निचले स्तर तक गिर गया। दो महीनों में निफ्टी में 3,000 से अधिक अंकों की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों अपने उच्चतम स्तर से 10% से अधिक गिरावट में चले गए थे।

इस गिरावट की बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की भारी बिकवाली रही लेकिन अब बाजार में बदलाव देखने को मिल रहा है। एफआईआई फिर से भारतीय शेयर बाजारों में खरीदारी करते नजर आ रहे हैं।

नवंबर 2024 में एफआईआई की गतिविधियां दो हिस्सों में बंटी

रहीं। पहले पखवाड़े में उन्होंने 22,420 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री की, जिससे बाजार पर दबाव बना लेकिन दूसरे पखवाड़े में उन्होंने 809 करोड़ रुपए के शुद्ध खरीदार के रूप में वापसी की। दिसंबर 2024 में अब तक एफआईआई ने लगभग 23,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

इस बीच ऑइल और गैस, टेलीकॉम और ऑटो जैसे सेक्टर में नवंबर में भी बिकवाली का दबाव जारी रहा। नवंबर के दौरान एफआईआई एक्टिविज का सेक्टर वाइज विश्लेषण इस प्रकार है।

फाइनेंशियल सर्विस : फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में नवंबर माह में एफआईआई ने बहुत खरीदारी की। पिछले माह एफआईआई के फ्लो का सबसे बड़ा फायदा फाइनेंशियल सर्विस को मिला। पहली छमाही में एफआईआई ने इस क्षेत्र में 7,092 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जिससे सेक्टर में गिरावट हुई। हालांकि, दूसरी छमाही में इस सेक्टर में 9,597 करोड़ रुपए का निवेश हुआ और यह विदेशी निवेशकों के बीच सबसे पसंदीदा क्षेत्र बन गया।

आईटी सेक्टर : आईटी सेक्टर ने पूरे नवंबर में अपनी अपील बनाए रखी, जिसमें एफआईआई ने पहली छमाही में 3,087 करोड़ रुपए और दूसरी छमाही में 2,429 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश किया। इससे कुल मंथली फ्लो 5,516 करोड़ रुपए हो गया, जिससे आईटी नेट फ्लो के मामले में टॉप परफॉर्मर बन गया।

एफएमसीजी सेक्टर : नवंबर माह के शुरू में कुछ संदेह के बावजूद नवंबर के दूसरे पखवाड़े में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG) में उलटफेर देखने को मिला। पहले पखवाड़े में 3,589 करोड़ रुपए की निकासी होने के बाद इस सेक्टर में बाद की छमाही में 2,184 करोड़ रुपये की आमद देखी गई जबकि नवंबर के लिए कुल 1,405 करोड़ रुपए नकारात्मक रहे लेकिन बाद की छमाही में बेहतर भावना ने उभरती उपभोक्ता मांग के बीच सेक्टर के लॉन्ग टर्म प्रोसपेक्टिव सामने आए।

रियल एस्टेट : नवंबर में रियल्टी में लगातार एफआईआई की दिलचस्पी देखी गई, पहली छमाही में 694 करोड़ रुपए और दूसरी छमाही में 1,367 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया। इस सेक्टर का 2,061 करोड़ रुपए का नेट मंथली इन्वेस्टमेंट इसकी बढ़ती हुई आकर्षकता को दशार्ता है, जिसे मजबूत मांग और अनुकूल बाजार स्थितियों का समर्थन प्राप्त है।

मध्य प्रदेश की अपनी क्रिकेट टीम स्पोर्ट्समिंट एमपी टाइगर्स

इंदौर। रैडिसन होटल, इंदौर में, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। सूरत में 12 दिसंबर से शुरू होने वाले बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) में एमपी टाइगर्स टीम ने क्रिकेट जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

स्पोर्ट्समिंट के स्वामित्व वाली एमपी टाइगर्स टीम का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। इस क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एमपी टाइगर्स ने बीसीएल में भाग लेने का फैसला किया है।

बीसीएल एक अनूठा टूर्नामेंट है जो पेशेवर, युवा, मेहनती मौके की तलाश कर रहे क्रिकेटरों को खेलने का मौका देता है। एमपी टाइगर्स ने अपने स्क्वाड में 10 महत्वाकांक्षी और 8 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया है। इन खिलाड़ियों का चयन पूरे भारत में आयोजित हुए

कई शिविरों के माध्यम से किया गया है।

एमपी टाइगर्स का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के विकास के लिए काम करना है। टीम 2025 में इन दोनों राज्यों में ट्रायल आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को बीसीएल में खेलने का मौका मिल सके। एमपी टाइगर्स का विजन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें भारतीय क्रिकेट में अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करना है। टीम का मानना है कि बीसीएल इस क्षेत्र के क्रिकेट के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष -आर पी सिंह, ने कहा हमें एमपी टाइगर्स के बीसीएल में शामिल होने पर बेहद उत्साहित हूं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे क्रिकेट के गढ़ से एक नई टीम का आगमन हमारे लीग को और मजबूत बनाएगा। एमपी टाइगर्स की युवा प्रतिभाएं बीसीएल को एक नई ऊर्जा देंगी। हम उम्मीद करते हैं कि यह टीम मध्य भारत के क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व का विषय बनेगी। बीसीएल का लक्ष्य भारत में घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा देना है और एमपी टाइगर्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करेंगे।

एसबीआई कार्ड ने 2 करोड़ काड्र्स-इन-फोर्स का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली। एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, ने 2 करोड़ काड्र्स-इन-फोर्स का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि देश भर में अभिनव समाधान प्रदान करने और ग्राहकों के अनुभवों को बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के क्रेडिट कार्ड परिदृश्य को बदलने में एसबीआई कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका और 'डिजिटल इंडिया की करेंसी के अपने वादे को भी रेखांकित करती है।

1998 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई कार्ड ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक उत्पादों को डिजाइन करने में अग्रणी रहा है। खासे विचार विमर्श के बाद जारी कोर कार्डों से लेकर प्रीमियम ब्रांडों के साथ को-ब्रांडेड साझेदारियों तक, रिवाड्र्स-संचालित और जीवनशैली-केंद्रित आफरों तक, एसबीआई कार्ड ने लगातार भारतीय

क्रेडिट कार्ड उद्योग में ग्राहक-केंद्रित नवाचार के लिए नए मानदंड स्थापित किए हैं और बाजार में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। एसबीआई कार्ड ने वित्त वर्ष 19 और वित्त वर्ष 24 के बीच काड्र्स-इन-फोर्स में लगभग 25% CAGR और स्पेंड्स में 26% CAGR की मजबूत वृद्धि देखी है।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ अभिजीत चक्रवर्ती ने कहाः 'एसबीआई कार्ड ब्रांड 'लाइफ को आसान बनाएं' के मूल्यवान सिद्धांत पर आधारित है। 2 करोड़ कार्ड जारी करने का आंकड़ा पार करना हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर रखे गए विश्वास और आत्मविश्वास का प्रमाण है। यह नवाचार, बेहतर ग्राहक सेवा और हर भारतीय को सुविधाजनक, सुरक्षित और रिवाड्र्स देने वाले भुगतान समाधानों के साथ सशक्त बनाने के दृष्टिकोण पर हमारे अथक ध्यान को दशार्ता है। हम अपने बढ़ते ग्राहक आधार को अद्वितीय मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हम उनकी विकसित आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखते हैं।

इंडियन ऑयल ने जेल के कैदियों और सुधार गृहों के लिए अपनी अग्रणी पहल का विस्तार किया

मुंबई। जेल के कैदियों और सुधार गृहों में रहने वाले बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास में, इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्री ए एस साहनी ने इंडियन ऑयल के 'परिवर्तन - प्रिजन टू प्राइड' के चरण नवें और 'नई दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' के चरण छठवें चरण का शुभारंभ किया। इस चरण में, इंडियन ऑयल 28 जेलों और 14 सुधार गृहों में 1650 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करेगा।

अद्वितीय सामाजिक प्रबंधन कार्यक्रमों के नौवें चरण का उद्घाटन करते हुए, अध्यक्ष ने साझा किया कि उन्हें इस बात पर बेहद गर्व है कि इंडियन ऑयल कैदियों को दूसरा मौका दे रहा है और खेल के रूप में उन्हें उद्देश्य दे रहा है। उन्होंने कहा, रपिछले 38 महीनों में ये कार्यक्रम 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 150 स्थानों तक पहुँच चुके हैं। 7,300 से ज्यादा लोगों के जीवन पर इसका असर पड़ा है और ये प्रयास इंडियनऑयल के

'राष्ट्र पहले' के सिद्धांत के अनुरूप हैं, जो व्यापार से परे जाकर सबसे कमजोर लोगों की मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भारतीय जेलों में अन्य कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री साहनी ने कहा, इन सराहनीय पहलों के अलावा, हम अपनी उम्मीद-ए-होप परियोजना के जरिए भी लोगों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। राज्य जेल विभागों के सहयोग से, हमने मौजूदा और पूर्व कैदियों द्वारा संचालित ईंधन स्टेशन स्थापित किए हैं। इसके अलावा, पिछले साल नई दिल्ली में इंडियनऑयल के ईंधन स्टेशन पर पहले तिहाड़ जेल स्टोर (टीजे) का उद्घाटन हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस अवसर पर, भाग लेने वाले राज्य सरकार के अधिकारियों और जेल अधिकारियों ने इस अनूठे हस्तक्षेप के लिए इंडियनऑयल को धन्यवाद दिया, जो सुधार गृहों में कैदियों और बच्चों को बेहतर जीवन जीने और समाज में उपयोगी योगदान देने में मदद करेगा। परिवर्तन - जेल से गौरव तक, जिसे 15 अगस्त, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत के स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समारोह के साथ लॉन्च किया गया था। निगम ने 26 जनवरी, 2023 को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का पहला चरण भी लॉन्च किया था। आज के लॉन्च के साथ, यह पहल अब दस खेलों के माध्यम से 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 192 स्थानों पर सुधार गृहों में 8950 से अधिक कैदियों और बच्चों को सशक्त बनाती है। यह पहल न केवल कोचिंग की सुविधा प्रदान करती है, बल्कि प्रतिभागियों के लिए उपकरण और किट भी प्रदान करती है। यह उल्लेखनीय है कि इंडियनऑयल के इन प्रमुख आउटरीच कार्यक्रमों ने अपने सामाजिक प्रभाव के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त की है। 2024 में, भोपाल सुधार गृह के कैदियों ने FIDE द्वारा आयोजित चौथे इंटरकॉन्टिनेंटल ऑनलाइन शतरंज में स्वर्ण और एलुरु सुधार गृह के कैदियों ने कांस्य पदक जीता।

Scanned with OKEN Scanner

आरक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू, अध्यक्ष चयन समिति केन्द्र -2 बिलासपुर रेंज ने जारी किया आदेश

दबंग दुनिया ♦ घरघोड़ा

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा 2023-24 के तहत बिलासपुर रेंज में आरक्षक भर्ती परीक्षा केन्द्र कमांक 02 रायगढ़ में 16.11.2024 से प्रारंभ की गई थी। लेकिन माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के आदेश के बाद भर्ती प्रक्रिया को 27.11.2024 को स्थगित कर दिया गया था। अब माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के अंतिम निणर्यानुसार भर्ती प्रक्रिया पुनः 06.11.2024 से प्रारंभ हो रही है। जिन अभ्यथिर्यों को 08.12.2024 को दस्तावेज जांच, शारीरिक मापदंड एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, वे निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ 08.12.2024 को भर्ती केन्द्र कमांक-02 रक्षित केन्द्र रायगढ़ में उपस्थित होंगे। साथ ही, जिन अभ्यथिर्यों का दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक मापदंड और शारीरिक दक्षता परीक्षा 27.11.2024 से 07.12.2024 तक होना था, उनकी भर्ती परीक्षा की तिथि और प्रवेश पत्र अलग से जारी किए जाएंगे। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक जिला रायगढ़ एवं अध्यक्ष चयन समिति केन्द्र कमांक-02 बिलासपुर रेंज ने आदेश जारी किया है.

घरघोड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव संपन्न

» मंडल संगठन चुनाव प्रभारी विकास केड़िया रहे उपस्थित

दबंग दुनिया ♦ घरघोड़ा

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा संगठन पर्व मनाया जा रहा है, तीन वर्ष के कार्यकाल के पश्चात नवीन कार्यकारिणी की रचनाएं कर पार्टी में दायित्व बंटवारा करने की पंरपरा है जिसमें नये कार्यकर्ताओं का सृजन कर संगठनात्मक संरचना में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए मंडल से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अनेक परिवर्तन किया जाता रहा है। छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन द्वारा संगठन पर्व मनाया जा रहा है जिसके तहत घरघोड़ा मंडल भाजपा में काफी उत्साह देखा गया मंडल अध्यक्ष सहनु पैकरा ने बताया कि इस वर्ष मंडल अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त हो रहा है संगठन के दिशा निर्देश पर आज घरघोड़ा मंडल की संगठन पर्व निमित्त बैठक आयोजित किया गया, यह बैठक नवापारा दुर्गा पंडाल में आयोजित है जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता जिला उपाध्यक्ष विकास केड़िया जी संगठन चुनाव प्रभारी के उपस्थित में बैठक संपन्न हुआ साथ ही जिला महामंत्री अरूण धर दिवान जी जिला उपाध्यक्ष नरेश पंडा इस क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद वरिष्ठ नेता राजेंद्र ठाकुर जनपद अध्यक्ष सहोद्रा राठिया जी शीशु सिंन्हा वरिष्ठ नेता गौरीशंकर गुप्ता जिला उपाध्यक्ष जनेश्वर मिश्रा महामंत्री डॉ. राजेश पटेल श्रवण राठिया उपस्थित रहे। जिला उपाध्यक्ष नरेश पंडा ने संगठन चुनाव की प्रक्रिया पर विस्तार से बैठक पटल पर रखा जिसमें केन्द्रीय संगठन नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष कोरोना काल के बाद नवीन कायर्कारिणी का गठन किया जा रहा है यह सतत चलने वाली संगठनात्मक प्रक्रिया है जो हर तीन वर्ष के कायर्काल के बाद होता है भाजपा एक अनुशासित पार्टी है संगठन हर विषय को गंभीरता से लेता है इस कारण आज दिवस तक कभी संगठन चुनाव नहीं होता है संगठन सदस्यों के सबकी सहमति से निर्णय लेकर जवाबदेही सौंपी जाती है संगठन में कार्य करने के लिए पद नहीं दायित्व होता है जिसके निर्वहन के लिए नाम तय किया जाता है इस वर्ष केन्द्रीय संगठन ने शक्त नियमों के पालन का आग्रह किया है जिसमें मंडल अध्यक्ष के लिए 35 से 45 वर्ष के युवाओं को मौका दिया जाना है, चरित्र छवि स्वच्छ हो दो बार का सक्रिय सदस्य होना अनिवार्यता के साथ पुर्व में किसी दायित्व का निर्वहन किया हो, यह गाइड लाइन का पालन करना ही इस आग्रह पर संगठन चुनाव में आज सबके विचार परामर्श हेतु यह बैठक आयोजित हुई है, वहीं घरघोड़ा मंडल अध्यक्ष के रूप में आज तक का कायर्काल स्वच्छ पारदर्शी होने का गर्व पुरे प्रदेश में रहा है इस कारण इस वर्ष भी सबके परामर्श से जो भी अध्यक्ष बनेगा अवश्य ही सभी सहमत होंगे। भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव के लिए इस वर्ष पांच नाम सामने आये है जिसमें वतर्मान महामंत्री डॉ राजेश पटेल, अजजा मोर्चा के जिला मंत्री सोनू सिदार, युवा मोर्चा अध्यक्ष रितेश शर्मा, हंशराज गुप्ता, राधे गुप्ता ने मंडल अध्यक्ष के लिए अपना नाम पैनल में रखा है इन नामों पर नियमों पालन के अंतर्गत जिला कोर कमेटी विचार विमर्श कर सभी नाम में एक योग्य सदस्य को फायनल कर 12 दिसंबर तक तय करेगी। अब देखना होगा इस बार किसके सर पर अध्यक्ष का ताज सजेगा क्योंकि इस बार संगठन ने नियमों की लकीर खींच रखी है जिसके कारण बहुत से भाजपा नेता अध्यक्ष की रेस से बाहर हो गये बहुत से स्थानीय नेताओं की मंशा पर पानी फिर गया बताया जाता है इस विषय को लेकर कर सांसद विधायकों ने संगठन में उम्र को लेकर परिवर्तन करने की मांग रखा था जिसमें संगठन के शिर्ष नेतृत्व ने केन्द्रीय संगठन के नियमों में कोई बदलाव नहीं हो सकता बोलकर खारिज कर दिया और कड़ाई से नियमों का पालन करते हुए वरिष्ठ नेताओं को संगठन चुनाव करने को कहा गया है, अब देखना होगा इस बार भाजपा संगठन चुनाव में किस तरह का नजारा सामने आता है।

निक्षय-निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान का किया गया शुभारंभ

दबंग दुनिया ♦ बलरामपुर

कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले में बाजार पारा स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तर पर निक्षय-निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सभापति रेड क्रॉस सोसायटी श्री ओम प्रकाश जायसवाल , वरिष्ठ जन श्री अजित सिंह,श्री ओम प्रकाश सोनी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय अधिकारी श्री अमित श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अधिकारी डॉ बसंत कुमार सिंह, मितानिन, वयोवृद्ध एवं आमनागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने अपने उद्बोधन में 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान में सभी से अपने सहभागिता निभाने अपील की। निक्षय-निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान में टीबी, कुष्ट, मलेरिया व वयोवृद्ध देखभाल का स्वास्थ्य जांच एवं उपचार स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा घर घर जाकर किया जाएगा। उक्त अभियान में सहभागिता बढाने व लोगो को जागरूक करने के लिए टीबी मरीजों को टीबी फूड बास्केट , वयोवृद्धों को स्टिक वितरण किया गया व निक्षय मित्र भी बनाया गया। अभियान के प्रचार प्रसार हेतु मुख्य अतिथि द्वारा निक्षय-निरामय प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अभियान अंतर्गत प्रथम चरण में 22 दिसंबर 2024 तक प्रचार प्रसार, घर-घर सर्वे, उच्च जोखिम एवं कुष्ठ रोगियों की पुष्टि, मलेरिया जांच एवं उपचार , स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे।

वायरल वीडियो की सच्चाई, मध्यान भोजन में मन माफिक उपस्थित न देने के कारण प्रधान पाठक निलंबित

दबंग दुनिया ♦ बलरामपुर/रामानुजगंज

रामानुजगंज के लगभग सभी विद्यालय में भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा अपने कार्यकर्ताओं के पालन पोषण के लिए नीलकंठ महिला स्व सहायता समूह के नाम से अपने राजनीतिक प्रभाव से मध्यान भोजन संचालन का कार्य माह नवंबर 2024 से प्रारंभ किया है मध्यान भोजन की आवश्यक शर्तें हैं समूह की महिलाएं प्रतिदिन विद्यालय में उपस्थित होकर मध्यान भोजन बनवाना तथा गर्म मध्यान भोजन छात्र-छात्राओं को सर्व करना होता है लेकिन यहां नीलकंठ महिला स्व सहायता समूह महिलाओं के जगह भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री अश्वनी गुप्ता तथा उनके सहयोगी कार्यकर्ता सिद्धांत यादव, शुभम गुप्ता, आकाश गॉड के द्वारा उक्त मध्यान भोजन का संचालन किया जाता है अपने राजनीतिक रसूख का प्रयोग करते हुए विभिन्न विद्यालयों में लाभान्वितों की संख्या बढ़वा कर ली जाती है तथा निर्धारित मात्रा में दाल 30 ग्राम प्रति छात्र सब्जी 75 ग्राम प्रति छात्र तथा सरसों तेल 7.5 ग्राम तथा विभिन्न दिनों में मध्यान भोजन का अलग-अलग मीनू निश्चित है प्रत्येक शनिवार को दूध निर्माता खीर, अंकुरित चना, और गुड़ देने का प्रावधान है मीनू के अनुसार कभी भोजन का संचालन नहीं किया गया और ना ही निर्धारित मात्रा में सामग्री प्रदान की गई कन्या माध्यमिक शाला रामानुजगंज में मध्यान भोजन प्रभारी शिक्षिका के द्वारा वास्तविक लाभान्वित संख्या ऑनलाइन एंट्री की जाती रही जिससे भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री भड़क गए और प्रधान पाठक पर दबाव बनाने लगे की संख्या बढ़कर दीजिए अन्यथा इसका राजनीतिक दुष्परिणाम अच्छा नहीं होगा इसी कड़ी में मध्यान भोजन की निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करते हुए शासकीय चावल का उठाव अपने द्वारा करने लगे तथा निर्धारित मात्रा से कम तेल दाल सब्जी प्रदान कर उतने में ही खाना बनवाने की बात और दबाव देना शुरू कर दिए।

विवाद हुआ स्वीपर से निलंबित हो गए प्रधान पाठक घटना दिनांक 05 दिसम्बर को दोपहर लगभग 01:30 बजे अश्वनी गुप्ता अपने सहयोगी कार्यकर्ता सिद्धांत यादव शुभम गुप्ता के साथ विद्यालय में पहुंच कर अनुसूचित जाति की महिला स्वीपर से बोले कि कितने बच्चों का खाना बना रही हो तो महिला स्वीपर ने जवाब दिया कि हमसे क्या पूछते हैं उधर जाकर के सर और मैडम से पूछिए बस इतना सुनते ही सिद्धांत यादव भड़क गए और इतने आग बबूला हो गए कि उठा लेने तक की धमकी देने लगे जब महिला स्वीपर ने पूछा कि आप लोग कन्या विद्यालय में कैसे घुस गए तो सिद्धांत यादव बोलने लगे कि मैं समूह चलाता हूं तो मैं आऊंगा ही बस फिर क्या था विवाद इतना बढ़ गया कि विद्यालय की छात्राएं भी क्लास से बाहर निकल कर आ गईं एवं काफी डर गईं विद्यालय के शिक्षक राजेश्वर कुशवाह के हस्तक्षेप के बाद अश्वनी गुप्ता,सिद्धांत यादव एवं शुभम गुप्ता विद्यालय से बाहर निकल गए लेकिन जब उक्त तीनों लोगों को पता चला कि जिस महिला स्वीपर से विवाद हुआ है वह अनुसूचित जाति की है तो ये तीनों लोग इतने डर गए कि आनन फानन में प्रधान पाठक की शिकायत विकासखंड शिक्षा अधिकारी के समक्ष कर दी गई।गौर करने वाली बात यह है कि शिकायत पत्र दिया गया 05.12.2024 को और जांच अधिकारी जांच करने कन्या विद्यालय पहुंचे 06.12.2024 को सुबह लगभग 10:15 जो दोपहर दो बजे तक जांच पूरी हो गई शाम पांच बजे के लगभग जांच प्रतिवेदन संयुक्त संचालक अंबिकापुर के पास भी पहुंच गया और रात आठ बजे के लगभग प्रधान पाठक का निलंबन आदेश व्हाट्सएप ग्रुप में दौड़ने लगा जो पूरे संभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है।

समूह का नाम नीलकंठ महिला स्व सहायता समूह परन्तु समूह का संचालन करते हैं पुरुष दबंग दुनियां के संवाद दाता ने जब उक्त मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया तो पता चला कि जो समूह के माध्यम से कन्या माध्यमिक विद्यालय में टउट का संचालन किया जा रहा है वह नीलकंठ महिला स्व सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है लेकिन समूह की कोई भी महिलाएं टउट संचालन के समय उपस्थित नहीं होती हैं बस पुरुष लोग ही समूह चला रहे हैं।

वार्ड क्रमांक 1 मनियारी नदी एनीकट के पास 10 लाख की लागत से महतारी घाट निर्माण कार्य प्रारंभ

दबंग दुनिया ♦ तखतपुर

तखतपुर नगर सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड क्रमांक 1 में मनियारी नदी एनीकट के पास महतारी घाट निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया जिसमें तखतपुर विधायक धमर्जीत सिंह के अथक प्रयास से निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया जिसमें नगर के सांस्कृतिक भवन प्रांगण श्री राम सदन में तखतपुर विधायक धमर्जीत सिंह ने भूमि पूजन कर कार्य को प्रारंभ किया साथ ही विधायक के निर्देशानुसार तखतपुर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कृष्ण कुमार साहू एवं वार्ड क्रमांक एक के पार्षद कोमल सिंह ठाकुर पार्षद नैनलाल साहू पार्षद प्रतिनिधि काशी देवांगन पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र रात्रे ने जाकर कार्य का जायजा लिया इस दौरान पाषर्दों ने उपस्थित होकर हिंदू धर्म में होने वाले मृत्यु कार्यक्रम में पीपर घंटा पूजा के स्थान पर महतारी घाट के निर्माण का निरीक्षण किया। महतारी घाट निर्माण से मृत्यु उपरांत किए जाने वाले संस्कार के लिए एक अच्छी जगह उपलब्ध हो जाएगी और यहां लोगों के बैठने की व्यवस्था भी होगी। जिससे संस्कार के लिए आने वाले लोगों को सुविधा होगी।

टीकाकरण के दूसरे दिन थमी मासूम बच्चे की सांसे, परिजनों ने लगाया स्वास्थ्य विभाग पर बेपरवाही का आरोप

दबंग दुनिया ♦ सूरजपुर

जिले के रामानुजनगर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम परशुरामपुर में ढाई महीने के अबोध बच्चे की मौत से परिजनों मे कोहराम मच गया है। विदित हो की शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा सूचित किया गया की बच्चों को टीका लगाया जा रहा है, सूचना पर मृतक प्रियांशु के पिता धनेश माता शीतल ने आँगनबाड़ी केंद्र पहुँचकर टीका लगवाया गया, घर वापसी के बाद टीका लगे बच्चे को तेज बुखार आई, उसी तरह दूसरे दिन भी बुखार बराबर था, जिसपर मृतक के परिजनों ने मितानिन और नर्स से जानकारी पूछा था की बच्चा काफी व्याकुल है कोई समाधान बताएं, किन्तु स्वास्थ्य विभाग के स्टाप मात्र ठंडा पानी से शिकाई करने कहाँ गया था। इसके बाद रविवार की सुबह बच्चे की मौत हो गई, मौत की सूचना पर यह बात हवा की तरह पुरे जिले मे फैल गई, वहीं परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग के विरूद्ध टीका करण को लेकर थाना रामानुजनगर में इस घटना की शिकायत कर जांच व कायर्वाही की मांग किया है,वहीं पुलिस ने पंचनामा बाद मृतक बच्चे का पोस्ट मार्टम कराकर शव परिजनों को सौप दिया है।

उच्च स्तरीय जाँच व कायर्वाही की माँग सरपंच

परशुरामपुर के सरपंच लाल केश्वर सिंह सरुता ने भी इस तरह की घटना की निंदा की है कहाँ स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किये गए घोर लापरवाही की जांच होनी चाहिए।

डॉ. मनोज मिंज का ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस लॉन टेनिस प्रतियोगिता 2024-25 के लिए हुआ चयन

दबंग दुनिया ♦ तखतपुर

डॉ. मनोज मिंज, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय कन्या महाविद्यालय, तखतपुर, को ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस लॉन टेनिस प्रतियोगिता 2024-25 के लिए पुरुष लॉन टेनिस टीम में चयनित किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता दिनांक 15 दिसंबर 2024 से 21 दिसंबर 2024 तक सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर, राजस्थान में आयोजित होगी। डॉ. मिंज लगातार तीसरी बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। वे पिछले दो वर्षों से छत्तीसगढ़ की पुरुष लॉन टेनिस टीम का हिस्सा रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि उनकी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा, अनुशासन और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस गेम्स केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच खेलों को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। इसमें विभिन्न खेलों में देश भर के अधिकारी भाग लेते हैं, और यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मानी जाती है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शुभदा रहालकर ने डॉ. मिंज को उनकी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं और कहा, रडॉ. मिंज ने महाविद्यालय और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है।

गांजा के आरोपी को 14 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक लाख रु अर्थ दंड से किया गया दंडित

सरायपाली। फरवरी माह में सिंघोड़ा थाना के रेहटीखोल के पास 50 किलो गांजा के साथ पकड़ाए हरियाणा के एक व्यक्ति को दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस शोभना कोस्टा के द्वारा 7 दिसंबर को 14 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ?1,00000 का अर्थ दंड से दंडित किया गया है। विशेष लोक अभियोजक देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि 17 फरवरी 24 को सिंघोंड़ा थाना के रेहटीखोल में एन एच 53 में गांजा का अवैध परिवहन करते वीरेंद्र सिंह निवासी-पिलाना,थाना-कलानौर,जिला रोहतक हरियाणा को 50 किलो गांजा का अवैध परिवहन करते गिरफ्तार किया गया था।

श्रद्धा से मनाया गया गुरु तेग बहादुर महाराज का शहीदी पर्व

» गुरु तेग बहादुर ने बलिदान दे दिया, औरंगजेब के सामने नही झुकाया सिर : भोगल

दबंग दुनिया ♦ बिलासपुर

गुरु तेग बहादुर उच्चतर माध्यमिक शाला में शुक्रवार को सिखों के नवें गुरु , गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर गुरु जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इसके पश्चात ज्ञानी जी ने पाठ कर अरदास की। स्कूल शिक्षण समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह भोगल ने गुरु जी की शहादत और जीवन वृत से जुड़ी प्रेरक जानकारी दी, उन्होंने बताया कि मुगल आक्रांताओं से लोहा लेने के लिये सिखों के नौवे गुरु , गुरु तेग बहादुर ने 6 दिसबर 1675 को अपना बलिदान दिया था। दिल्ली के मुगल आक्रांता औरंग जेब ने इस्लाम धर्म कबूल न करने पर गुरु तेग बहादुर का शीश कटवा दिया था। उन्होंने बताया कि गुरु जी के नाम पर शैक्षणिक संस्था का संचालन सिख समाज कर रहा है। श्री भोगल ने बताया कि गुरु जी का अध्यात्म और संस्कृति के प्रति समर्पण दुनिया के लिये एक अनुपम उदाहरण है। गुरु जी ने शहादत के माध्यम से समाज को संदेश दिया कि प्रतिकूल परिस्थितियों में व्यक्ति को पूरे धैर्य और साहस के साथ अनुकूल समय का इंतजार करना चाहिए। उनके अमूल्य विचार आज भी हम सभी के लिए प्रासंगिक एवं प्रेरणादायक है। इस अवसर पर बच्चों एवं स्कूल स्टॉफ में प्रसाद बांटा गया एवं गुरु जी के याद में ड्राइंग पेंसिलों का सेट वितरण किया गया। कार्यक्रम में त्रिलोचन सिंह चरण सिंह कमल सोहल गुरप्रीत सिंह मनदीप कौर निशी गुप्ता रहित शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

देर रात तक जागने वाले पुरुषों को कैंसर का खतरा

रात्रि पाली में काम करने के बाद दिन में अच्छी नींद नहीं लेने वाले पुरुष या रात में दस घंटे से अधिक सोने वाले लोग सावधान हो जाएं, क्योंकि कम और ज्यादा सोना, दोनों खतरनाक है। वैज्ञानिकों ने एक नए शोध में दावा किया है कि कम या ज्यादा सोने से पुरुषों को कैंसर का खतरा अधिक रहता है।

चीन के हुआ झोंग विज्ञान एवं तकनीक विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस शोध में 27 हजार से अधिक सेवानिवृत कर्मचारियों का साक्षात्कार कर आंकड़े जुटाए और उसकी समीक्षा कर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि असंतुलित नींद से पुरुषों को कैंसर होने का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है।

तीन आदतों का अध्ययन

इस शोध में अनुसंधानकर्ताओं ने सोने की तीन आदतों और कैंसर होने के खतरे के बीच संबंध स्थापित किया। इसमें रात्रि पाली में काम करना, दिन में नहीं सोना और रात में दस घंटे से अधिक सोने के कारण कैंसर के खतरों पर अध्ययन किया गया।

43 फीसदी बढ़ता है खतरा

इस शोध में अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सोने की इन तीन आदतों में जिन पुरुषों को दो आदते हैं, उनमें कैंसर का खतरा 43 फीसदी तक बढ़ जाता है। रात्रि पाली में काम करने वाले पुरुष 27 फीसदी अधिक शिकार होते हैं। जो पुरुष दिन में आधे घंटे सोते हैं, उनके मुकाबले दिन में नहीं सोने वाले लोगों को कैंसर को दोगुना खतरा रहता है। वहीं दस घंटे से ज्यादा सोने वाले लोगों को भी कैंसर हो सकता है। हालांकि इस शोध में सोने की इन तीनों आदतों से महिलाओं को कैंसर होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

हार्ट ब्लॉकेज की समस्या को कम करते हैं घरेलू उपाए

आज हमारा रहन-सहन पहले की तुलना में काफी बदल गया है। पहले अधिकतर लोग हाथ से काम किया करते थे, लेकिन मशीनीकरण के इस युग ने हमारे हर काम को आसान कर दिया। शारीरिक व्यायाम नहीं हो पाने के कारण आज अधिकतर लोग कई बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी दिल से संबंधित बीमारियां है, जैसे उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, स्ट्रोक, हार्ट अटैक और कोलेस्टॉल का बढ़ना है। लेकिन इसे दूर करने के लिए हमारे पास घर में ही नित्य प्रयोग में आने वाली कुछ चीजें ऐसी हैं, जिनका सेवन यदि बढ़ा दिया जाए तो दिल को सेहतमंद किया जा सकता है।

इसलिए होती है दिल की बीमारी

घरेलू नुस्खा जानने से पहले ये जरूर जान लें कि दिल से संबंधित बीमारी क्यों होती है। दरअसल अनियमित दिनचर्या, वसायुक्त ज्यादा भोजन खाने और नियमित व्यायाम नहीं करने के कारण हमारी रक्त धमनियों में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ जाता है। शरीर में जब कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ता है तो रक्त का परिवहन प्रभावित होता है। दिल को रक्त पहुंचाने वाली धमनियां ज्यादा कोलेस्ट्रॉल के कारण सिकुड़ने लगती हैं तो दिल पर ज्यादा दबाव आने लगता है और अंततः दिल का दौरा पड़ने जैसी बीमारी हो जाती है।

घरेलू नुस्खों को अपना रखें ख्याल

दिल को सेहतमंद रखने के लिए एक अचूक औषधि घर पर ही बनाई जा सकती है। इसके लिए आपको सिर्फ पांच चीजों की आवश्यकता होगी। ये पांच चीजें भी आपको आसानी से उपलब्ध भी हो जाएंगी। ये हैं - लहसुन, अदरक, नींबू, एपल विनेगर और शहद।

ऐसे तैयार करें औषधि

लहसुन, अदरक, नींबू का एक-एक कप शुद्ध रस निकाल लें। ध्यान रहे कि इसमें एक बूंद भी पानी न मिलाएं।

इस तरह तीन कप तैयार इस मिश्रण में एक कप शुद्ध एपल विनेगर भी मिला दें। अब आपके पास कुल चार कप मिश्रण तैयार हो चुका है। इस मिश्रण को तब तक उबालते रहें, जब तक कि ये वाष्पित होकर वापस तीन कप नहीं हो जाए। इसके बाद इसे ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडा और गाढ़ा हो जाए तो इसमें तीन कप शुद्ध शहद मिलाकर एक कांच की बोतल में भरकर रख दें और सुबह-शाम दो-दो चम्मच गर्म पानी में मिलाकर पीएं। यह औषधि दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर कर देती है। साथ ही कोलेस्ट्रॉल भी कम कर देती है। ब्लॉकिज भी दूर हो जाते हैं।

हर चीज दिल के लिए फायदेमंद

लहसुनः लहसुन में एंटीबैक्टीरियल और एंटी ऑक्सिडेंट तत्व होते हैं जो ब्लड प्रेशर को संतुलित करते हैं। कहते हैं एक लहसुन की कली रोज कच्चा खाने से दिल की बीमारी कभी नहीं होती

अदरकः अदरक में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम के तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में सभी जरूरतों को पूरा करते है, अदरक शरीर में खून जमने से रोकता है। मिनेस्टा यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने यह पता लगाया है कि अदरक खाने से कॉलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है।

नींबूः नींबू में विटामिन-सी काफी मात्रा में पाया जाता है जो रक्तचाप को कम करने में सहायक होता है। इसके अलावा कॉलेस्ट्रॉल कम करने में भी सहायक होता है।

शहदः शहद में विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्निशियम तत्व मौजूद होते हैं। शहद हार्ट के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से कॉलेस्ट्रॉल भी कम होता है।

घुटने के दर्द को हल्के में न लें नहीं तो हो सकता है गठिया

घुटने के दर्द को आप अक्सर महसूस करते होंगे। सुबह शरीर अकड़ता होगा। झुकने और बैठने में परेशानी होती होगी। इसे हल्के में न लें। यह गठिया की शुरुआत हो सकती है। दरअसल, रुमेटाइड आर्थराइटिस अब आम बीमारी हो गई है। गठिया का यह प्रकार महिलाओं में ज्यादातर देखा जा रहा है। इसके रोगियों में ऑटोइम्यून थायराइड रोग की व्यापकता होती है।

घुटने का गठिया मुख्य रूप से अपक्षयी (डिजनरेटिव) परिवर्तन के कारण होता है, लेकिन कभी-कभी यह अधिक वजन, कूल्हे की नेक्रोसिस (टेढ़ापन), घुटने में चोट लगने से भी हो जाता है। हाइपोथायराइडिज्म जैसी परिस्थिति में वजन वृद्धि की समस्या रहती है, इसलिए ये भी घुटने पर भी असर डालती हैं। इसके रोगियों में उपचार के पहले वर्ष के दौरान ऑटोइम्यून थायराइड रोग बढ़ता दिखाई देता है। वास्तव में, जीवन-शैली की बीमारियों के अलावा गर्भावस्था और स्तनपान के समय महिलाओं के शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है, जो न मिलने पर उनकी हड्डियां प्रभावित हो सकती हैं। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर महिलाओं को गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान हड्डियों की समस्या का अनुभव नहीं होता और अगर उस दौरान उनकी हड्डियां प्रभावित होती हैं, तो समस्या अक्सर आसानी से ठीक हो जाती है। फिर भी मां और उसके बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य के लिए गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान महिला को हड्डियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैसे करें पहचानः इसमें लगातार घुटने में दर्द, सुबह की अकड़न, कड़कड़ाहट, झुकने और बैठने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

शक्ति और लचीलेपन में सुधारः हालांकि खेल के दौरान कोलेटरल लिगामेंट इंजरी अक्सर होती है और इससे बचना मुश्किल होता है, लेकिन कई ऐसे कदम हैं, जिनसे आप अपने घुटनों की संपूर्ण शक्ति और लचीलेपन में सुधार कर सकती हैं। मसलन, अपने वजन को नियंत्रित करें। साथ ही व्यायाम करने से पहले स्ट्रेचिंग आपके वार्म-अप का नियमित हिस्सा होना चाहिए। हालांकि इसमें अधिक स्ट्रेचिंग न करें। स्ट्रेच करते समय कभी भी हाथों से पैर पर जोर से धक्का न दें और वार्म-अप के दौरान बैठने से बचें। इसके साथ ही गद्देदार और फिट एथलेटिक जूते घुटनों पर पड़ रहे भार के प्रभाव को कम कर देते हैं।

स्वास्थ्य और सौंदर्य का खजाना शहद

शहद केवल स्वाद से ही भरपूर नहीं है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। ऐसे में जरूरी है कि शहद के फायदे, उसके इस्तेमाल के तरीके आदि के बारे में जाना जाए।

पाचन संबंधी परेशानी : शहद गैस, कब्ज, सूजन आदि पाचन से जुड़ी परेशानियों को कम करने में सहायक होता है। इसमें प्रोबायोटिक होता है, जो पाचन को दुरुस्त करता है, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और एलर्जी के खतरे को कम करता है।

रक्त बढ़ाए : अगर गुनगुने पानी में शहद मिला कर पिएं, तो यह हमारे शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) पर काफी अच्छा प्रभाव डालता है। इससे रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है, जिससे आयरन की कमी का खतरा कम होता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स : शहद में न्यूट्रास्यूटिकल्स शामिल हैं। इनसे हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यहां तक कि शहद का सेवन करने से दिल की बीमारी और कैंसर जैसे कई घातक रोगों का भी खतरा कम हो जाता है।

त्वचा के लिए बेहतर : दूध और शहद दोनों में ऐसे इंग्रेडिएंट्स होते हैं, जो सुन्दर और चिकनी त्वचा पाने में मदद करते हैं। इसलिए दूध और शहद का एक साथ सेवन करना त्वचा की कांति बनाए रखने के लिए फायदेमंद होता है।

घाव ठीक करने में सहायक : इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण हैं। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि शहद घाव के उपचार के लिए लाभदायक होता है।

दिल का टॉनिक : शहद दिल को स्वस्थ रखने में कारगर है। इसके लिए स्वस्थ व्यक्ति को पांच से 10 ग्राम शहद प्रतिदिन खाना चाहिए। यह वजन घटाने में भी सहायक होता है, क्योंकि यह चयापचय दर को बढ़ाता है।

फायदेमंद है किशमिश का पानी

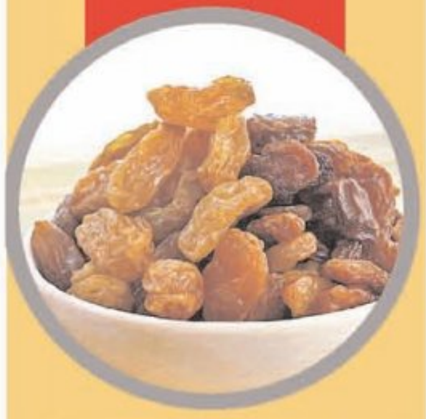

ये तो हम सभी जानते हैं कि किशमिश हमारे लिए सेहतमंद है, पर क्या आपको पता है कि रोज सुबह किशमिश का पानी पीने के भी बहुत से फायदे हैं। किशमिश के पानी में ढेर सारे विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। इसका नियमित सेवन करने से शरीर से टॉक्सिन बाहर निकलता है। इस पानी को कम से कम एक हफ्ते तक नियमित पीने से आपके दिल की बीमारी तो दूर होगी साथ ही साथ आपका लिवर भी साफ रहेगा और उसके काम करने की क्षमता भी बढ़ोत्तरी होगी। सबसे पहले ये जानते हैं कि किशमिश का पानी बनता कैसे है?

सामग्रीः 2 कप पानी, 150 ग्राम किशमिश

तैयार करने की प्रक्रियाः एक पैन में 1 गिलास पानी उबालें और उसमें मुठ्ठीभर किशमिश भिगो कर रातभर के लिए रख दें। दूसरे दिन सुबह इस पानी को छानकर गैस की धीमी आंच पर हल्का गरम कर लें। इस पानी को सुबह खाली पेट पियें और 30-35 मिनट रूक कर ब्रेकफास्ट खाएं।

फायदेः नियमित तौर पर किशमिश का पानी पीने से शरीर से गंदगी बाहर निकल जाती है और खून साफ बना रहता है। इसके सेवन से लिवर की कार्य क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। इस पानी को एक हफ्ते तक पीने से ब्लड सर्कुलेशन यानी रक्त प्रवाह काफी अच्छा होता रहता है। किशमिश के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर एनीमिया से ग्रसित नहीं होता। इसमें आयरन और कॉपर पाया जाता है। किशमिश के पानी में ऐसे विटामिन्स होते हैं, जो रेड ब्लड सेल्स को भी बढ़ाते हैं। इस पानी के नियमित सेवन से दिल की बीमारियां कोसों दूर रहती हैं। यह खून की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है।

सफेद बालों से पाएं निजात, अपनाएं प्राकृतिक उपाए

बालों का 40 साल की उम्र के बाद सफेद होना स्वाभाविक है, लेकिन अगर 20 या 30 साल में ही ये सफेद होने लगें, तो चिंताजनक है। आम तौर पर ऐसा तब होता है, जब शरीर में बालों को काला रखने के लिए जिम्मेदार तत्व मेलनिन का उत्पादन कम हो जाता है। पोषण की कमी और आनुवंशिक कारणों के चलते भी कई बार ऐसा होता है, लेकिन तंबाकू का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान और भावनात्मक तनाव भी इसका कारण हो सकता है।

आंवला

यह प्राकृतिक एस्ट्रिजेंट है, जो बालों का प्राकृतिक काला रंग बनाए रखने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीकाः आंवले को मसल कर उसकी गुठली निकाल दें। अब इसका पेस्ट बनाएं और सिर पर लगा लें। इसके बाद इससे बालों की जड़ों पर मालिश करें।

नारियल तेल-नींबू रस

यह सिर की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाता है। इस तेल में बायोटीन, नमी और दूसरे तत्व होते हैं, जो बालों को सफेद होने से रोकते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं।

इस्तेमाल का तरीकाः इसमें दो भाग नारियल का तेल और एक भाग नीबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण से सिर और बालों की मालिश करें।

करी पत्ता

यह बालों की जड़ों की मजबूती बढ़ाता है और बालों को जरूरी पोषक तत्व देता है।

इस्तेमाल का तरीकाः करी पत्ते को नारियल के तेल में डाल कर चटखने तक गर्म करें। इसके बाद इसे छान लें और इससे बालों की मालिश करें। करीब 30-45 मिनट बाद सिर धो लें। यह प्रक्रिया हफ्ते में दो बार अपनाएं।

चाय या कॉफी

ये बालों का प्राकृतिक रंग बनाए रखने में मदद करते हैं।

इस्तेमाल का तरीकाः पानी में चाय की पत्ती या कॉफी पाउडर डाल कर उसे 10 मिनट तक उबालें। बालों का रंग काला बनाए रखने के लिए चाय की पत्ती का प्रयोग कर लें और भूरा बनाए रखने के लिए कॉफी पाउडर का प्रयोग करें।

काला तिल

यह भी सफेद बालों को काला बनाने में काफी मददगार है।

तरीकाः हर रोज खाली पेट कच्चे तिल के बीजों को पानी के साथ खाना फायदेमंद होगा।

काला गुड़

यह भी बालों को सफेद होने से बचाता है। इसमें भरपूर मात्रा में तांबा होता है, जो हेयर पिगमेंट के निर्माण में सहायक होता है।

तरीकाः रोज सुबह एक चम्मच काला गुड़ खाएं। कुछ महीनों तक लगातार ऐसा करने पर सकारात्मक नतीजे मिलेंगे।

प्याज का पेस्ट

इससे बालों को पोषण मिलता है।

इस्तेमाल का तरीकाः बालों पर प्याज का पेस्ट लगा लें। इसे एक घंटे बाद धो डालें। ऐसा करने से भी सफेद बाल काले हो जाएंगे।

मेहंदी और तेजपत्ता

ये दोनों ही वनस्पतियां बालों के रंग को गहरा करती है।

इस्तेमाल का तरीकाः आधा कप सूखी मेहंदी और तेजपत्ते में दो कप पानी मिला कर उबालें। इस मिश्रण को कुछ देर तक रखा रहने दें। अब इसे छान लें और बालों को शैंपू से धोने के बाद उन पर इसे अच्छी तरह लगा दें। 15-20 मिनट के बाद दोबारा बाल धो लें। हर हफ्ते ऐसा करें।

चौलाई

यह भी बालों का काला रंग वापस लाने में मदद करती है और साथ ही बालों के विकास में भी मदद करती है।

इस्तेमाल का तरीकाः चौलाई की पत्तियों को पीस लें और इसका पेस्ट अपने सिर पर लगा लें।

Scanned with OKEN Scanner

एसबीआई कार्ड ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का आंकड़ा पार किया

एजेंसी, नई दिल्ली। एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि देश भर में अभिनव समाधान प्रदान करने और ग्राहकों के अनुभवों को बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के क्रेडिट कार्ड परिदृश्य को बदलने में एसबीआई कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका और 'डिजिटल इंडिया की करेंसी के अपने वादे को भी रेखांकित करती है।

1998 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई कार्ड ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक उत्पादों को डिजाइन करने में अग्रणी रहा है। खासे विचार विमर्श के बाद जारी कोर कार्डों से लेकर प्रीमियम ब्रांडों के साथ को-ब्रांडेड साझेदारियों तक, रिवार्ड्स-संचालित और जीवनशैली-केंद्रित आफरों तक, एसबीआई कार्ड ने लगातार भारतीय क्रेडिट कार्ड उद्योग में ग्राहक-केंद्रित नवाचार के लिए नए मानदंड स्थापित किए हैं और बाजार में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। एसबीआई कार्ड ने वित्त वर्ष 19 और वित्त वर्ष 24 के बीच कार्ड्स-इन-फोर्स में लगभग 25% CAGR और स्पेंड्स में 26% CAGR की मजबूत वृद्धि देखी है।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा: एसबीआई कार्ड ब्रांड 'लाइफ को आसान बनाएं' के मूल्यवान सिद्धांत पर आधारित है। 2 करोड़ कार्ड जारी करने का आंकड़ा पार करना हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर रखे गए विश्वास और आत्मविश्वास का प्रमाण है। यह नवाचार, बेहतर ग्राहक सेवा और हर भारतीय को सुविधाजनक, सुरक्षित और रिवार्ड्स देने वाले भुगतान समाधानों के साथ सशक्त बनाने के दृष्टिकोण पर हमारे अथक ध्यान को दर्शाता है। हम अपने बढ़ते ग्राहक आधार को अद्वितीय मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हम उनकी विकसित आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखते हैं।

एसबीआई कार्ड के पास आज भारत भर में चारों तरफ एक मजबूत ग्राहक अधिग्रहण नेटवर्क है, जिसमें BANCA और ओपन मार्केट शामिल है। एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्डों का एक विविध पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें विशेष AURUM, एक सुपर-प्रीमियम कार्ड, और प्रीमियम सेगमेंट के लिए सुविधा संपन्न एसबीआई कार्ड एलीट शामिल है। कैशबैक एसबीआई कार्ड, सिंपलीक्लिक एसबीआई कार्ड, सिंपलीसेव एसबीआई कार्ड और एसबीआई कार्ड प्लस जैसे क्रेडिट कार्ड विभिन्न ग्राहक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तयशुदा लाभ प्रदान करते हैं। एसबीआई कार्ड को-ब्रांडेड ट्रैवल कार्ड प्रदान करता है जैसे, क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड, एयर इंडिया सिग्नेचर एसबीआई कार्ड, बीपीसीएल एसबीआई कार्ड और आईआरसीटीसी एसबीआई कार्ड जो विश्व भ्रमण करने वालों और यात्रा करने वालों की जरुरतों को पूरा करता है। इसके साथ ही, रिटेल-केंद्रित क्रेडिट कार्ड, जिसमें टाइटन एसबीआई कार्ड और रिलायंस एसबीआई कार्ड शामिल हैं जो लाइफस्टाइल खर्च को मूल्यवान बनाते हैं। आज, एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्ड देश के सभी प्रमुख भुगतान नेटवर्क पर उपलब्ध हैं। इन वर्षों में, एसबीआई कार्ड ने निर्बाध डिजिटल ऑनबोर्डिंग, उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और मजबूत रिवार्ड्स कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रौद्योगिकी का भी उपयोग किया है, जिससे यह आज लगभग 2 करोड़ भारतीय ग्राहकों के लिए पसंदीदा विकल्प बन गया है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी कई हफ्ते की गिरावट के बाद आई उछाल

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से बढ़ोतरी शुरू हो गई है, इसके साथ ही लगातार आठ हफ्ते की गिरावट पर लगाम भी लग गई है, जो कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गया है।

29 नवंबर को समाप्त सप्ताह में, विदेशी मुद्रा भंडार 1.510 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 658.091 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जैसा कि इस सप्ताह की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चला।

सबसे उचे स्तर को छूने बाद शुरू हुई थी गिरावट

सितंबर में 704.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद से भंडार में गिरावट आ रही थी। रुपये के तेज अवमूल्यन को रोकने के उद्देश्य से आरबीआई के हस्तक्षेप के कारण भंडार में गिरावट आ रही है। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार बफर घरेलू आर्थिक गतिविधियों को वैश्विक झटकों से बचाने में मदद करता है। आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि भारत की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए), जो विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है, 568.852 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में स्वर्ण भंडार 66.979 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

वहीं, अनुमान बताते हैं कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब अनुमानित आयात के लगभग एक वर्ष को कवर करने के लिए पर्याप्त है। 2023 में, भारत ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 बिलियन अमेरिकी डॉलर जोड़े, जबकि 2022 में इसमें 71 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संचयी गिरावट आई। विदेशी मुद्रा भंडार या एफएक्स भंडार, किसी देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण की तरफ से रखी गई संपत्तियां हैं, जो मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर जैसी आरक्षित मुद्राओं में होती हैं, जिनका छोटा हिस्सा यूरो, जापानी येन और पाउंड स्टर्लिंग में होता है।

भारतीय रुपया सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक

आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजारों पर बारीकी से नजर रखता है, केवल व्यवस्थित बाजार स्थितियों को बनाए रखने और रुपये की विनिमय दर में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए हस्तक्षेप करता है, बिना किसी निश्चित लक्ष्य स्तर या सीमा का पालन किए। आरबीआई अक्सर रुपये के मूल्यह्रास को रोकने के लिए डॉलर बेचने समेत तरलता का प्रबंधन करके हस्तक्षेप करता है। एक दशक पहले, भारतीय रुपया एशिया की सबसे अस्थिर मुद्राओं में से एक था। तब से, यह सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक बन गया है। आरबीआई ने रणनीतिक रूप से रुपया मजबूत होने पर डॉलर खरीदे हैं और कमजोर होने पर बेचे हैं, जिससे निवेशकों के लिए भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है।

मध्य प्रदेश की अपनी क्रिकेट टीम स्पोर्ट्र्समिंट एमपी टाइगर्स

एजेंसी, इंदौर। रैडिसन होटल, इंदौर में, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। सूरत में 12 दिसंबर से शुरू होने वाले बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) में एमपी टाइगर्स टीम ने क्रिकेट जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। स्पोर्ट्र्समिंट के स्वामित्व वाली एमपी टाइगर्स टीम का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। इस क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एमपी टाइगर्स ने बीसीएल में भाग लेने का फैसला किया है।

बीसीएल एक अनूठा टूर्नामेंट है जो पेशेवर, युवा, मेहनती मौके की तलाश कर रहे क्रिकेटरों को खेलने का मौका देता है। एमपी टाइगर्स ने अपने स्क्वाड में 10 महत्वाकांक्षी और 8 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया है। इन खिलाड़ियों का चयन पूरे भारत में आयोजित हुए कई शिविरों के माध्यम से किया गया है।

एमपी टाइगर्स का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के विकास के लिए काम करना है। टीम 2025 में इन दोनों राज्यों में ट्रायल आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को बीसीएल में खेलने का मौका मिल सके। एमपी टाइगर्स का विजन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें भारतीय क्रिकेट में अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करना है। टीम का मानना है कि बीसीएल इस क्षेत्र के क्रिकेट के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष -आर पी सिंह, ने कहा मैं एमपी टाइगर्स के बीसीएल में शामिल होने पर बेहद उत्साहित हूं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे क्रिकेट के गढ़ से एक नई टीम का आगमन हमारे लीग को और मजबूत बनाएगा। एमपी टाइगर्स की युवा प्रतिभाएं बीसीएल को एक नई ऊर्जा देंगी। हम उम्मीद करते हैं कि यह टीम मध्य भारत के क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व का विषय बनेगी। बीसीएल का लक्ष्य भारत में घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा देना है और एमपी टाइगर्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करेंगे।

राहुल भदौरिया प्रमोटर, एमपी टाइगर्स ने कहा - आज हम सभी के लिए एक गौरव का क्षण है। एमपी टाइगर्स का जन्म मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सपने के रूप में हुआ था।

आज यह सपना साकार हो रहा है। हमने इस टीम को बनाने में बहुत मेहनत की है। हम उम्मीद करते हैं कि एमपी टाइगर्स बीसीएल में एक मजबूत दावेदार साबित होगी। हम मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और एमपी टाइगर्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष -आर पी सिंह, मप्र के प्रतिष्ठित खिलाड़ी नमन ओझा, भारतीय क्रिकेट के महत्वपूर्ण स्तम्भ - संजय जगदाले, एमपी टाइगर्स के प्रमोटर - राहुल भदौरिया, मप्र के रणजी आइकन जतिन सरसेना एवं प्रसिद्ध टी वी एंकर सुश्री शैफाली बग्गा मौजूद थे। लांच अवसर पर एमपी टाइगर्स टीम की घोषणा की गई जिसमें [खिलाड़ियों के नाम] शामिल हैं।

अमेजन पे गिफ्ट कार्ड्स के साथ उपहार संस्कृति का एक दशक खुशी और उत्सव के साथ मनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली। ग्राहकों को उपहार देने की सुविधा और विविधता के साथ एकदशक की खुशी मनाने के अवसर पर, अमेजन पे ने घोषणा की कि उसने भारतीयग्राहकों को एक बिलियन से अधिक गिफ्ट कार्ड्स सफलतापूर्वक वितरित किए हैं, जोभारतीय गिफ्ट कार्ड बाजार में इन कार्ड्स की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। पाइनलैब्स द्वारा क्विक सिल्वर ब्रांड नाम के तहत और अमेजन पे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड(अमेजन पे) के ब्रांड के साथ जारी किए गए इन गिफ्ट कार्ड्स की शुरुआत आर्थिक वर्ष2014 में हुई थी। तब से, अमेजन पे गिफ्ट कार्ड्स ने लगातार ग्राहकों को मूल्य प्रदानकिया है और साल दर साल दो अंकों की वृद्धि दिखायी है।

अमेजन पे अब गिफ्ट कार्ड्स के एक विस्तृत विकल्प की पेशकश करता है, जिसमेंअमेजन शॉपिंग वाउचर्स, अमेजन फ्रेश वाउचर्स, अमेजन प्राइम वाउचर्स और नएअमेजन गोल्ड वाउचर्स शामिल हैं, जो सभी ग्राहकों को उनके उपहार विकल्पों मेंअधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये पेशकशें विभिन्नप्रकार की प्राथमिकताओं को पूरा करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर किसी केलिए कुछ न कुछ है।

भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए, जो 400 मिलियन से अधिक गेमर्स तक फैला हुआ है (स्रोत: इन्वेस्ट इंडिया), अमेजन पे नेलोकप्रिय प्लेटफार्मों जैसे कि एप्पल एप्प स्टोर, वैलोरंट, यूनिपिन, स्टिम और प्लेस्टेशन के लिए गेमिंग गिफ्ट कार्ड्स पेश किए हैं। इन नए गिफ्ट कार्ड्स ने तेजी सेलोकप्रियता हासिल की है, जिसके परिणामस्वरूप अमेजन पे के मौजूदा गिफ्ट कार्डबेस की तुलना में मासिक बिक्री में 10x की वृद्धि हुई है।

नेहा गुप्ता महात्मे, डायरेक्टर - स्टोर्ड वैल्यू और गिफ्टिंग, अमेजन पे ने इस अवसर परकहा, हम अपने ग्राहकों के आभारी हैं जिन्होंने पिछले दशक में अमेजन पे गिफ्टकार्ड्स को एक विश्वसनीय और पसंदीदा विकल्प बनाया। एक बिलियन से अधिकगिफ्ट कार्ड्स वितरित किए गए हैं, और लाखों ग्राहकों ने सरल और सार्थक तरीके सेउपहार देने की खुशी साझा की है। 2024 के अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरानगिफ्ट कार्ड्स की खरीदारी में 40x की वृद्धि हमारे ग्राहकों द्वारा दिखाए गए बढ़तेविश्वास और स्नेह को दर्शाती है। इस मील के पत्थर का जश्न मनाते हुए, हम अपनेग्राहकों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को सही तरीके से पूरा करने के लिए गिफ्टिंगसमाधान में निरंतर सुधार और वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे।

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एक लाख करोड़ डॉलर के पार

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 के दौरान एक लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया है। इससे वैश्विक स्तर पर एक सुरक्षित और प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मान्यता मिलती है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के मुताबिक, करीब साढ़े चार साल की इस अवधि में इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी सहित एफडीआई की कुल राशि 1.03 लाख करोड़ डॉलर रही। इसमें से करीब 25 फीसदी यानी 177.18 अरब डॉलर का एफडीआई मॉरीशस मार्ग से आया।

सिंगापुर की हिस्सेदारी 24 फीसदी (167.47 अरब डॉलर), अमेरिका की 10 फीसदी (67.8 अरब डॉलर), नीदरलैंड की सात फीसदी, जापान की छह फीसदी, ब्रिटेन की पांच फीसदी और संयुक्त अरब अमीरात की तीन फीसदी रही।

ज्यादातर निवेश इन क्षेत्रों में

अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 के बीच ज्यादातर एफडीआई सेवा क्षेत्र, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर, दूरसंचार, व्यापार, निर्माण विकास, ऑटोमोबाइल, रसायन और दवा क्षेत्र में आया।

10 साल में 119 फीसदी बढ़ा एफडीआई प्रवाह

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, 2014 से 2024 के बीच भारत ने 667.4 अरब डॉलर का कुल एफडीआई प्रवाह आकर्षित किया है। यह पिछले दशक (2004-14) की तुलना में 119 फीसदी अधिक है। एक अधिकारी ने बताया, 2014-24 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 2004-14 की तुलना में 69 फीसदी बढ़कर 165.1 अरब डॉलर पहुंच गया।

यूपीआई लेनदेन-ओपन बैंकिंग से कर्ज तक लोगों की पहुंच हुई आसान

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से कर्ज तक लोगों की पहुंच को आसान बनाया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) व इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) प्रोफेसरों की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक विशेष रूप से वंचित उधारकर्ताओं के लिए यह खासा उपयोगी साबित हुआ है। 2016 में शुरू होने के बाद से यूपीआई ने लाखों लोगों के लिए डिजिटल लेनदेन की सुविधा उपलब्ध कराई है। को-ओपन बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट्स एप्लीकेशन फॉर क्रेडिट एक्सेस के अध्ययन के मुताबिक कोई क्रेडिट इतिहास नहीं रखने वाले उधारकर्ताओं को भी ऋण सुविधा में मदद की है। 30 करोड़ लोग और 5 करोड़ व्यापारी निर्बाध डिजिटल लेनदेन करने में सक्षम हो गए हैं। यूपीआई लेनदेन में 10 फीसदी की वृद्धि से ऋण उपलब्धता में 7 फीसदी वृद्धि हुई। यह दर्शाता है कि कैसे डिजिटल फाइनेंस ने ऋणदाताओं को उधारकर्ताओं का बेहतर मूल्यांकन करने में सक्षम बनाया। रिपोर्ट के मुताबिक अक्तूबर 2023 तक भारत में सभी खुदरा

डिजिटल भुगतानों में 75 फीसदी यूपीआई के माध्यम से हो रहे हैं। नए ऋण लेने वालों को दिए गए ऋण में 4 फीसदी की वृद्धि हुई।

कर्ज देने वाली फिनटेक कंपनियों का भी आकार बढ़ा

रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई का लाभ उठाते हुए कर्ज देने वाली फिनटेक कंपनियों ने तेजी से अपना आकार बढ़ाया। इनकी ऋण की मात्रा में 77 गुना वृद्धि हुई। यह पारंपरिक बैंकों से कहीं आगे है। अध्ययन में कहा गया है कि डिजिटल प्रौद्योगिकी की सामर्थ्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से यूपीआई को व्यापक रूप से अपनाया जा सका।

कर्ज बढ़े पर डिफॉल्ट दर नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक कर्ज का आकार बढ़ने के साथ साथ इसकी अदायगी दर भी बढ़ी है। आसान भुगतान प्रणाली होने के चलते कर्ज लेने वाले समय पर इसे वापस कर रहे हैं। जिसके चलते डिफॉल्ट दर में वृद्धि नहीं हुई।

दुनिया ने माना यूपीआई का लोहा

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि यूपीआई का लोहा दुनिया के कई देशों ने भी माना है। यूपीआई के साथ भारत की सफलता अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल पेश करती है। यह दिखाता है कि कैसे सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे को खुली बैंकिंग नीतियों के साथ जोड़कर वित्तीय बहिष्कार को कम किया जा सकता है। यूपीआई नवाचार के साथ-साथ समान आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है।

इंडियन ऑयल ने जेल के कैदियों व सुधार गृहों के लिए अपनी अग्रणी पहल का विस्तार किया

एजेंसी, मुंबई। जेल के कैदियों और सुधार गृहों में रहने वाले बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास में, इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्री ए एस साहनी ने इंडियन ऑयल के 'परिवर्तन - प्रिजन टू प्राइड' के चरण नवें और 'नई दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' के चरण छठवें चरण का शुभारंभ किया। इस चरण में, इंडियन ऑयल 28 जेलों और 14 सुधार गृहों में 1650 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करेगा।

अद्वितीय सामाजिक प्रबंधन कार्यक्रमों के नौवें चरण का उद्घाटन करते हुए, अध्यक्ष ने साझा किया कि उन्हें इस बात पर बेहद गर्व है कि इंडियन ऑयल कैदियों को दूसरा मौका दे रहा है और खेल के रूप में उन्हें उद्देश्य दे रहा है। उन्होंने कहा, फ्पिछले 38 महीनों में ये कार्यक्रम 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 150 स्थानों तक पहुँच चुके हैं। 7,300 से ज्यादा लोगों के जीवन पर इसका असर पड़ा है और ये प्रयास इंडियनऑयल के 'राष्ट्र पहले' के सिद्धांत के अनुरूप हैं, जो व्यापार से परे जाकर सबसे कमज़ोर लोगों की मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय जेलों में अन्य कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री साहनी ने कहा, इन सराहनीय पहलों के अलावा, हम अपनी उम्मीद-ए-होप परियोजना के ज़रिए भी लोगों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। राज्य जेल विभागों के सहयोग से, हमने मौजूदा और पूर्व कैदियों द्वारा संचालित ईंधन स्टेशन स्थापित किए हैं। इसके अलावा, पिछले साल नई दिल्ली में इंडियनऑयल के ईंधन स्टेशन पर पहले तिहाड़ जेल स्टोर (टीजे) का उद्घाटन हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस अवसर पर, भाग लेने वाले राज्य सरकार के अधिकारियों और जेल अधिकारियों ने इस अनूठे हस्तक्षेप के लिए इंडियनऑयल को धन्यवाद दिया, जो सुधार गृहों में कैदियों और बच्चों को बेहतर जीवन जीने और समाज में उपयोगी योगदान देने में मदद करेगा। परिवर्तन - जेल से गौरव तक, जिसे 15 अगस्त, 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत के स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समारोह के साथ लॉन्च किया गया था। निगम ने 26 जनवरी, 2023 को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का पहला चरण भी लॉन्च किया था। आज के लॉन्च के साथ, यह पहल अब दस खेलों के माध्यम से 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 192 स्थानों पर सुधार गृहों में 8950 से अधिक कैदियों और बच्चों को सशक्त बनाती है। यह पहल न केवल कोचिंग की सुविधा प्रदान करती है, बल्कि प्रतिभागियों के लिए उपकरण और किट भी प्रदान करती है।

यह उल्लेखनीय है कि इंडियनऑयल के इन प्रमुख आउटरीच कार्यक्रमों ने अपने सामाजिक प्रभाव के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त की है। 2024 में, भोपाल सुधार गृह के कैदियों ने FIDE द्वारा आयोजित चौथे इंटरकॉन्टिनेंटल ऑनलाइन शतरंज में स्वर्ण और एलुरु सुधार गृह के कैदियों ने कांस्य पदक जीता। इस पहल को सामाजिक भलाई के लिए खेलों के लिए स्पोर्टस्टार एसेस चेयरपर्सन अवार्ड 2023 और विचार नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक स्टीवी अवार्ड भी मिला है। हाल ही में, इंडियन ऑयल को विश्व शतरंज महासंघ द्वारा शतरंज फॉर फ्रीडम कॉन्फ्रेंस में जेल में शतरंज कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए संगठन श्रेणी के तहत शतरंज फॉर फ्रीडम अवार्ड से सम्मानित किया गया। ये उपलब्धियाँ हमारे परिवर्तन और नई दिशा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का प्रमाण हैं, जो जेल में बंद व्यक्तियों की क्षमता का दोहन करने और इसे उत्पादक रास्तों की ओर ले जाने में कारगर हैं।

Scanned with OKEN Scanner

Sports News

भारतीय सेना ने पुंछ में हरिबुद्ध फुटबॉल लीग का किया आयोजन

पुंछ। उत्साही जयकारों के बीच सेरी ख्वाजा फुटबॉल ग्राउंड में हरिबुद्ध फुटबॉल लीग की शुरुआत हुई। स्थानीय युवाओं के लिए हरिबुद्ध गांव में भारतीय सेना द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में स्थानीय गांवों की 6 टीमें भाग लेंगी जो चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। फुटबॉल लीग का आयोजन 07 और 08 दिसंबर 2024 को किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन आस-पास के गांवों के बुजुर्गों और प्रमुख हस्तियों द्वारा किया गया।

इस टूर्नामेंट का उद्देश्य खेल के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और उन्हें अपराध और ड्रग्स जैसी कुप्रथाओं में शामिल होने से रोकना है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। मैचों में क्षेत्र की कई प्रभावशाली हस्तियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों और गणमान्य लोगों ने इस आयोजन के आयोजन और क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए भारतीय सेना के प्रयासों की बहुत सराहना की।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसका भारत, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में खेले गए दूधिया रोशनी में दूसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में भारत को शानदार अंदाज में हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में शीर्ष पर वापसी कर ली है। इस चक्र में अपनी नौवीं जीत के साथ, पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम ने अपने पीसीटी में सुधार करके 60.71 कर लिया और तालिका में दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों को पीछे छोड़ दिया। दूसरी ओर, भारत को 2023-25 चक्र में दसवें उलटफेर का सामना करना पड़ा और उसका पीसीटी गिरकर 57.29 पर आ गया, जिससे वह तीसरे स्थान पर खिसक गया। दक्षिण अफ्रीका इस समय श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट में मजबूत स्थिति में है और जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच सकता है।

यश मुंबई ईगल्स शीर्ष पर पहुंची; हैदराबाद स्ट्राइकर्स दूसरे स्थान पर, शीर्ष चार के लिए लड़ाई तेज

एजेंसी,मुंबई। मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में चल रहे टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में शुक्रवार को चेन्नई स्मैशर्स के खिलाफ क्लीन स्वीप करने के बाद यश मुंबई ईगल्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। क्वालीफिकेशन स्पॉट के लिए लड़ाई तेज होने के साथ, बंगाल विजार्ड्स और गुजरात पैंथर्स के बीच पहले गेम में मुकाबला हुआ। दिन की शुरुआत एकातेरिना काज़ियोनोवा और कामिला राखीमोवा के बीच रोमांचक मैच से हुई, जिसमें महिला एकल वर्ग में कामिला राखीमोवा ने 13-12 से जीत हासिल की। ??सुमित नागल ने पुरुष एकल वर्ग में निकी पूनाचा को 16-9 के स्कोर से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में, कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी की बंगाल विजार्ड्स जोड़ी ने एकातेरिना काज़ियोनोवा और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ 15-10 से जीत हासिल की। पहले मैच में श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा ने सुमित नागल और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ रोमांचक गेम में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। ??हालांकि, गुजरात पैंथर्स ने 51-49 से जीत दर्ज करके मैच जीत लिया। चेन्नई स्मैशर्स और यश मुंबई ईगल्स के बीच दिन का दूसरा मैच खेला गया। जेनेप सोनमेज़ ने महिला एकल में अपनी प्रतिद्वंद्वी कोनी पेरिन को 16-9 से हराकर यश मुंबई ईगल्स को बढ़त दिलाई। करण सिंह ने ह्यूगो गैस्टन के खिलाफ़ अपना गेम भी 14-11 के स्कोर से जीता।

मिश्रित युगल मुक़ाबला रोमांचक रहा जिसमें यश मुंबई ईगल्स ने जेनेप सोनमेज़ और जीवन नेदुनचेझियान की बदौलत गेम जीत लिया

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी,एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले गए दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 19 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने बिना कोई विकेट गंवाए आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गई है। सीरीज का पहला टेस्ट भारतीय टीम ने 295 रन से अपने नाम किया था। मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 180 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रनों की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 175 रन बनाए और 18 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह मेजबान टीम को 19 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना कोई नुकसान के जीत दर्ज कर

ली। सलामी बल्लेबाजी उस्मान ख्वाजा नौ रन और नाथन मैकस्वीनी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जाएगा।

भारतीय टीम ने रविवार को पांच विकेट पर 128 रन से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन के पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। ऋषभ पंत स्लिप में कैच आउट हो गए। पंत ने 28 रन बनाए। इसके बाद रविचन्द्रन अश्विन भी कुछ खास नहीं कर सके और सात रन बनाकर आउट हो गए। हर्षित राणा खाता भी नहीं खोल सके। नीतीश रेड्डी ने जरूर बल्ले से कुछ रन बटोरे। वह अर्धशतक से चूक गए और 47 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मोहम्मद सिराज सात रन बनाकर आउट हुए और भारत की दूसरी पारी 175 रन पर सिमट गई। इससे पहले शनिवार को दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 24 रन, केएल राहुल सात रन, शुभमन गिल 28 रन, विराट कोहली 11 रन और कप्तान रोहित शर्मा छह रन बनाकर आउट हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कप्तान पैट कमिंस ने पांच विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 337 रन बनाए, हेड का शतक, लाबुशेन ने लगाया अर्धशतक

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड ने 141 गेंदों पर 17 चौके और 4 छक्के की बदौलत 140 रन बनाए। हेड के अलावा मार्नश लाबुशेन ने भी 64 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा नाथन मेकस्विनी ने 39 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत की तरफसे मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने 4-4 और नीतीश रेड्डी और रविचन्द्रन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके।

एडिलेड टेस्ट : प्लेयर ऑफ द मैच ट्रेविस हेड ने कहा- फिर से रन बनाकर अच्छा लगा

एजेंसी,एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच में 140 रन की मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हेड ने कहा कि अपने घरेलू मैदान पर फिर से रन बनाना उनके लिए खुशी की बात थी।

हेड ने अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी और आक्रामक शॉट्स से 141 गेंदों पर आठवां टेस्ट शतक जड़ा, जिसमें 17 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने ऑस्ट्रेलिया को 152 रन की बढ़त दिलाई, जो टीम की दस विकेट से जीत में अहम साबित हुई। हेड ने कहा, रन बनाकर अच्छा लगा। पिछले हफ्ते भी मैं अच्छी फॉर्म में था और लगा कि मैं लय में हूं। हमारी टीम का ड्रेसिंग रूम बहुत

अच्छा है, सभी एकजुट हैं, भले ही बाहर से कुछ और कहा जाए। हमें पता था कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे, तो जीत की संभावना बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा, पारी के दौरान मैंने सही मौके पहचाने और अपना खेल खेला। कल रात का सेशन भी शानदार था। कप्तान पैट कमिंस मुझे पूरा भरोसा देते हैं कि मैं अपनी मर्जी से खेलूं। दूसरे नए गेंद के खिलाफ तेजी से रन बनाने का यह अच्छा मौका था। मौसम काफी गर्म था और मुझे लगा कि नई गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होगा। इसके अलावा, तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एडिलेड टेस्ट में 8 विकेट लिए, जिसमें मैच की पहली ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल का विकेट भी शामिल था। पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले स्टार्क ने कहा कि पर्थ में मिली 295 रन की हार को वहीं छोड़कर एडिलेड में नए सिरे से खेलने का निर्णय सही साबित हुआ। स्टार्क ने कहा, यह हमारे लिए अच्छा हफ्ता रहा। हमने पहले टेस्ट के बाद सुधार किया और यह जीत सकारात्मक रही। बाहर काफी बातें हो रही थीं, लेकिन हमने पर्थ को वहीं छोड़ दिया।

एडिलेड में अपने शानदार रिकॉर्ड के बारे में पूछे जाने पर स्टार्क ने कहा, इसका कोई खास कारण नहीं है। मेरी तैयारी हमेशा एक जैसी रहती है, बस यहां मैं थोड़ा फुलर लेंथ में गेंदबाजी करता हूं। पिंक बॉल सफेद गेंद की तरह बर्ताव करती है। हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आक्रामक रही, जिसका फायदा मिला। जब गेंद स्टंप्स पर लगती है तो अच्छा लगता है। उन्होंने अपनी गेंदबाजी में सुधार के बारे में कहा, मैंने गेंद को बाहर ले जाने और अंदर लाने की कला को बेहतर किया है। पहले मैं गति और स्विंग तो करता था, लेकिन कई बार रन भी लुटा देता था। वॉबल सीम अपनाने से मेरी सटीकता में सुधार हुआ है।

गवर्नर-इलेवन ने सद्भावना क्रिकेट कप जीता, मुख्यमंत्री ने बांटे पुरस्कार

एजेंसी,शिमला। हिम स्पोर्टस एण्ड कल्चरल एसोशिएसन द्वारा रविवार को बीसीएस शिमला में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित सद्भावना क्रिकेट कप में गवर्नर-इलेवन की टीम ने जीत दर्ज की। विवेक भाटिया और आबिद हुसैन सादिक को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। फाइनल मैच में गवर्नर-इलेवन टीम ने चीफ जस्टिस-इलेवन की टीम को 32 रनों से हराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज के मैन ऑफद मैच विवेक भाटिया तथा पिछले कल गवर्नर एवं प्रेस के बीच खेले गए मैच के मैन ऑफद मैच आबिद हुसैन सादिक तथा चीफजस्टिस-इलेवन एवं सीएम-इलेवन के बीच खेले गए मैन ऑफद मैच विकास भारद्वाज को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सद्भावना क्रिकेट कप के माध्यम से नशे के विरूद्ध जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रतिबद्धता से नशे की बुराई पर अंकुश लगाने के लिए कार्य कर रही है। इस दिशा में खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को विभिन्न अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। गवर्नर-इलेवन ने 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए। विवेक भाटिया ने 99 रन बनाकर नाबाद रहते हुए शानदार पारी खेली, जबकि आबिद हुसैन ने 82 रनों का योगदान दिया। चीफ जस्टिस-इलेवन की ओर से सुभाष रतन और विकास भारद्वाज ने एक-एक विकेट लिए। चीफजस्टिस-इलेवन की टीम 233 रनों का पीछा करते हुए 200 रन ही बना पाई। राकेश चौहान ने सर्वाधिक 86 रन बनाए, जबकि सौरभ रतन ने 43, पंकज नेगी ने 22 और अनुज बाली ने 18 रन बनाए। गवर्नर-इलेवन के अशोक रतन ने दो विकेट लेकर जीत सुनिश्चित की।

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024: गुकेश ने सफेद मोहरों के साथ डिंग को हराया, 6-5 की ली बढ़त

एजेंसी,नई दिल्ली

भारतीय ग्रैंड मास्टर के डी गुकेश ने सिंगापुर में रविवार को चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप फाइनल में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। 11 वें दौर के बाद गुकेश ने 1 अंक की बढ़त ले ली है, उनके 6 अंक हो गये हैं, जबकि लिरेन के 5 अंक हैं। जो भी खिलाड़ी पहले साढ़े सात अंक बनाएगा वो चैंपियनशिप जीतेगा। सफेद मोहरों के साथ जीत दर्ज कर चैंपियनशिप फाइनल में पहली बार गुकेश ने बढ़त बना लिया।

भारतीय ग्रैंड मास्टर को सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बनने के लिए शेष तीन राउंड ड्रा करने की जरूरत है। चैंपियन डिंग ने अपने 28वें चाल में गलती की और गुकेश की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपनी रानी को सी8 में खींच लिया और प्रभावी रूप से खेल को अपने प्रतिद्वंद्वी के नाम कर दिया। 11 वें राउंड की शुरुआत दोनों ने एक रेटी ओपनिंग सिस्टम खेलने के साथ शुरू किया। गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के गेम 11 में अपने 11 वें कदम पर एक घंटा बिताया। एक समय गुकेश नो सिर्फ आठ चालों के बाद एक घंटे और सात मिनट के समय का लाभ उठाया था। इसका कारण यह है कि डिंग लिरेन ने सिर्फपांच चालों पर अपना पहला घंटे इस्तेमाल किया।

मौकों को नहीं भुना पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा, हार के बाद रोहित शर्मा ने किया स्वीकार

एजेंसी,एडिलेड

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की पर्थ टेस्ट में गैरमौजूदगी के बाद वापसी अच्छी नहीं रही। एडिलेड ओवल में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हरा दिया। रोहित ने इस मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में तीन और दूसरी में छह रन बनाए। उनके नेतृत्व और गेंदबाजी में बदलावों पर सवाल उठे। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि भारत ने कई मौके गंवाए, जो हार का कारण बने। मैच के बाद रोहित ने कहा, हमारे लिए यह हफ्ता निराशाजनक रहा। हमने उतना अच्छा नहीं खेला जितना जीत के लिए जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया ने हमसे बेहतर प्रदर्शन किया। खेल के दौरान कई ऐसे मौके आए जिन्हें हम भुना नहीं सके और यही हार की वजह बनी।

उन्होंने आगे कहा, पर्थ में जो हमने किया था वह खास था। यहां

भी हम वही दोहराना चाहते थे, लेकिन हर टेस्ट मैच अलग चुनौती लाता है। हमें पता था कि गुलाबी गेंद के साथ यह मैच मुश्किल होगा। लेकिन जैसा मैंने कहा, ऑस्ट्रेलिया बेहतर खेली।

पांच मैचों की सीरीज अब 1-1 की बराबरी पर है। रोहित ने कहा कि टीम 14 दिसंबर से शुरू हो रहे गाबा टेस्ट के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अगले मैच से पहले ज्यादा समय नहीं है। हमें पर्थ में किए गए अच्छे प्रदर्शन और पिछली बार गाबा में किए गए प्रदर्शन को याद रखना होगा। वहां की अच्छी यादें हैं। हर टेस्ट मैच की चुनौती को समझते हुए हमें अच्छी शुरुआत करनी होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने तीसरे दिन सुबह के सत्र में 5 विकेट लेते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए बेहतरीन हफ्ता रहा। पर्थ टेस्ट के बाद हम जानते थे कि हम बेहतर कर सकते हैं। इस मैच में हमने अपनी लय वापस पाई। यह जीत काफी संतोषजनक है। कमिंस ने मिचेल स्टार्क की तारीफ करते हुए कहा, स्टार्क ने पहले दिन 6 विकेट लेकर जीत की नींव रखी। वह बार-बार ऐसा प्रदर्शन करते हैं। उन्हें अपनी टीम में पाकर हम भाग्यशाली हैं। स्कॉट बोलैंड ने भी शानदार गेंदबाजी की। उम्मीद है, अगले मैच में जोश हेजलवुड भी वापसी करेंगे। कमिंस ने आगे कहा कि 10 विकेट की जीत में 152 रनों की बढ़त लेना अहम साबित हुआ और ट्रेविस हेड ने भारत के खिलाफ 140 रनों की शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा, हेड को यहां बल्लेबाजी करना पसंद है। जब वह बल्लेबाज करने आए तब गेम किसी भी ओर जा सकता था लेकिन उन्होंने खेल को बदल दिया। मुख्य बात यही थी हमने बढ़त हासिल कर ली थी। खेल में गेंद डालने का भी बढ़िया समय था। रोशनी में गेंद हरकत कर रही थी लेकिन बड़ी बढ़त ही अंत में निर्णायक साबित हुई।

भारतीय खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेंगलुरु में बनेगा एचएएल-साई हाई-परफॉरमेंस सेंटर

एजेंसी,बेंगलुरु

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक एचएएल-एसएआई उच्च प्रदर्शन केंद्र की स्थापना के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य भारत की खेल प्रतिभा को बढ़ाना है। इस अवसर पर एचएएल के सीएमडी डीके सुनील, स्वतंत्र निदेशक दिव्या गुप्ता, एचएएल के निदेशक (एचआर) एबी प्रधान, टॉप्स के संयुक्त सीईओ कर्नल राकेश यादव, साई के क्षेत्रीय निदेशक विष्णु सुधाकरन, युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के अवर सचिव कामखान सिंह और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एचएएल भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ साझेदारी में खेलों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने और भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक मंच बनाने के लिए समर्थन दे रहा है। अपनी सीएसआर पहल के तहत, एचएएल ने अब साई, बेंगलुरु में एचएएल-साई हाई परफॉरमेंस सेंटर की स्थापना के लिए प्रतिबद्धता जताई है। यह केंद्र एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएगा। इस केंद्र में एंथ्रोपोमेट्री, बायोमैकेनिक्स, एक्सरसाइज बायोकेमिस्ट्री, पोषण, खेल और व्यायाम, फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, फिजियोथेरेपी आदि क्षेत्रों में सुविधाएं होंगी। एचएएल हमेशा से ही देश में खेलों के विकास में सबसे आगे रहा है। सीएसआर के हिस्से के रूप में, एचएएल ने पहले ही भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ कोरापुट (ओडिशा) में एचएएल-एसएआई खेल प्रशिक्षण केंद्र चलाने के लिए भागीदारी की है, ताकि आदिवासी युवाओं को तीरंदाजी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में प्रशिक्षण दिया जा सके। कंपनी द्वारा उठाया गया एक और महत्वपूर्ण कदम युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए फीफ मानक फुटबॉल मैदानों के साथ बेंगलुरु में फुटबॉल अकादमी की स्थापना करना है।यह एचएएल-साई हाई-परफॉरमेंस सेंटर भारत की खेल क्षमता को उजागर करने की एचएएल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

रियल मैड्रिड में एम्बाप्पे अब भी सुर्खियों में , अलाबा और विनिसियस चोट से वापसी के करीब

एजेंसी,मैड्रिड

रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी को शनिवार को गिरोना में होने वाले ला लीगा दौरे से पहले शुक्रवार को एक बार फिर किलियन एमबाप्पे के फॉर्म के बारे में सवालों का जवाब देना पड़ा। मैड्रिड स्पेन के उत्तर-पूर्व की यात्रा पर है, जहां उसे बुधवार रात एथलेटिक बिलबाओ के हाथों 2-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था। ऐसा लग रहा था कि मैड्रिड पहुंचने के बाद से एमबाप्पे ने अपनी चिंताजनक फॉर्म को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ गोल किया था, लेकिन बुधवार को संदेह फिर से उभर आया, जब एथलेटिक डिफेंस ने उन्हें निर्योत्रित कर लिया और एक सप्ताह में उनकी दूसरी पेनल्टी भी घरेलू गोलकीपर जुलेन एगिररेज़ाबाला ने बचा ली। एंसेलोटी ने फ्रांसीसी खिलाड़ी के बारे में कहा, हमें हर चीज पर गौर करना होगा और उसे समझाना होगा कि मैदान पर कैसे सुधार करना है। मुझे लगता है कि उसने अपने खेल की तीव्रता के मामले में बहुत सुधार किया है। वह अच्छे स्तर पर है और हमें उसका समर्थन करना होगा। एंसेलोटी ने कहा कि उनका मानना है कि मैड्रिड में एमबाप्पे की समस्या का एक हिस्सा निरंतरता है, और यह तब आएगा जब वह और उसके साथी उसकी विशेषताओं के अनुकूल होंगे जो व्यक्तिगत और अलग हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे आएगा। एंसेलोटी को हमलावर खिलाड़ी विनिसियस जूनियर और मिडफील्डर एडुआर्डो कैमाविंगा के चोटिल होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा के कारण भी, हालांकि उनके पास अच्छी खबर है, उन्होंने बताया कि विनिसियस अगले सप्ताह अटलांटा के महत्वपूर्ण चैम्पियंस लीग दौरे के लिए फिट हो जाएंगे, और अलाबा ने भी लंबे समय से घुटने की चोट के बाद टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। गिरोना को सप्ताह के मध्य में निराशा का सामना करना पड़ा था, जब उसे कोपा डेल रे से चौथे दर्जे के लोग्रोनस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, मिशेल सांचेज की टीम ने ला लीगा में अपने पिछले चार मैचों में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ सुधार किया है।

रोहन बोपन्ना के खिलाफ खेलना आसान नहीं: सुमित नागल

एजेंसी,मुंबई

भारतीय टेनिस सनसनी सुमित नागल टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीज़न 6 में स्टैंड-आउट खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। नागल पुरुष एकल और युगल वर्ग में गुजरात पैंथर्स के लिए खेल रहे हैं। गुजरात पैंथर्स ने सेमी फाइनल चरण में जगह बना ली है और नागल अपनी टीम के शिविर में ऊर्जा से उत्साहित हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, यह एक सुंदर वातावरण है। हर कोई बहुत अच्छा है और हमेशा हमारे लिए मौजूद है। मैंने इन दो सीज़न में गुजरात पैंथर्स के लिए खेलने का आनंद लिया है। लीग के पहले मैच के दिन गुजरात पैंथर्स का सामना राजस्थान रेंजर्स से हुआ, जिसमें नागल ने पुरुष युगल वर्ग में भारतीय टेनिस दिग्गज रोहन बोपन्ना से मुकाबला किया और मुकाबला हार गए। मैच पर नागल ने कहा, किसी ऐसे व्यक्ति (बोपन्ना) के साथ खेलना आसान

नहीं है जिसने स्लैम जीता हो। दिन के अंत में, यहां रहना और ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना मजेदार है। टेनिस प्रीमियर लीग हर सीज़न में खेले जाने वाले टेनिस के पैमाने, प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता के मामले में बढ़ रहा है।

टीपीएल में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, नागल ने कहा, यह बहुत अच्छा रहा है। यदि आप इस वर्ष खिलाड़ियों की गुणवत्ता को देखें। आप देख सकते हैं कि पहले से एक बड़ा अंतर है। अंत में, अपने भविष्य के लक्ष्यों और अपने आगे के करियर पर, नागल ने कहा, मेरा लक्ष्य अगले साल शीर्ष 50 एटीपी रैंकिंग हासिल करना है और मैं वहां रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

Scanned with OKEN Scanner

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रूप सिंह राठिया ने किया पदभार ग्रहण पत्थलगांव

दबंग दुनिया ♦ पत्थलगांव

पत्थलगांव में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष रूप सिंह राठिया को पत्थलगांव भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पत्थलगांव मंडल अध्यक्ष अनिल मित्तल ने पदभार ग्रहण करवाया गया ।पदभार ग्रहण कार्यक्रम में सर्वप्रथम माता सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई इसके पश्चात मुख्य अतिथि का पुष्प माला से स्वागत किया गया। पदभार ग्रहण के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष रूप सिंह रठिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णु देव साय ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपा है मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा एवं क्षेत्र के किसानो की किसी प्रकार की भी समस्या के निदान के लिए हमेशा प्रथम पंक्ति में रहूंगा भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल मित्तल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णु देव साय ने पत्थलगांव विधायक गोमती साय की अनुशंसा पर भाजपा के जमीन से जुड़े किसान नेता को पत्थलगांव समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है भाजपा सरकार हमेशा से ही किसानों ने की हितैषी रही है। कार्यक्रम में भारी संख्या में क्षेत्र के किसान के अलावा महिलाएं व नागरिक गण मौजूद रहे ।नवनिर्वाचित अध्यक्ष रूप सिंह राठिया का पत्थलगांव महिला मोर्चा ने भी गुलदस्ता भेंट कर बधाई दिया । कार्यक्रम में सुनील अग्रवाल संजू लोहिया ,सुनील गर्ग ,प्रदीप गुप्ता , सुरेंद्र बेसरा, अवधेश गुप्ता, नेहरू लकड़ा ,दयासागर यादव सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गौ वंश की हत्या के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दबंग दुनिया ♦ पत्थलगांव

संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 10.08.2024 को दिन में मुखबीर से सूचना मिली कि आस्ता थाना क्षेत्र अमगांव भाटापाठ जंगल में कुछ लोग पैदल क्रूरतापूर्वक गौ-वंश को तस्करी करते हुये झारखंड की ओर ले जा रहे हैं, इस सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी आस्ता द्वारा मौके पर जाकर घेराबंदी कर दबिश देकर कुल 08 नग गौ-वंश को जप्त किया गया, पुलिस को आता देख तस्कर जंगल की आड़ लेकर फरार हो गये थे, पुलिस द्वारा मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध छ.ग. कृषि पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं पशु क्रूरता अधि. की धारा 11 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण के आरोपीगण फरार थे, उनकी लगातार पतासाजी की जा रही थी।विवेचना के दौरान पाया गया कि उक्त दिनांक को उक्त दोनों आरोपियों द्वारा मवेशियों को क्रूरतापूर्वक हांकते हुये ग्रामीणों के द्वारा देखा जाना पाया गया, दोनों आरोपीगण फरार थे जिनकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। मुखबीर से सूचना मिली कि उक्त दोनों आरोपीगण अपने घर में आये हुये हैं इस सूचना पर दबिश देकर उन्हें अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया। पूछताछ एवं मेमोरंडम कथन में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे गांव-गांव जाकर मवेशियों को खरीदकर उन्हें तस्करी कर झारखंड की ओर ले जाते हैं। दिनांक 10.08.2024 को पुलिस द्वारा जप्त किया गया 08 नग गौ-वंश भी उन्हीं का था। दोनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उन्हें दिनांक 07.12.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।इसी प्रकार थाना आस्ता के अप क्रमांक 36/24 धारा 325, 238(ग) इठर एवं पशु क्रूरता का फरार आरोपी दीपक तिर्की उम्र 32 साल निवासी चिकपाठ को भी दिनांक 07.12.2024 को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ दिनांक 20.11.24 को ग्राम तिगरा जंगल मे गौ वंश की हत्या किया था। विवेचना कार्यवाही एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में उप निरीक्षक संतोष सिंह, स.उ.नि. अमरबेल मिंज, प्र.आर. संदीप, आर. 451 जगनारायण, आर. अम्बुज इत्यादि का योगदान रहा है दूसरे थाना बगीचा के प्रकरण में प्रार्थी बली राम यादव उम्र 45 साल निवासी सामरबार ने दिनांक 06.12.2024 को थाना बगीचा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह सुबह करीबन 09 बजे अपने एक साथी के साथ मोटर सायकल से ग्राम सेमरजोबला के रास्ते सामरबार की ओर जा रहे थे, कि रास्ते में जोड़ाबर मलार घटिया के पास देखे कि मलार घाट का कौशल तिर्की एवं सेमरजोबला का गिरधारी एवं उसके अन्य साथीगण गौ-वंश की हत्या कर मांस बना रहे थे, प्रार्थी द्वारा चिल्लाने पर वे वहां से भाग गये। प्रार्थी की रिपार्ट पर उक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा तत्परतापूर्वक कायर्वाही कर मौके पर जाकर गौ-वंश का अवशेष मिलने पर उसे पशु चिकित्सक से पी.एम. कराकर अग्रिम कायर्वाही की गई है। प्रकरण के आरोपीगण फरार थे, जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। विवेचना दौरान दबिश देकर प्रकरण के 02 आरोपीगण कौशल तिर्की एवं गिरधारी राम को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया, मेमोरंडम कथन में उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त टांगी एवं छुरी इत्यादि को जप्त किया गया है। दोनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उन्हें दिनांक 07.12.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। कायर्वाही में निरीक्षक रामसाय पैंकरा, प्र.आर. 213 लक्ष्मण सिंह, आर. 685 मुकेष पाण्डेय, न.सै. 225 बलीराम का सराहनीय योगदान रहा है।

चारामा पुलिस ने उपद्रव करने वाले व्यक्ति पर की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

दबंग दुनिया ♦ कांकेर

कांकेर श्रीमान वरिष्ट पुलिस अधीक्षक कांकेर आई. के. ऐलिसेला (भा.पु.से.) के निर्देषन में, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेष कुमार सिन्हा (रा.पु.से.)के मार्गदर्षन में श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसीन खान (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलेष्वर चन्द्रवंषी के नेतृत्व में टीम गठित कर थाना क्षेत्र में निरंतर गस्त पेट्रोलिंग एवं संदिग्ध स्थानों एवं संदिग्ध लोगों की चेकिंग किया जा रहा है। दिनांक 07.12.24 को रात्रि में थाना चारामा पेट्रोलिंग टीम गस्त कर रही थी कि दीपा बाई सोनकर वार्ड क्रमांक 02 चारामा द्वारा किसी पुलिस को सूचना दिया कि एक व्यक्ति घर में झांक ताक कर घर में घुसने का प्रयास कर रहा है कि सूचना पाकर तत्काल पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी जो नगर में रात्रि गस्त पेट्रोलिग कर रही थी उनके द्वारा मौके पर जाकर तस्दकी किया गया

जो एक व्यक्ति वहॉ पर दीपाबाई सोनकर के घर के पास षराब के नषे में था जिससे नाम पूछने पर अपना नाम प्रमोद यादव उर्फ विजय यादव उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्रमांक 02 जबरनपारा चारामा का होना बताया और उत्तेजित होकर मकान मालिक के साथ झगडा विवाद करने लगा जिसे समझाने का प्रयास किया गया जो नही मान रहा था जिसे हिरासत में लेकर थाना लाया गया। उक्त व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक धारा 170 ,126, 135(3) बीएनएसएस के तहत गिर0 कर इस्तगाषा तैयार कर न्यायालय में पेष किया गया।

अग्निवीर जवान कौशल का गृहग्राम आगमन पर किया भव्य स्वागत

दबंग दुनिया ♦ उतई

ग्राम मचांदुर में प्रथम अग्निवीर जवान कौशल निषाद ट्रेनिंग पश्चात गांव वापस आने पर उनका ग्रामवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सरपंच दिलीप साहू,उपसरपंच गजेंद्र साहू,भाजयुमों अध्यक्ष उतई मंडल प्रवीण यदु,तुकाराम साहू,भाजयुमें महामंत्री डिलेश साहू,ने उन्हें बधाई देते कहा यह हमारे गांव के लिए गौरव की बात है मां भारती के सेवा के लिए प्रत्येक नव युवा इनसे प्रेरित हो और अग्निवीर की ओर अग्रसर हो उन्होंने हाईस्कूल में NCC पुनःआरंभ करने की बात कही इस अवसर पर अग्निवीर की माता पूर्व जनपद सदस्य नेहा निषाद,पिता डिलेश निषाद,तरुण साहू,गीतूराज,धर्मेंद्र साहू,नितेश साहू, खिलेंद्र साहू,यश साहू,धनराज गोस्वामी, धर्मेश साहू, जयदीप साहू,जयदीप यादव, लोकेश साहू,जितेंद्र यादव,युगलकिशोर साहू,पुकेश्वर साहू,आकाश देवांगन, अल्ताफ खान,हरीश देवांगन,मुकेश साहू,सत्येंद्र यादव,लकी निषाद,हिमेश निषाद,ताकेश्वत साहू,तीरथ पटेल,ओमनारायण पटेल,सहित सभी ग्रामवासियों ने मिलकर अग्निवीर जवान का

छग मनवा कुर्मी समाज अधिवेशन की तैयारी हेतु उतई में विशेष बैठक रखी गई

दबंग दुनिया ♦ उतई

नगर के शासकीय महाविद्यालय ग्राउंड उतई में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज अधिवेशन उतई में 25 दिसंबर को होने वाले के अधिवेशन के मुख्य अतिथि छग शासन के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल होंगे। एवं अति विशिष्ट अतिथि होंगे दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल । छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के पाटन अधिवेशन हेतु तैयारी बैठक उतई नगर के कुर्मी भवन में रखी गई थी। जिसमें समाज के प्रमुख जनों को मंच व्यवस्था ,स्वागत ,भोजन व्यवस्था हेतु टीम का गठन किया गया इस दौरान पाटन राज के प्रमुख युगल किशोर आडील राज मंत्री केदार कश्यप नगर अध्यक्ष मोरध्वज वर्मा सचिव हितेश वर्मा समाज के प्रबुद्ध जन मुकेश वर्मा चंद्रिका प्रसाद वर्मा शेखर वर्मा प्रहलाद वर्मा महेंद्र वर्मा सुषमा वर्मा हीरा देवी वर्मा क्रांति वर्मा वर्मा धनेश्वर वर्मा अरुण वर्मा भूषण वर्मा पूरन बघेल अनीता वर्मा हेमलता वर्मा अजय वर्मा गुलशन वर्मा ईश्वर वर्मा पूरन बघेल राजकुमार वर्मा शिशुपाल वर्मा सोनचंद वर्मा भूषण वर्मा धनेश वर्मा एवं समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे ।

नगर पालिका की कार्यशैली पर सवाल

रौताही मेला की जिम्मेदारी किसी और को क्यों?

दबंग दुनिया ♦ सक्ती

ऐतिहासिक रौताही मेला को लेकर नगर पालिका की भूमिका लोगों के लिये किसी पहेली से कम नही है! अबकी बार उसने मेला की जिम्मेदारी एक खास समाज को सौप रखी है , संभव है ऐसा कर पालिका ने अपने कांधे का बोझ हल्का कर लिया हो! मगर मेला के दौरान किसी अनहोनी की आशंका पर जवाबदेही किसकी होगी? इस पर उसने विचार किया है, इसकी संभावना कम दिखती है अर्थात मेला जैसे सेंसेटिव मामले को हल्के से लेना और आयोजन की जिम्मेदारी किसी दूसरे को सौप देना उस पर भारी पड़ सकता है, यही नही इसकी आंच परिषद में बैठे जन प्रतिनिधियों तक पहुंचती है तो कोई आश्चर्य की बात नही है? समय रहते निकाय को इस पर गंभीरता दिखानी चाहिए। सक्ती को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाला रौताही मेला समय के साथ सिमटता जा रहा है। इसका एहसास प्रशासन अथवा नगर पालिका को न हो ऐसा नही है, मगर न जाने क्यों इस ओर ध्यान देना जरूरी नही समझा गया। यही वजह है किसी समय न चाहकर भी मेला की अवधि बढ़ानी पड़ती थी , आज समय से पहले ही मेला खत्म सा हो जाता है। इसके लिये ऊंची पहुंच और खुद जनता का सेवक बताने

वाले नेताओं की भूमिका भी समझ से परे है , वे न जाने क्यों चुप बैठे हैं ? अब समय आ गया है , नगर पालिका से सवाल पूछा जाना चाहिए कि हमेशा की तरह अबकी बार भी आयोजक होने के बाद उसने मेला की जिम्मेदारी किसी और को क्यों और कैसे सौप दी गई ? इस बारे में परिषद में कोई निर्णय हुआ है अथवा सीएमओ ने मनमानी की है ? वैसे एसडीओ सिविल के द्वारा मेला की जगह बदले जाने के लिये परिषद में बैठे जनता के प्रतिनिधियों को विश्वास में नही लेना खुद में एक पहेली बना हुआ है। ऐसे में नगर पालिका की कार्यशैली पर सवाल उठना लाजिमी है।

किसड़ी में जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दबंग दुनिया ♦ सरायपाली

रामचण्डी महाविद्यालय सरायपाली के छात्राध्यापकों द्वारा ग्राम किसड़ी में एकदिवसीय ग्रामीण शैक्षणिक भ्रमण किया गया। इस दौरान छात्र -छात्राओं द्वारा बालिका शिक्षा, नारी जागरुकता, साक्षरता, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य,पर्यावरण के बारे में बताते हुए ग्रामीणों के समक्ष जनजागरूकता रैली निकाली गयी। छात्राध्यापकों द्वारा ग्रामीणों के प्रत्येक परिवार से सम्पर्क कर शिक्षा एवं साक्षरता से जुड़े सामाजिक विषयों पर सर्वेक्षण कर डाटा संकलन किया गया। प्राचार्य डॉ एन.के. भोई ने महाविद्यालय का परिचय एवं ग्रामीण भ्रमण उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। प्रदीप बारीक बी एड विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में जल बचाओ, स्वच्छता,यातायात सुरक्षा पर गीतों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। अंत में रामचण्डी महाविद्यालय व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किसड़ी के छात्र- छात्राओं के संयुक्त तत्वाधान में विविध छत्तीसगढ़ी, उड़िया, हिन्दी, आधारित शिक्षायुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रमोद कुमार भोई अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास

समिति किसड़ी , विशिष्ट अतिथि के रूप में आर. के. भोई प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किसड़ी , डॉ. पी.साहू (सेवानिवृत्त प्राध्यापक), गौरीशंकर साहू (गौटिया किसड़ी)अजय आर्य (.प्रधान पाठक शा. मा. वि.किसड़ी)जगदीश भोई (प्रधान पाठक शा. प्रा. वि.किसड़ी),के. के. रथ (व्याख्याता किसड़ी)नमिता साहू (उपसरपंच किसड़ी) उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एन. के भोई ने की। कार्यक्रम को सशक्त बनाने में कॉलेज के सहायक प्राध्यापक रजनी प्रधान, सुनील पटेल,लवकुमार पटेल, संगीत शिक्षक मोहम्मद जलील एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गणों का विशेष योगदान रहा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शक्ति में जीवनदीप समिति की बैठक में शामिल हुए स्थानीय विधायक एवं नेता प्रतिपक्ष- डॉ चरण दास महंत

दबंग दुनिया ♦ सक्ती

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सकती जिला सकती के जीवन दीप समिति की बैठक विधानसभा क्षेत्र सकती के विधायक नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण महंत के अध्यक्षता में अस्पताल परिसर सकती के कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी सकती में आयोजित की गई बैठक में जीवन दीप समिति के सचिव अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरुण कुमार सोम जीवन दीप समिति के सदस्य वरिष्ठ भाजपा नेता रामावतार अग्रवाल प्रीतम गवेल अनूप अग्रवाल पार्षद धनंजय नामदेव दान दाता प्रतिनिधि कन्हैया गोयल विधायक प्रतिनिधि महबूब खान विभा यादव अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनिष कुँवर मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग राकेश द्विवेदी खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ सूरज सिंह राठौर कार्यक्रम अधिकारी बिजली विभाग के ईजी एन के पटेल आर जी थवाईत उपस्थित रहे बैठक में आप जन को सुलभ चिकित्सा व्यवस्था मिले सेवारत कमर्चारियों को वेतन भुगतान एक्सरे टेक्नीशियन विद्युत व्यवस्था अस्पताल परिसर में वाहन पार्किंग के संबंध में चर्चा कर सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया डॉ चरण दास महत का जिला स्वास्थ्य एवँ चिकित्सा अधिकारी डॉ कृपाल सिंह कंवर महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ कल्पना राठौर सहित कमर्चारियों ने स्वागत किया इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर अग्रवाल घनश्याम पांडेय साधेश्वर गवेल राजेश शर्मा गिरधर जायसवाल पिंटू ठाकुर अमित राठौर जागेश्वर सिंह राज महिला कॉग्रेस प्रदेश सचिव गीता देवांगन मेनका जायसवाल कला संडे राकेश राठौर अमीर अग्रवाल विष्णु तिवारी रथ राम पटेल मनोज जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कॉग्रेस जनो की उपस्थिति रही विश्राम गृह में एन एस यू आई के जिलाध्यक्ष मयंक सोनी ने जोर दार स्वागत किया।

सरायपाली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 70वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन गोरखपुर मे सम्पन्न हुआ,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित हुए, इसी कार्यक्रम में सरायपाली की हर्षित कौर सलूजा अभाविप की रायपुर महानगर सह मंत्री के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया

निः शुल्क रक्तदान एवं स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

दबंग दुनिया ♦ उतई

प्रिज्म कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं एचडीएफसी बैंक के संयुक्त तत्वाधान से रक्तदान एवं निशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 7 दिसंबर 2024 को प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 तक आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती रामकली यादव वरिष्ठ अधिवक्ता छत्तीसगढ़ गृह मंत्रालय द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं पूजा से हुआ इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉक्टर दस रघुवंशी एनएसएस समन्वयक छत्तीसगढ़ स्वामी टेक्निकल यूनिवर्सिटी भिलाई उपस्थित रहे एचडीएफसी ब्रांच चरोदा की मैनेजर श्री आलोक एवं उनकी टीम ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रिज्म संस्थान के साथ अग्रसर होकर अपना सहयोग प्रदान किया इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी रायपुर डक्स ब्रांच से देवेंद्र दुबे एवं उनकी टीम द्वारा समस्त जांच प्रक्रिया द्वारा रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक संचालन किया गया इस श्रृंखला में रक्त समूह रक्त शर्करा एवं रक्त ग्रुप का जांच भी किया गया जिसमें प्रिज्म संस्थान के समस्त कमर्चारी गणों ने बढ़-चढ़कर अपना योगदान दिया साथ ही रक्तचाप हाइट वजन का भी मापदन किया गया जिसमें प्रिज्म कॉलेज के फार्मेसी विभाग के छात्र एवं छात्राओं ने अपना सहयोग प्रदान किया जांच समूह में रुंगटा डेंटल कॉलेज द्वारा भी शिविर में अपना योगदान प्रस्तुत किया गया जिसका मार्गदर्शन डॉक्टर कणिर्का डेंटिस्ट एवं उनकी टीम ने लोगों के दंत चिकित्सा से किया सेल्यूट हॉस्पिटल से डॉक्टर मानसिंह यादव जनरल फिजिशियन एवं मेकाहारा रायपुर से डॉक्टर मनीष यादव जनरल फिजिशियन ने भी अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए शिविर में उपस्थित ग्राम महक खुर्द महक कल पंडोर भिलाई 3 उतई डुमरी एवं अन्य ग्रामीणों की निशुल्क चिकित्सा परामर्श कर अपना योगदान प्रस्तुत किया जो अत्यंत सराहनीय कार्य रहा इस शिविर में नेत्र परीक्षण के लिए आशा ऑप्टिकल सेक्टर 6 मार्केट से डॉक्टर शाहिद एजाज हुसैन ने अपना महत्वपूर्ण समय प्रिज्म संस्थान को प्रदान किया एवं अपने आधुनिक उपकरणों द्वारा लगभग 200 से अधिक लोगों का नेत्र परीक्षण किया एवं उन्हें आंखों की देखभाल के निर्देश भी दिए एलोपैथिक दवाइयां की जानकारी के साथ-साथ प्रिज्म संस्थान द्वारा आयुर्वेदिक औषधियां का संग्रहण भी प्रदर्शित किया जिसमें रूपनारायण देवांगन कल्प अमृत स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रोग्राम के द्वारा एवं महिमा अस्पताल उतई से श्री ललित कुमार नेवी अपना सहयोग इस शिविर को सफल बनाने में प्रस्तुत किया।

इस पूरी शिविर की सफलता का श्रेय हमारे रीजनल ट्रेनिंग सेंटर सिस उतई के हमारे जवानों को जाता है जिन्होंने हमारे इस शिविर में रक्तदान एवं विभिन्न निशुल्क प्रशिक्षण का सफल करने में अपना सहयोग प्रदान किया इस शिविर को की सफलता के लिए प्रिज्म संस्था के अध्यक्ष श्री रुपेश कुमार गुप्ता डायरेक्टर श्रीमती परमिता मोहंती डायरेक्टर श्रीमती ख्याति साहू डायरेक्टर श्री असीम साहू ने हार्दिक बधाई प्रस्तुत की प्रिज्म कॉलेज फार्मेसी की प्राचार्य श्रीमती सीमा कश्यप ने सभी आगंतुक अतिथिगण एवं शिविर में योगदान देने वाले समस्त चिकित्सा विभाग के चिकित्सा एवं उनकी टीम का आभार प्रदर्शन किया एवं आने वाले समय में इसी तरह की और भी सामाजिक सेवाओं का संचालन निशुल्क करने का आश्वासन दिया प्रिज्म फार्मेसी विभाग के व्याख्याता श्री सागर शर्मा एवं श्रीमती गुरदीप शर्मा ने इस कार्यक्रम को सफलता पूर्ण क्रियान्वित किया इस कार्यक्रम की सफलता में समस्त प्रिज्म समूह के विभिन्न विभाग बेड पीजीडीएम आईटीआई एवं प्रिज्म स्कूल का सहयोग अत्यंत सराहनी रहा।

Scanned with OKEN Scanner

A²1f1f³f

9 §fÔMXZ AfZ Ad²f1 Y ³feÔQ »fZ fZ AfZ ¶fPX AfI Y°ff WXWXMXZ AMïfI Y I Yf J °fSX

अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ खानपान के साथ-साथ अच्छी नींद लेना जरूरी माना जाता है। नींद को इंसान की कई बीमारियों के इलाज के लिए सबसे अच्छी दवा के रूप में जाना जाता है, लेकिन मेडिकल जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि जो लोग जरूरत से ज्यादा सोते हैं, उनमें हार्ट स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

¢1ff I YWXff WXA²1f1f³f

अध्ययन के अनुसार, जो लोग रात के समय 9 घंटे या उससे अधिक समय तक सोते थे, उनमें सात या उससे कम घंटों तक सोने वाले लोगों की तुलना में हार्ट स्ट्रोक के खतरे की आशंका 23 प्रतिशत अधिक थी। अध्ययन में पाया गया कि कम सोने वालों की तुलना में लंबे समय तक सोने वाले लोग और लंबी झपकी लेने वाले दोनों में 85 प्रतिशत लोगों को हार्ट स्ट्रोक की संभावना थी। इस अध्ययन से पता चलता है कि दिन के समय में घोड़े बेचकर सोने वालों के कोलेस्ट्रॉल के स्तर में प्रतिकूल परिवर्तन और कमर बढ़ गई, जो दोनों स्ट्रोक के लिए जोखिम कारक हैं। शोध के अनुसार लंबी झपकी लेना और सोना एक संपूर्ण निष्क्रिय जीवन शैली की ओर इशारा करता है, जो स्ट्रोक के बढ़ते जोखिम से भी संबंधित है।

I YÀfZd I Y¹ff ¦f¹ff A²1f1f³f

अध्ययन में चीन के 31,750 लोगों को शामिल किया गया, जिनकी औसत आयु 62 वर्ष थी। जब अध्ययन शुरू किया गया था, उस वक्त अध्ययन में शामिल होने वाले लोगों में दिल से जुड़ी बीमारियों या हार्ट स्ट्रोक का कोई पुरानी समस्याएं नहीं थी। शोधकर्ताओ ने छह साल तक लोगों का अनुसरण किया, जिसके दौरान उनके सामने अधिक सोने वाले लोगों में हार्ट स्ट्रोक के कुल 1,557 मामले सामने आए। इस आधार पर शोधकर्ताओ ने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग रात में 9 घंटे या उससे अधिक समय तक सोते थे, उनमें रात में 7 घंटे या उससे कम घंटों तक सोने वाले लोगों की तुलना में हार्ट स्ट्रोक होने की आशंका 23 प्रतिशत अधिक थी।

¦fAf I Ye Af¸fA¹ff AfZWÜ ¶fZWX»f °fû I Yf¸f AfEÔ fZ þfQBÊdMXAf

आजकल गलत खान-पान और बेटाइम भोजन करने की वजह से पेट में गैस बनना आम बात हो गई है। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि पेट में गैस सिर्फ बुजुर्गों को ही परेशानी करती है। छोटी उम्र से लेकर युवाओं, हर उम्र के व्यक्ति को यह परेशानी झेलनी पड़ सकती है। पेट में गैस बनने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे- अत्यधिक

भोजन, कम पोषण वाले आहार और कमजोर पाचन शक्ति। ये सभी कारण पेट में गैस की समस्या को बढ़ावा देते हैं, जिसकी वजह से कई बार सीने में दर्द के साथ उल्टियां तक शुरू हो जाती हैं। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान रहते हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये शानदार टिप्स।

¦fAf I Ï »fAf¯f

- पेट फूल जाना।
- जीभ पर सफेद पर्त जमा हो जाना।
- सांस में बदबू आना।
- मल से बदबू आना आदि।

¦fAf AfZ¶f´f³fZ I Ï CXff¹f

- कार्बानेटेड ड्रिंक और वाइन न पीएं, क्योंकि यह कार्बन डाईऑक्साइड रिलीज करते हैं।
- पाइप के द्वारा कोई चीज न पीएं, बल्कि सीधे गिलास से पीएं।
- अधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन न करें।
- तनाव भी गैस बनने का एक प्रमुख कारण है, इसलिए तनाव से दूर रहने की हरसंभव कोशिश करें।
- कब्ज भी इसका एक कारण हो सकती है। जितने लंबे समय तक भोजन बड़ी आंत में रहेगा, उतनी मात्रा में गैस बनेगी।
- खाने के तुरंत बाद न सोएं। थोड़ी देर टहलें। इससे पाचन ठीक होगा और पेट भी नहीं फूलेगा।
- अपनी बायोलॉजिकल घड़ी को दुरुस्त रखने के लिए निश्चित समय पर खाना खाएं।
- अधिक रेशेयुक्त भोजन के साथ अधिक मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करें।

हाई हील से होती हैं बड़ी बीमारियां

बड़ी हील वाली सैंडल पहनने से पीठ दर्द, कमर दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द, फ्रेक्चर और रीढ़ की हड्डी को भी नुकसान पहुंचता है। बेशक लड़कियां हाई हील्स से अपनी पर्सनेलिटी को इंप्रूव करती हों, लेकिन इनसे होने वाली गंभीर बीमारियों को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर अगर आप रेगुलर हील्स और हाई हील्स को पहनती हैं, तो कई समस्याओं का करना पड़ सकता है। हील्स पहनने से होने वाली बीमारियां और उनके इलाज के बारे में बता रहे हैं हम।

हाल ही में जापान में हाई हील पहनने के खिलाफ महिलाओं ने एक अभियान भी चलाया गया था, जिसका उद्देश्य महिलाओं को हाई हील पहनने वाले नियम को खत्म करना था। अगर आपको भी पार्टी और फंक्शन्स में हील्स पहनना पसंद है, तो ऐसे में कुछ खास बातों का ख्याल रखना बेहद जरूरी है, जिससे आप खूबसूरत दिखने के साथ खुद को हेल्दी भी रख सकेंगीं।

WXBÊ WX»f ´fWXf³fZ AfZ WX³fZ Uf»fe ¶fe¸ffdSXffÔ

- हाई हील पहनने और उसे बैंलेस करने से पैरों की मांसपेशियों में ही खिंचाव नहीं आता है बल्कि एड़ी, घुटनों और कूल्हों के साथ रीढ़ की हड्डी पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ता है, जिससे स्पाइन और सर्वाइकल संबंधी बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।
- ¸ffÔf´fZdVf¹fûÔ ¸fZÔ dJÔ¨ffU Af³ff: हाई हील पहनने से पैर की शेप सामान्य की तुलना में बेहद टेढ़ी हो जाती है, जिससे शरीर का सारा दबाव पैर की मांसपेशियों पर पड़ता है। इसकी वजह से मांसपेशियों में खिंचाव आने के साथ पैर के पंजे के ऊपर के हिस्से (पिंडली) में दर्द होने की समस्या से गुजरना पड़ता है। ऐसे में पैरों में दर्द की परेशानी से बचने के लिए लंबे समय तक हाई हील पहनने से बचना चाहिए।
- þûOÞû ¸fZÔ QQÊ I Ye Af¸fA¹ff: लंबे समय तक हील पहनने से शरीर की मांसपेशियों में खिंचाव आने लगता है, जिससे हड्डियों को जोड़ने वाले टिशूज में सूजन आने लगती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की शोध के मुताबिक, अगर आप 4-5 घंटे से ज्यादा हाई हील पहनती हैं, तो इससे जोड़ों के दर्द के नाम से जानी जाने वाली गंभीर बीमारी ऑस्टियोअर्थराइटिस होने का खतरा बढ़ जाता है।
- RiZ¢¨fSX WXûZ I Yf J °fSX: वॉशिंगटन पोस्ट में छपी खबर और एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रोजाना हाई हील पहनने से हड्डियों के टूटने की संभावना बेहद बढ़ जाती है, क्योंकि लंबे समय तक हाई हील पहनने पर कूल्हों और कमर की हड्डी के अलावा पैरों के पंजे की हड्डियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, साथ ही सही पॉश्चर न होने की वजह से उनमें दरार आने और उनके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में फ्लेट फुटवियर पहनना एक अच्छा विकल्प है।
- ¦fQÊ³f AüSX I ÔÏ²fûÔ ¸fZÔ QQÊ I Ye dVfI Yf¹f°f: आप अगर सोच रहे हैं कि हाई हील केवल आपके पैरों को नुकसान पहुंचाती है, तो आप पूरी तरह से गलत हैं, क्योंकि हाई हील से पूरे शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है, जिससे कमर दर्द के अलावा गर्दन और कंधों में दर्द की परेशानी बढ़ जाती है। इसमें साइटिका सबसे प्रमुख बीमारी है।

ÀffU²ffd³f¹ffÔ.

- रोजाना हाई हील पहनने से बचें। हील की जगह प्लेटफार्म हील का उपयोग करें। इससे आपके पैर की शेप खराब नहीं होती है, साथ ही शरीर का पॉश्चर भी सामान्य रहता है। इसके साथ आपको बार बार बैलेंस बनाने के लिए एक्स्ट्रा मेहनत नहीं करनी पड़ती है।
- **मांसपेशियों को करें स्ट्रेचः** अगर हील या हाई हील पहनना आपके वर्कप्लेस या फंक्शन की वजह से पहनना जरूरी है, तो ऐसे में आप हील पहनने से पहले और थोड़े-थोड़े अंतराल पर पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें। इससे आपके पैरों में होने वाले दर्द से निजात मिलेगी।
- **हील की ऊंचाई को करें सेटः** अगर आप हील या हाई हील पहनने में अनकंफर्टेबल फील करती हैं, लेकिन काम की वजह से हील पहनना जरूरी है, तो ऐसे में अपनी कंफर्टेबलनेस को देखते हुए हील की ऊंचाई को सेट करें। इससे आप चलने में आसानी महसूस कर सकेंगी और बार-बार पैर मुड़ने की समस्या से भी बच पाएंगी।

- **पॉइंट हील पहनने से बचें:** अगर आपका हील पहनना जरूरी है, तो ऐसे में कभी भी पॉइंट हील न खरीदें, क्योंकि इससे आपकी पैरों की ग्रिप पूरी नहीं होती है, साथ ही पैर आगे से मुड़ जाता है, जिससे आपके पैर की शेप बिगड़ने और हड्डियों के क्रेक होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।
- **लेदर सोल की हील खरीदें:** अगर आपको काम या अन्य किसी वजह से हील पहननी ही है, तो ऐसे में आप हमेशा लेदर सोल वाली हील को ही चुनें। इससे आपके स्लिप होने का खतरा बेहद कम हो जाता है।
- **फ्लेट फुटवियर रखें:** आमतौर पर लड़कियों को किसी फंक्शन के दौरान ही हील पहननी चाहिए, लेकिन अगर आप एक मॉडल हैं और हील पहनना जरूरी है, तो ऐसे में आप अपने बैग में एक जोड़ी फ्लेट फुटवियर भी रखें, जिन्हें अक्सर काम करने के बाद पहन सकें। इससे आपके पैरों के साथ शरीर को भी आराम महसूस होगा।

डिप्रेशन हो या पेट की गड़बड़ी, हर समस्या का इलाज हर्बल चाय

अक्सर आपने घर में मम्मी-पापा या घर के बड़े बुजुर्गों से सुना होगा कि ज्यादा चाय नहीं पीनी चाहिए, क्योंकि यह हमेशा माना जाता है कि चाय पीने से दांत खराब होने के साथ-साथ एसिडिटी, गैस, कब्ज और निद्रा में गड़बड़ी होती है, लेकिन बाजार में सामान्य चाय के कई विकल्प हैं, जो आपको नुकसान नहीं, बल्कि फायदे पहुंचा सकती हैं। कई ऐसी हर्बल टी हैं, जिनमें कई असाधारण लाभ छिपे हैं और इन चाय को बनाना भी बहुम आसान है। इसमें कई तरह की चाय हैं, जो जापान, चीन और कोरिया जैसे देशों से आयात की जाती हैं। आइए हम आपको बताते हैं, इन चाय को पीने के फायदे।

¶ffCX³f SXBÀf ¦fe³f MXe

ब्राउन राइस ग्रीन टी का स्वाद में बेहद अच्छी और कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर है। ब्राउन राइस ग्रीन टी के नियमित सेवन से यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करती है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है। इतना ही नहीं ब्राउन राइस ग्रीन टी हृदय रोग के खतरों को भी कम करती है। इस चाय के सेवन से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और अंदरूनी सूजन से निपटने में मदद मिलती है। ब्राउन राइस ग्रीन टी एकाग्रता के स्तर में सुधार करने और थायरॉयड को नियंत्रित करने में भी मददगार है, क्योंकि ब्राउन राइस टी में सेलेनियम की उपस्थिति होती है, जो थायराइड के स्तर को भी बनाए रखने में मदद करती है।

¸ff¨ff MXe

माचा टी एक जापानी चाय है, जो जापानी चाय पत्तियों के पाउडर बनी है। कैमेलिया सिनेंसिस हरी झाड़ियों से बनी यह चाय है, ग्रीन टी की तरह ही है। यह चाय आपकी सारी चिंताओं को दूर करने में मदद करती है। माचा टी शरीर को डिटॉक्स करता है क्योंकि यह एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर है। इसके अलावा, यह फाइबर, क्लोरोफिल और विटामिन से भरपूर होता है, जो इसका सेवन से मूड़ बेहतर होता है और चिंता व तनाव से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा, माचा टी एक एनर्जी बूस्टर, कैलोरी बर्नर और डिटॉक्स डाइल्यूट के रूप में काम करती है और यह लिवर और दिल की भी रक्षा करने में सहायक होती है।

dþ³fÀfZÔ¦f MXe

जिनसेंग टी वजन घटाने से लेकर ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने तक कई फायदों से भरपूर है। तनाव या थकान के समय शरीर को उत्तेजित करने के जिनसेंग टी अपने प्राकृतिक लाभों के लिए जानी जाती है। क्योंकि यह व्यक्ति के संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक क्षमताओं में सुधार करती है। जिनसेंग टी आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने और वजन घटाने में भी मददगार है। महिलाओं के लिए जिनसेंग टी रजोनिवृत्ति के लक्षणों में सुधार करती है और इस दौरान होने वाली असुविधाओं को कम करती है। जिनसेंग एनर्जी लेवल को बढ़ाने के साथ-साथ आपके ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करती है और त्वचा को हाइड्रेट करती है। जिन लोगों को अक्सर पाचन समस्याओं से गुजरना पड़ता है, उनके लिए जिनसेंग टी अच्छा विकल्प हो सकता है। यह आपके पाचन में सुधार और खून के डिटॉक्सीफिकेशन में मदद करती है।

¶ff»feÊ MXe

बार्ली टी यानि जौ की चाय का सेवन करने से पेट दर्द, नींद में गड़बड़ी, कब्ज, यूटीआई इंफेक्शन और आम सर्दी से राहत देने में मदद करती है। यह प्रभावी रूप से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने और पाचन में सहायक है। इतना ही नहीं जौ की चाय में मेलाटोनिन और ट्रिप्टोफैन सहित कई यौगिकों की मौजूदगी होती है, जो मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर को ट्रिगर करने में मदद करती है, इससे मस्तिष्क को आराम मिलता है। जौ की चाय असाधारण स्वास्थ्य लाभों से भरपूर है, यह एक ब्लड क्लींजर के रूप में काम करती है और शरीर में मल त्याग को बेहतर बनाती है, इसलिए यदि आप रोजाना जौ की चाय पीते हैं, तो इससे आपको कई एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं, कई बीमारियों और विकारों को दूर रखने में मदद करता है।

सर्दियों में क्यों शुरू हो जाता है जोड़ों का दर्द

सर्दियों में बरसों पुरानी चोट भी फिर से जाग जाती है यानी अगर आपको शरीर के किसी अंग पर गुम चोट लगी हो, तो सर्दियों में उसका दर्द फिर से उभर आता है, जोड़ों का दर्द ऐसा ही एक दर्द है। जोड़ों में दर्द होने की कई वजह हो सकती है, अगर आपको भी सर्दियों में ऐसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो हम आपको बता रहे हैं कुछ उपाय-

ÀfdQÊ fûÔ ¸fZÔ ¢¹fûÔ WXû°ff WX QQÊ

डॉक्टरों की मानें तो सर्दी के मौसम में तापमान में कमी के चलते जोड़ों की रक्तवाहिनियां यानी ब्लड वेसल्स सिकुड़ती हैं और उस हिस्से में खून का तापमान कम हो जाता है, जिसके चलते जोड़ों में अकड़न होने के साथ दर्द महसूस होने लगता है।

BÀf QQÊ ÀfZ I YÀfZ ¶f¨fZÔ

- नियमित कसरत और पौष्टिक आहार लेने से आप जोड़ों में फ्लेक्सिबिलिटी को बरकरार रख सकते हैं।
- जोड़ों के दर्द में कई महत्वपूर्ण आसन या योग, जैसे गिद्धासन व प्राणायाम मदद करते हैं।
- सुबह की गुनगुनी धूप को विटामिन डी का एक अच्छा स्रोत माना जाता है।
- महिलाएं ऊंची हील की सैंडल पहनने से बचें। इससे एड़ी, घुटने और पिंडलियों के साथ कमर पर भी असर पड़ता है।
- धूप हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से रक्तशोध बढ़ता है और जोड़ों के दर्द और सूजन से मुक्ति मिलती है।
- ठंड के दिनों में यदि विटामिन डी की भरपूर खुराक ली जाए तो कमर दर्द और जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है।
- लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कम्प्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए ऑफिस में हर आधे घंटे या एक घंटे में सीट छोड़कर सात-मिनट के लिए घूमे-फिरें, शरीर को स्ट्रेच करें।
- मरीज विशेषज्ञ की देखरेख में ही एक्सर्साइज और योग करें।

dSXÀf¨fÊ ¸fZÔ J branch¶ffÀff

रोज ब्रश करने से नहीं होती दिल की बीमारी

बचपन से ही बच्चों में रोजाना दांत साफ करने की आदत डलवाई जाती है, जिससे मुंह से बदबू के साथ दांतों की समस्या को दूर रखा जा सके, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी दांत साफ करने की आदत आपके दिल को भी मजबूत बना सकती है। हाल ही में एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि रोजाना ब्रश करने से दिल के रोगों को दूर किया जा सकता है।

आमतौर पर दांतों में कीड़ा लगने, मुंह से आने वाली दुर्गंध और चमकदार दांतों के लिए रोजाना ब्रश करते हैं, लेकिन आज हम आपको बार-बार ब्रश करके दिल को मजबूत बनाने वाले शोध के बारे में बता रहे हैं, जिससे आप रोजाना ब्रश करने से दांतों को साफ रखने के साथ दिल को भी हेल्दी रख सकेंगे। यूरोपीय जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक, रोजाना दांत साफ करने की आदत दांतों को हेल्दी रखने के साथ दिल के लिए भी फायदेमंद होता है, क्योंकि बार बार ब्रश करने से दांतों एट्रियल फाइब्रिलेशन (अनियमित दिल की धड़कन) और हार्ट फेल होने का खतरा कम होता है। इस शोध के मुताबिक, सही तरीके से ओरल क्लीनिंग (मुंह की सफाई) न होने पर हानिकारक बैक्टीरिया मुंह के जरिए रक्त में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे शरीर में सूजन आने लगती है। लंबे समय तक एट्रियल फाइब्रिलेशन (अनियमित दिल की धड़कन) रहना हार्ट फेल (दिल को ब्लड पंप या आराम करने और रक्त से भरने की क्षमता में असंतुलन) होने का मुख्य कारण बन सकता है। दरअसल मसूड़े की सूजन आमतौर पर मुंह की गंदगी और मसूड़ों में इंफेक्शन होने की वजह से होती है। ऐसे में मसूड़े फूलना और मसूड़ों से खून निकलना एक संकेत होती है। प्लाक आमतौर पर दांतों के भीतरी हिस्से पर बनता है, जिससे मसूड़ों में सूजन और दांतों के नुकसान में बढ़ोतरी होती है। पीरियोडॉन्टल (पुरानी डेंटल) बीमारी यानि लंबे समय तक मसूढ़ों में आने वाली सूजन के कारण दिल का दौरा, ब्रेन स्ट्रोक या फिर मृत्यु तक होने का खतरा बढ़ जाता है। हाल ही में हुए इस शोध के मुताबिक, ओरल क्लीनिंग और दिल की बीमारी के बीच के संबंध को जानने के लिए 40 से 79 साल की आयु के लोगों पर कोरिया में शोध किया गया। जिसमें 161,286 प्रतिभागियों को शामिल किया गया, लेकिन उनके एट्रियल फिब्रिलेशन या हर्ट फेल होने का पहले से कोई इतिहास नहीं था। प्रतिभागियों ने 2003 और 2004 के बीच एक नियमित मेडिकल टेस्ट करवाएं। अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन का कहना है कि अमेरिका में हर दिन अनुमानित 2600 लोग दिल की बीमारी से मरते हैं। यह हर 34 सेकंड में एक मौत का औसत है। हर 45 सेकंड में, अमेरिका में कोई व्यक्ति इस वर्ष एक स्ट्रोक या लगभग 700,000 लोगों को पीड़ित करता है। दिल का दौरा और स्ट्रोक किसी को भी आघात पहुंचा सकता है। प्रत्येक वर्ष, हृदय रोग65 से कम उम्र के 150,000 लोगों की मृत्यु हो जाती है।

दबंग दुनिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि. के लिए प्रकाशक/मुद्रक- **किशोर वाधवानी** द्वारा मिशन मिडिया प्राईवेट लिमिटेड, छत्तीसगढ़ भवन, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं अविनाश मेग्नेटो मॉल, तीसरी मंजिल, एसओ-03, लभांडी विशालनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। **प्रधान संपादक-** किशोर वाधवानी। **स्थानीय संपादक-** आनंद प्रकाश*। फोन-0771-4919400, आर.एन.आई. नं. CHHHIN/2013/51161, इंटरनेट संस्करण http://www.dabangdunia.co.in। डाक पंजीयन छ.ग./रायपुर संभाग/79/2015-17 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

Scanned with OKEN Scanner